- सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया महत्वपूर्ण फैसला- अभिभावक नहीं बेंच सकते नाबालिग की संपत्ति - 12

- भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 6.7-6.9 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी - 12

- नेतन्याहू के दांव पर भड़के अमेरिकी उपराष्ट्रपति कहा-ये अपमानजनक - 13

- भारत को दो विकेट से हराकर आस्ट्रेलिया ने सीरीज में 2-0 की विजयी बढ़त बनाई - 14

आज का मौसम

32.0° अधिकतम तापमान

16.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.22

सूर्यास्त 05.36

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

| मुरादाबाद |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष तृतीया 01:19 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 206, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

केदारनाथ धाम के कपाट बंद

देवों के देव महादेव के धाम और ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग केदारनाथ के कपाट भैयादूज पर गुरुवार की सुबह साढ़े आठ बजे बंद किए गए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी समेत हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा केदार का आशीर्वाद लिया। इस दौरान 10 हजार से अधिक लोग मौजूद रहे।

वोट हटाने के लिए प्रति आवेदन 80 रुपये का हुआ भुगतान

बेंगलुरु, एजेंसी

एसआईटी जांच में खुलासा

- आलंद में हटाए गए थे वोट, छह संदिग्धों पर कसा शिकंजा

कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र में 2023 के विधानसभा चुनावों में वोट चोरी के आरोपों की जांच कर रही एसआईटी ने पाया कि वोट हटाने (डिलीट) के प्रयास किए गए थे। एसआईटी ने इसमें लिप्त कम से कम छह संदिग्धों पर शिकंजा कसा है।

अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के शीर्ष सूत्रों ने बताया कि प्रत्येक वोट को सफलतापूर्वक हटाने के लिए आरोपियों को 80 रुपये दिए जाते थे। कुल 6,994 वोट हटाने के अनुरोध किए गए थे, लेकिन कुछ वास्तविक मामलों को छोड़कर शेष सभी आवेदन फर्जी थे। कलबुर्गी में आने वाला आलंद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का गृह जिला है और कांग्रेस विधायक बीआर पाटिल इस विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। पाटिल और खरगे के बेटे प्रियंक खरगे ने ही वोट हटाने की कोशिशों का पर्दाफाश किया था और कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को इस संबंध में अवगत कराया था। पाटिल के अनुसार, दलितों और अल्पसंख्यकों सहित कुल 6,994 'कांग्रेस वोट' हटाने के लिए आवेदन दिए गए थे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा यथास्थिति बनाए रखने के आदेश के बाद यह प्रक्रिया रोक दी गई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल में दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन में इस बारे में अपनी बात रखी थी कि वोट चोरी कैसे हो रही है और उन्होंने आलंद का उदाहरण दिया था। पाटिल ने कहा कि अगर ये वोट हटा दिए जाते, तो वह निश्चित रूप से चुनाव हार जाते। उन्होंने 2023 का विधानसभा चुनाव अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सुभाष गुट्टेदार (भाजपा) से 10,000 मतों के अंतर से जीता था। मामले को गंभीरता से लेते हुए कर्नाटक सरकार ने वोट चोरी की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था।

आरोपियों ने वॉइस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल का किया इस्तेमाल

सीआईडी सूत्रों के अनुसार, छह संदिग्ध एक डेटा सेंटर से जुड़े थे और उन्होंने वोट हटाने के लिए वॉइस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल का इस्तेमाल किया था। वॉइस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल एक तकनीक है, जिससे इंटरनेट के जरिए फोन कॉल की जा सकती हैं और प्राप्त की जा सकती हैं, यानी- पारंपरिक फोन लाइनों के बजाय इंटरनेट का इस्तेमाल करके कॉल करना। एसआईटी ने संदिग्धों से जुड़े ठिकानों पर छापे मारे। उन्होंने सुभाष गुट्टेदार, उनके बेटों हर्षानंद और संतोष गुट्टेदार तथा उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट के ठिकानों पर भी छापेमारी की। इस बीच, एसआईटी को सुभाष गुट्टेदार के घर के पास मतदाताओं के जले हुए रिकॉर्ड भी मिले हैं। दिवाली के मद्देनजर उनके घर के सफाई कर्मचारियों ने सारा कचराजला दिया। भाजपा नेता ने कहा, इन दस्तावेजों को जलाने के पीछे कोई गलत मकसद नहीं था। अगर हमारा कोई गलत इरादा होता, तो हम इन्हें अपने घर से दूर कहीं जलाते।

ब्रीफ न्यूज

स्पाइसजेट विमान में तकनीकी खराबी दिल्ली लौटा विमान

नई दिल्ली। तकनीकी खराबी के कारण पटना जाने वाला स्पाइसजेट का एक विमान गुरुवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी लौट आया। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि विमान ने सामान्य लैंडिंग की और यात्रियों को सामान्य रूप से उतार लिया गया। विमान में सवार यात्रियों की संख्या का खुलासा नहीं किया गया है। विमानन कंपनी ने कहा, 23 अक्टूबर 2025 को दिल्ली से पटना जा रही स्पाइसजेट की उड़ान एसजी 497 तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के बाद दिल्ली लौट आई। यात्रियों को ले जाने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई, जो अब पटना के लिए रवाना हो चुका है।

52 दवा नमूने 'मानक गुणवत्ता रहित' पाए

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने सितंबर के लिए जारी अपने दवा संबंधी मासिक अलर्ट में विभिन्न कंपनियों द्वारा निर्मित 52 नमूनों को मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाया है। इसके अलावा, राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 60 दवा नमूनों की पहचान की है जो 'मानक गुणवत्ता के नहीं' थे। नकली दवाओं की सूची मासिक आधार पर सीडीएससीओ पोर्टल पर प्रदर्शित की जा रही है।

बायोलॉजिकल और रेडियोलॉजिकल हादसों से निपटेगा विशेष दस्ता : योगी

अग्निशमन विभाग की समीक्षा में 98 राजपत्रित व 922 अराजपत्रित नए पदों को दी मंजूरी

- मुख्यमंत्री ने कहा- प्रत्येक क्षेत्र में स्पेशलाइज्ड यूनिट व एक्सप्रेस-वे के हर 100 किमी पर होगी छोटी फायर चौकी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अग्निशमन व आपात सेवा विभाग में पदों के सृजन व अभियोजन संवर्गीय अधिकारियों के कैडर रिव्यू के संबंध में बैठक करते मुख्यमंत्री योग।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल हादसों और सुपर हाईराइज बिल्डिंग से अग्निकांड से निपटने के लिए को प्रत्येक क्षेत्र में स्पेशलाइज्ड यूनिट बनेगी। साथ ही एक्सप्रेस-वे के हर 100 किमी पर छोटी फायर चौकी खुलेगी। मुख्यमंत्री ने अग्निशमन विभाग की संरचना को समय की जरूरत के अनुरूप पुनर्गठित करने के निर्देश देते हुए 98 राजपत्रित व 922 अराजपत्रित नए पदों की मंजूरी भी दी है।

योगी ने अपने आवास पर अग्निशमन विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश की बढ़ती जनसंख्या, तेज औद्योगिक विस्तार व तीव्र शहरीकरण को देखते हुए फायर सर्विस को केवल आग बुझाने वाली एजेंसी न मानकर इसे आपदा प्रबंधन, रेस्क्यू ऑपरेशन व आपातकालीन सेवाओं के समेकित तंत्र के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने विभागीय कैडर रिव्यू की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि प्रत्येक क्षेत्र में स्पेशलाइज्ड यूनिट गठित की जाए, जो केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल दुर्घटनाओं और सुपर हाईराइज बिल्डिंग्स में होने वाली आपदाओं से निपटने में सक्षम हो। कहा कि आधुनिक तकनीक, उन्नत फायर टेंडर और प्रशिक्षित जनशक्ति से लैस फायर सर्विस ही जनसुरक्षा की गारंटी दे सकती है।

हर जिले में हो अकाउंट कैडर की स्थापना

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जिले में अकाउंट कैडर की स्थापना की जाए, ताकि वित्तीय प्रबंधन और पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने राज्य अग्निशमन प्रशिक्षण महाविद्यालय में भी नए पद सृजित करने के निर्देश दिए, जिससे प्रशिक्षण और अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार हो। उन्होंने कहा कि फायर सर्विस की नई इकाइयों को हाईटेक कम्युनिकेशन सिस्टम और डिजिटल रिपोर्टिंग तंत्र से जोड़ा जाए।

समयबद्ध पूरा करें विभाग का पुनर्गठन

बैठक में बताया गया कि नई ऑपरेशनल इकाइयों के रूप में कुशीनगर, आजमगढ़, श्रावस्ती, कानपुर नगर, अयोध्या, अलीगढ़, मुरादाबाद, चित्रकूट और सोनभद्र एयरपोर्ट पर फायर सर्विस की जनशक्ति पहले से ही तैनात की जा चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विभाग का पुनर्गठन समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि जनता को इसका लाभ जल्द मिल सके।

बिहार में विपक्ष का गठबंधन नहीं लठबंधन : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री मोदी ने राजद-कांग्रेस पर बोला हमला, कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि बिहार में जंगलराज पर अगले 100 साल तक चर्चा होगी और विपक्ष अपने कुकृत्यों को छिपाने की कितनी भी कोशिश कर ले, जनता उसे माफ नहीं करेगी। तेजस्वी यादव को बिहार चुनाव के लिए महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए जाने के बीच राजद-कांग्रेस गठबंधन पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'गठबंधन' नहीं, बल्कि 'लठबंधन' (अपराधियों का गठबंधन) है क्योंकि दिल्ली और बिहार के इसके सभी नेता जमानत पर बाहर हैं।

मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने को कहा कि बुजुर्ग लोग युवाओं को जंगलराज के दौरान हुए अत्याचारों के बारे में जानकारी दें। मोदी का इशारा उस समय की ओर था जब बिहार में राजद प्रमुख लालू प्रसाद मुख्यमंत्री थे। ऑडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 'मेरा बूथ सबसे मजबूतः युवा संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार में जंगलराज को लोग अगले 100 साल तक नहीं भूलेंगे और विपक्ष अपनी करतूतों को छिपाने की कितनी भी कोशिश कर ले, जनता उसे माफ नहीं करेगी। कहा, मैं बिहार के सभी युवाओं से कहूंगा कि वे हर बूथ पर युवाओं को इकट्ठा करें और उस क्षेत्र के बुजुर्गों को बुलाकर जंगलराज की पुरानी कहानियां सबको बताएं।

मोदी बोले- हर क्षेत्र और हर दिशा में हो रहा काम

मोदी ने कहा, बिहार में हर क्षेत्र में, हर दिशा में काम हो रहा है। अस्पताल बन रहे हैं, अच्छे स्कूल स्थापित हो रहे हैं और नए रेल मार्ग विकसित किए जा रहे हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि देश और बिहार में एक स्थिर सरकार है। जब स्थिरता होती है, तो विकास तेज होता है। यही बिहार की राजग सरकार की ताकत भी है। यही कारण है कि बिहार के युवा उत्साह से कह रहे हैं - रफ्तार पकड़ चुका बिहार, फिर से एनडीए सरकार। बिहार चुनाव राज्य के इतिहास में एक नया अध्याय लिखने के लिए है।

उन्होंने एक भाजपा कार्यकर्ता से बातचीत करते हुए कहा कि देश में विकास का एक महायज्ञ चल रहा है, तथा केंद्र और बिहार में स्थिर सरकार के कारण चौतरफा काम हो रहा है।

ईवी नीति में जारी रहेगी रोड व पंजीकरण शुल्क माफी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वालों को बड़ी राहत, ई-बसों व ई-गुड्स कैरियर्स को भी लाभ
- एग्रीगेटर और लाइट ऑपरेटरों को अतिरिक्त प्रोत्साहन देने की अधिसूचना को राज्यपाल की मंजूरी

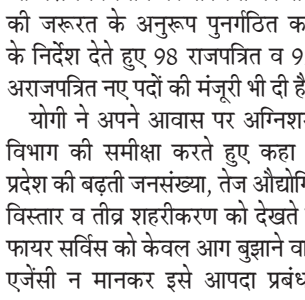

अमृत विचार: इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खरीदने वालों को योगी सरकार ने बड़ी राहत दी है। सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण एवं गतिशीलता नीति-2022 में बड़ा संशोधन करते हुए रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क माफी जारी रखने का फैसला किया है। इससे ई-बसों व ई-गुड्स कैरियर्स को भी लाभ मिलेगा। सरकार औद्योगिक विभाग के प्रस्ताव पर एग्रीगेटर और लाइट ऑपरेटरों को अतिरिक्त प्रोत्साहन देने की अधिसूचना पर राज्यपाल ने मुहर लगा दी है।

सरकार ने यह निर्णय प्रदेश में हरित ऊर्जा आधारित परिवहन को बढ़ावा देने और निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लिया है। शासनादेश संख्या 73/2025 के तहत जारी अधिसूचना को राज्यपाल की स्वीकृति मिल चुकी है। संशोधित नीति के अनुसार, राज्य में निर्मित और पंजीकृत सभी इलेक्ट्रिक वाहनों पर तीन वर्ष तक रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में सौ प्रतिशत छूट दी जाएगी। यह लाभ नीति अधिसूचना की तिथि से तीन वर्ष तक लागू रहेगा। इसके अलावा, चौथे और पांचवें वर्ष में भी छूट का लाभ आंशिक रूप से जारी रहेगा। यह कदम प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। औद्योगिक विभाग के सचिव विजय किरन आनंद की ओर से जारी संशोधित नीति की अधिसूचना से राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण इकाइयों, चार्जिंग केंद्रों और सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क को मजबूती मिलेगी।

ऑपरेटरों के लिए दो से पांच गुना बढ़ी सीमा

सरकार ने इस संशोधन के माध्यम से एग्रीगेटर (समूह वाहन संचालक) और लाइट ऑपरेटरों को विशेष राहत दी है। अब वे दो, तीन और चार पहिया इलेक्ट्रिक वाहनों के अधिकतम 10 वाहन तथा ई-बस या ई-गुड्स वाहनों के 25 वाहन तक नीति के तहत मिलने वाली सब्सिडी का लाभ ले सकेंगे। पहले यह सीमा केवल पांच वाहनों तक सीमित थी। इस बदलाव से प्रदेश में इलेक्ट्रिक टैक्सी, माल ढुलाई, बस सेवा और लघु परिवहन क्षेत्र को सहायता मिलेगी।

बैंक खाताधारक 1 नवंबर से बना सकेंगे चार नॉमिनी

नई दिल्ली। अब बैंकों के ग्राहक अपने खाते में चार व्यक्तियों तक को नामित (नामिनी) कर सकेंगे। इसका उद्देश्य बैंकिंग प्रणाली में दावों के निपटान की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, समान और प्रभावी बनाना है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि नई व्यवस्था एक नवंबर, 2025 से लागू हो जाएगी।

मंत्रालय ने कहा कि बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के तहत खातों में व्यक्तियों के नामांकन से संबंधित प्रमुख प्रावधान अगले माह से प्रभाव में आएंगे। यह अधिनियम 15 अप्रैल, 2025 को अधिसूचित किया गया था। इसके तहत पांच कानूनों में कुल 19 संशोधन किए गए हैं। वित्त मंत्रालय के मुताबिक, इन संशोधनों के अनुरूप बैंक ग्राहक अपने खातों में एक साथ चार व्यक्तियों तक को नॉमिनी बना सकते हैं।

प्रदेश में कई शहरों की जहरीली हुई हवा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

दिवाली बाद बढ़ा वायु प्रदूषण

- लखनऊ, मुरादाबाद, कानपुर आगरा, बरेली, मेरठ, मुज्जफरनगर प्रयागराज व अन्य शहरों में चिंताजनक

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में दिवाली बाद वायु प्रदूषण चरम पर है। कई शहरों की हवा जहरीली हो गई है। राज्य के दस प्रमुख शहरों की एक्यूआई की स्थिति तो चिंताजनक है। इनमें लखनऊ, मेरठ, मुज्जफरनगर, हापुड़, बुलंदशहर, मुरादाबाद, कानपुर, प्रयागराज, आगरा व बरेली शामिल हैं।

खासकर दिल्ली से सटे उप्र. के शहरों में वायु प्रदूषण का संकट गहराया हुआ है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की आबोहवा ज्यादा बदतर है। दरअसल, प्रदेश के कई शहरों में दीपावली पर दो दिन तक हुई आतिशबाजी ने हवा में जहर घोल दिया है। इस कारण प्रदूषण इस कदर बढ़ा कि वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) दो दिन में ही काफी बढ़ गया है। ऐसे में लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। आंखों में जलन और गले में खराश की शिकायत भी है। दिल्ली से सटे यूपी के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता की स्थिति गंभीर हो गई है।

वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) की साइट पर दर्ज आंकड़ों के मुताबिक, गुरुवार को मेरठ में सुबह 10 बजे तक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 332, हापुड़ का 244, बुलंदशहर का 214 व लखनऊ का 211, मुरादाबाद का 185, कानपुर का 183, प्रयागराज का 175, आगरा का 173 व बरेली का एक्यूआई 153 दर्ज किया गया है।

नए सीजेआई की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू, न्यायमूर्ति सूर्यकांत कतार में आगे

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारत के अगले प्रधान न्यायाधीश की नियुक्ति की प्रक्रिया गुरुवार को शुरू कर दी। वर्तमान प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई 23 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया से वाकिफ लोगों ने बताया कि न्यायमूर्ति गवई को उनके उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश करने के लिए कहने से संबंधित पत्र शुक्रवार तक मिल जाएगा। प्रक्रिया ज्ञापन के अनुसार, केंद्रीय कानून मंत्री भारत के सीजेआई से उनके उत्तराधिकारी की नियुक्ति के लिए उचित समय पर सिफारिश मांगेंगे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत न्यायमूर्ति गवई के बाद सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं और न्यायपालिका के अगले प्रमुख बनने की कतार में पहले पायदान पर हैं।

सबरीमला मामले में मंदिर का पूर्व अधिकारी गिरफ्तार

पथनमथिट्टा (केरल)। सबरीमला मंदिर से सोना गायब होने की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंदिर के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी बी. मुरारी बाबू को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें बुधवार रात चंगनास्सेरी स्थित उनके आवास से हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि बाद में उन्हें पूछताछ के लिए तिरुवनंतपुरम स्थित अपराध शाखा कार्यालय ले जाया गया। बाबू के रिश्तेदार गुरुवार सुबह अपराध शाखा के कार्यालय पहुंचे।

- एसआईटी ने सोना गायब होने के मामले में की कार्रवाई

ट्रंप का दावा | अमेरिकी राष्ट्रपति ने 1 हफ्ते में 5वीं बार रूसी तेल खरीद का मुद्दा उठाया

वर्ष के अंत तक रूस से तेल खरीदना बंद करेगा भारत

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपना दावा दोहराया है कि भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद करने पर सहमति जताई है और वह साल के अंत दिसंबर तक लगभग बंद कर देगा। साथ ही कहा कि यह एक प्रक्रिया है और इसमें कुछ समय लगेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि वह चीन को भी ऐसा करने के लिए राजी करने की कोशिश करेंगे। चीन और भारत रूसी कच्चे तेल के दो सबसे बड़े खरीदार हैं।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा, भारत ने मुझसे कहा है कि वे (रूसी तेल खरीदना) बंद करने जा रहे हैं, यह एक प्रक्रिया है, आप बस अचानक रुक नहीं सकते। वर्ष के अंत तक, वे इसे लगभग बंद कर देंगे, यानी लगभग 40 प्रतिशत तक कम कर देंगे। भारत बहुत महान है। बुधवार को मैंने प्रधानमंत्री मोदी से बात की। वह शानदार हैं। पिछले कुछ दिनों से ट्रंप यह दावा कर रहे हैं कि भारत ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वह रूस से तेल आयात में उल्लेखनीय कमी करेगा। अमेरिका के अनुसार, भारत कच्चे तेल की खरीद के माध्यम से रूस के राष्ट्रपति पुतिन को युद्ध के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। हाल के दिनों में नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंधों में तनाव बढ़ गया है क्योंकि ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिया है, जिसमें रूस से तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है। भारत ने अमेरिकी कदम को अनुचित, अन्यायपूर्ण और अव्यवहारिक बताया है। ट्रंप ने कहा कि वह चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ अपनी आगामी बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के तरीकों पर उनसे चर्चा करेंगे।

बाइडन और बराक की वजह से रूस-चीन एक साथ आ गए

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, चीन की स्थिति थोड़ी अलग है। उनका रूस के साथ थोड़ा अलग रिश्ता है। यह कभी अच्छा नहीं रहा है लेकिन (पूर्व राष्ट्रपति) जो बाइडन और बराक ओबामा की वजह से वे एक साथ आ गए। उन्हें कभी एक नहीं होना चाहिए था। स्वभाव से, चीन और रूस दोस्त नहीं हो सकते। बाइडन और ओबामा ने ऊर्जा और तेल के कारण उन्हें एक साथ आने पर मजबूर किया। अब वे पहले से ज्यादा करीब हैं। उन्होंने कहा, आज हम शुल्कों के कारण एक देश के रूप में बहुत अच्छा कर रहे हैं। दशकों तक शुल्क हमारे खिलाफ इस्तेमाल किए गए और उसने धीरे-धीरे हमारे देश को कमजोर कर दिया। उन्होंने कहा, मैंने आठ युद्धों को रोका। उनमें से पांच या छह केवल शुल्कों की वजह से रुके।

अमृत विचार
मुरादाबाद , शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

सांड ने दो लोगों को पटका, हालत गंभीर

सैदनगर, अमृत विचार : आवारा सांड ने दो राहगीरों को पटक कर जख्मी कर दिया। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला थाना क्षेत्र के जिठनिया चौराहे के पास का है। क्षेत्र में आवारा सांड का आतंक बना हुआ है।गुरुवार सुबह अहमदनगर निवासी दानिश अली बाइक से शहर को जा रहे थे। चौराहे के पास आवारा सांड में उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे के बाद बाइक सवार सड़क किनारे गिर गया। इस दौरान बचाने आए एक और राहगीर को सांड ने पटक दिया। सांड के हमले के बाद राहगीर सहम गए।रास्ते से हटने लगे। शोर मचाने पर आसपास के तमाम लोग लाठी डंडे लेकर मौके पर आ गए। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने भगाया। ग्रामीणों ने एंबुलेंस से घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में दानिश अली की हालत गंभीर बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आवारा सांड को पकड़ने की मांग की है।

मांग पूरी ना होने पर पत्नी को दिया तलाक

रामपुर, अमृत विचार : दहेज में पांच लाख रुपये नहीं मिलने पर ससुरालियों ने महिला को पीटकर भगा दिया। साथ ही पति ने पत्नी को तलाक दे दिया। सैफनी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक ग्रामीण का कहना है कि उसने अपनी बेटी की शादी 7 मई 2023 को जिला मुरादाबाद के थाना मूढ़ापांडे के गांव खरक निवासी एक युवक से की थी। शादी के कुछ समय तक सबकुछ ठीक रहा। उसके बाद ससुरालियों ने उससे 5 लाख रुपये की मांग कर दी। मांग पूरी नहीं होने पर ससुराली उसके साथ मारपीट करते थे। महिला का कहना है कि उसका ननदोई व देवर छेड़खानी करते थे। महिला ने सैफनी थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित मवेशियों का कराएं टीकाकरण

रामपुर, अमृत विचार : जिले में मवेशी मुंह पका और खुरपका रोग से पीड़ित हो रहे हैं। इसके बावजूद पशु चिकित्सक गांवों में पशुओं के टीकाकरण के लिए नहीं पहुंच रहे हैं। ग्रामीणों की की मांग है कि रोग ग्रसित पशुओं का टीकाकरण कराया जाए। इस मामले में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. वेद प्रकाश ने बताया कि 459000 पशुओं का टीकाकरण कराया जा चुका है। यदि किसी गांव में पशु रोग ग्रस्त है तो नजदीकी पशु चिकित्सालय में जाकर टीकाकरण कराया जा सकता है।

पत्नी की गला दबाकर हत्या करने का आरोपी पति गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बिजनौर

- स्योहारा के गांव मधेपुरा में महिला की संदिग्ध मौत का पुलिस ने किया खुलासा

अमृत विचार : स्योहारा थाना क्षेत्र के गांव मधेपुरा में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले में पुलिस ने मृतका के पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

थाना नूरपुर क्षेत्र के ग्राम मूसेपुर निवासी नौबहार सिंह ने अपनी पुत्री पूजा उर्फ शीतल की शादी करीब 10 माह पहले स्योहारा थाना क्षेत्र के ग्राम मधेपुरा निवासी प्रिंस पुत्र दयाराम सिंह के साथ की थी। बुधवार सुबह पूजा की संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया था कि दहेज को लेकर ससुराल पक्ष उसे लगातार प्रताड़ित कर रहा था और मांग पूरी न होने पर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी गई। मामले में क्षेत्राधिकारी धामपुर अभय कुमार पांडे ने जांच की जिम्मेदारी संभाली। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की और जांच के बाद आरोपी प्रिंस पुत्र दयाराम सिंह को गिरफ्तार कर लिया। स्योहारा थाना प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र कुमार ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर उसे गुरुवार को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया है।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की संलिप्तता पाई गई है।

कटघर थाना क्षेत्र में पुलिस ने बढ़ाई चौकसी, युवाओं व छात्रों को सुधारने का किया जाएगा प्रयास

युवाओं को नशे से बचाकर अध्यात्म से जोड़ने की पहल

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- नशीले पदार्थ बेचने वाले और नशा करने वालों की बनेगी सूची
- इस्कॉन सहित अन्य धार्मिक संगठनों का लिया जाएगा सहयोग

अमृत विचार : कटघर थाना क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और नशे के दुष्प्रभावों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से एसपी सिटी ने अनूठी पहल की है। क्षेत्र निवासी खासकर युवा और छात्रों को नशे मुक्त कराने के लिए विशेष अभियान की रूप रेखा तैयार की है, उन्होंने इसकी जिम्मेदारी कटघर पुलिस को सौंपी है और नेतृत्व वह खुद करेंगे। कटघर पुलिस को अपने क्षेत्र नशीले पदार्थ बेचने वाले और नशे करने वालों की सूची तैयार करने के लिए कहा गया है। इसमें इस्कॉन जैसे धार्मिक संगठनों का भी सहयोग लिया जाएगा।

गुरुवार को एस पी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि कटघर क्षेत्र के कुछ हिस्से में युवा और छात्रों को नेशे की बढ़ते कदम समाज और उनके भविष्य के लिए चिंताजनक दिखाई पड़ रहे है। युवाओं के कदम नशे की धुन में अपराध की ओर तेजी बढ़ रहे है। जो कि आने समय में घातक सिद्ध होंगे। उन्होंने बताया कि इसके लिए एक विशेष अभियान तैयारी की जा रही है। इसमें कटघर पुलिस की अहम भूमिका रहेगी। कटघर पुलिस से क्षेत्र में बिकने वाली शराब और अन्य नशीले

एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह।

पदार्थों बेचने वालों व रोज नशा करने वालों की सूची तैयार करने को कहा गया है। जिसमें पुलिस क्षेत्र में बढ़ती शाम के समय पुलिस गश्त को और अधिक सक्रिय किया जाएगा। इस अभियान के तहत पुलिस केवल सख्ती ही नहीं, बल्कि समाज में सुधार लाने की दिशा में जागरुकता और अध्यात्म का सहयोग भी लेगी। एसपी सिटी ने बताया कि कटघर पुलिस नशे की चपेट में आ रहे युवाओं को अध्यात्म और सकारात्मक सोच की ओर प्रेरित करने के लिए इस्कॉन संस्था सहित अन्य धार्मिक संगठनों का सहयोग लेने की तैयारी कर रही है। इस्कॉन संस्था के सहयोग से गली-मोहल्लों में जन जागरुकता अभियान चलाया जाएगा,जिसमें युवाओं,महिलाओं और बुजुर्गों को नशे से होने वाली सामाजिक और पारिवारिक हानियों के बारे में बताया जाएगा।

उद्देश्य केवल अपराधियों को पकड़ना ही नहीं बल्कि समाज को नशा मुक्त बनाना

एसपी सिटी ने बताया कि पुलिस का उद्देश्य केवल अपराधियों को पकड़ना नहीं,बल्कि समाज को नशा मुक्त बनाना रहेगा। सुरक्षा की दृष्टि से शराब की दुकानों, होटलों और ठेलों के आसपास शाम से ही पुलिस पेट्रोलिंग शुरू कर दी जाएगी। सार्वजनिक स्थानों, गली-मोहल्लों और चौराहों पर चार से अधिक लोगों के समूह में मौजूद संदिग्ध व्यक्तियों की सघन चेकिंग की जाएगी। पुलिस मकसद पूरा होने तक अभियान लगातार जारी रखेगी। प्रयास है कि समाज में नशे से दूर एक सकारात्मक वातावरण बने, जहां युवा अपनी ऊर्जा राष्ट्र और समाज निर्माण में लगाए।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दंपती की मौत

बिलासपुर जीरो प्वाइंट पर बुधवार शाम कार की टक्कर से हुआ दर्दनाक हादसा, परिजन बेहाल

संवाददाता,रामपुर/बिलासपुर

अमृत विचार : बिलासपुर में बुधवार शाम सड़क हादसे में पति के बाद घायल हुई महिला की मुरादाबाद में गुरुवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों के हवाले कर दिया। बुधवार रात पति की दिल्ली में उपचार के दौरान मौत हो गई थी।

बिलासपुर थाना क्षेत्र के हुरमत नगर निवासी अलाउद्दीन(59) फड़ लगाकर सामान बेचते थे। बुधवार को अलाउद्दीन अपनी पत्नी सगीरन बाइक से रुद्रपुर जा रहे थे। बिलासपुर जीरो प्वाइंट पर कार सवार ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मारकर घायल कर दिया। हादसे के बाद आसपास के लोग आ गए थे। उसके बाद दोनों लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां अलाउद्दीन को दिल्ली और उनकी पत्नी को मुरादाबाद के लिए रेफर कर दिया गया था। बुधवार को महिला के पति की शाम पांच बजे मौत हो गई थी। गुरुवार को सगीरन की उपचार के दौरान मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है।

पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर उनका पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों के हवाले कर दिया है। कार चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। महिला कार को चला रही थी।

मृतक अलाउद्दीन।

मृतका सगीरन।

20 दिन पहले हुई थी बेटे की शादी

दंपती ने अपने पीछे चार बेटों को छोड़ा है। 20 दिन पहले ही सबसे छोटे बेटे जीशान की शादी की थी। जिसके बाद परिवार में खुशियों का माहौल था। लेकिन दो मौत के बाद खुशियां मातम में बदल गईं। परिवार में सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे दिन आस-पड़ोस और रिश्तेदारों का घर पर तांता लगा रहा।

जिला अस्पताल में बैठे परिजन। ● अमृत विचार

एक साथ निकले जनाजे, आंखें हुईं नम

सड़क हादसे ने पलभर में परिवार की खुशियां उजाड़ दी। इस सूचना के बाद परिवार और रिश्तेदारों में कोहराम मच गया। धीरे धीरे करके लोगों का घर पर तांता लगना शुरू हो गया था। देर शाम को पति पत्नी के शव घर पहुंचा, उसके बाद दोनों के शवों को दफन करने के लिए कब्रिस्तान ले जाया गया। पति-पत्नी के जनाजे एक साथ घर से निकलने के बाद लोगों की आंखे नम हो गई। लोगों का कहना है कि परिवार के सिर से एक साथ ही माता-पिता का साया उठ गया।

बाइकों की टक्कर में चार घायल, दो रेफर

शाहबाद,अमृत विचार : बाइकों की भिड़ंत में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सिरौली थाना क्षेत्र के खुर्द गांव निवासी राशिद बाइक से अपनी बहन रीना व उसकी तीन वर्षीय बेटी आयशा के साथ बिलारी से दवा लेने के लिए जा रहा था, तभी रास्ते में सैफनी थाना क्षेत्र के खरसोल निवासी 50 वर्षीय वासुदेव चौराहे से दूध लेने के लिए निकले इसी दौरान दोनों बाइक आपस में टकरा गई।दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए चौराहे पर मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी एंबुलेंस को दी। एंबुलेंस की सहायता से चारों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहबाद पहुंचाया। डॉक्टर ने सभी घायलों को प्राथमिक उपचार दिया और रीना और वासुदेव की हालत को गंभीर देखते हुए जिला चिकित्सालय रामपुर रेफर कर दिया।

थोड़ा कम हुआ वायु प्रदूषण का स्तर, और सुधार की जरूरत

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- दिवाली के तीसरे दिन प्रदूषण में आई कमी, सूचकांक ऑरेंज और अन्य स्थानों पर येलो श्रेणी में आया

अमृत विचार : दिवाली के जश्न में जमकर आतिशबाजी के चलते महानगर में वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक हो गया था। वायु गुणवत्ता सूचकांक कई क्षेत्रों में 300 से अधिक पीजीएम पर जाकर रेडजोन में आ गया था। जिससे दमा और सांस के मरीजों की मुश्किलें बढ़ गई थीं। दूसरे दिन भी वायु प्रदूषण बढ़ा रहा। लेकिन तीसरे दिन गुरुवार को थोड़ी राहत मिली और वायु प्रदूषण के स्तर में कमी आई और सूचकांक ऑरेंज और अन्य स्थानों पर येलो श्रेणी में आ गया है।

गुरुवार सुबह कांशीराम नगर में सर्वाधिक एक्यूआई 213 रिकॉर्ड किया गया, जो आरेंज जोन में रहा, जबकि बुद्धि विहार में 176, ईको हर्बल पार्क क्षेत्र में 167, ट्रांसपोर्ट नगर में 147 और जिगर कालोनी में 142 पर रहा वायु गुणवत्ता सूचकांक, यह येलो जोन में है। नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने लोगों से वायु प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि खुले में गंदगी न फेकें। पार्कों को भी साफ सुथरा रखने में मदद करें।

पटाखों का धुआं कम होने से साफ रहा आसमान

वायु गुणवत्ता सूचकांक कम होने से सांस लेने में आसानी हुई और पटाखों के धुएं की धुंध कम होने से आसमान भी सुबह साफ रहा। शाम को हल्की हवा चलने का असर भी पड़ा। वहीं नगर निगम की ओर से प्रदूषण वाले क्षेत्रों में वाटर स्प्रिंकलर से पानी का छिड़काव पेड़ों और सड़कों पर कराया गया। जिससे धूल के कण भी कम होने से वायु गुणवत्ता बेहतर होने में मदद मिली।

जिला अस्पताल के डेंगू वार्ड में भिनभिना रहे मच्छर, मरीज परेशान

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- फॉगिंग तो हो रही लेकिन नहीं लगी मच्छरदानी

अमृत विचार : जिला अस्पताल के डेंगू वार्ड में इन दिनों भर्ती मरीज इलाज के साथ मच्छरों के आतंक से भी जूझ रहे हैं। वार्ड में फॉगिंग तो बात की दूर मच्छरदानियां भी नहीं लगाई गई हैं। परिणाम स्वरूप मरीज रात भर मच्छरों के काटने से परेशान रहते हैं। परिजन भी साफ-सफाई और सतर्कता की कमी पर सवाल उठा रहे हैं। वार्ड के बाहर दवा छिड़काव का काम जारी है, लेकिन अंदर की स्थिति में कोई विशेष सुधार नहीं दिख रहा।

कुछ मरीजों ने बताया कि जब-जब फॉगिंग होती है, कुछ देर के लिए मच्छर कम हो जाते हैं, मगर थोड़ी देर बाद स्थिति वापस वैसी ही हो जाती है। वहीं, अस्पताल प्रशासन का दावा है कि सफाई और फॉगिंग का कार्य नियमित रूप से किया जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और कहानी कहती है। फिजिशियन डॉ. आशीष कुमार सिंह का कहना है कि डेंगू मरीजों के लिए सबसे जरूरी है मच्छर के संपर्क से पूरी तरह बचाव। इलाज के साथ-साथ मच्छरदानियों और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

जिले में अब तक 17 डेंगू मरीजों की पुष्टि हो चुकी : स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जिले में अब तक 17 डेंगू मरीजों की पुष्टि हो चुकी है। इसमें अधिकांश मरीज शहरी क्षेत्रों से हैं, जहां पानी का जमाव और गंदगी इस समय आम समस्या बनी हुई है। इसके अलावा इलाज के लिए आने वाले लोगों से अपील की रही है कि वे अपने घरों के आसपास पानी जमा न होने दें और बचाव के लिए मच्छर प्रतिरोधक का प्रयोग करें।

शिकायत मिलने पर तुरंत की जाती है कार्रवाई

सीएमएम डॉ. राजेंद्र कुमार ने बताया कि अस्पताल में डेंगू के बढ़ते मामलों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। सफाई और फॉगिंग का काम नियमित रूप से किया जा रहा है। हालांकि, यदि कहीं शिकायत मिलती है, तो तुरंत कार्रवाई की जाती है। मरीजों की सुविधा के लिए जल्द ही सभी बेडों पर मच्छरदानियां लगाई जाएंगी।

शासन से स्वीकृति न मिलने से हैंडओवर नहीं हो सका छात्रावास

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- खेल विभाग की तीन सदस्यीय समिति ने छात्रावास के निर्माण की गुणवत्ता व लेखा परीक्षण कर शासन को भेज दी थी रिपोर्ट, स्वीकृति का इंतजार

अमृत विचार : सोनकपुर स्टेडियम में खिलाड़ियों के लिए बना 60 बेड का खेल छात्रावास कब से संचालित होगा इसकी कोई तिथि निर्धारित नहीं हो सकी है। यही नहीं छात्रावास खेल विभाग को औपचारिक रूप से अब तक हैंडओवर तक ही नहीं किया गया है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्पोर्ट्स स्टेडियम में करीब पांच करोड़ रुपये की लागत से उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ की ओर से दो मंजिला खेल छात्रावास का निर्माण किया गया था। छात्रावास में 60 खिलाड़ियों के रहने की व्यवस्था की गई है, जिनमें 24 बेड महिला खिलाड़ियों और 36 बेड पुरुष खिलाड़ियों के लिए आरक्षित हैं। निमार्ण के बाद खेल विभाग ने तीन सदस्यीय समिति का गठन की, जिसमें क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी, जिला विकास अधिकारी और लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता शामिल थे। बीते माह समिति की ओर से निर्माण की गुणवत्ता और लेखा परीक्षण कर शासन को शासन को रिपोर्ट भेजी लेकिन अब तक शासन की ओर से स्वीकृति नहीं मिल पाई है। यही कारण है कि खेल विभाग को छात्रावास हस्तांतरित नहीं हो पा रहा। यह भी तय नहीं हुआ हो सका है कि यह हास्टल किस खेल के खिलाड़ियों को आवंटित किया जाएगा। क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि विभागीय स्तर पर खिलाड़ियों के चयन और प्राथमिकता तय करने की प्रक्रिया हैंडओवर के बाद शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि जैसे ही शासन की स्वीकृति मिल जाएगी छात्रावास का हस्तांतरण कर खिलाड़ियों को प्रवेश दिया जाएगा। विभागीय अधिकारियों के अनुसार अगले साल से छात्रावास संचालित कराने की तैयारी है।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्पोर्ट्स स्टेडियम में बना छात्रावास। ● अमृत विचार

अंतर्राष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट का आगाज कल से

मुरादाबाद, अमृत विचार : डॉ. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी और पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय के टेनिस कोर्ट पर मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन व चड्ढा लाइफस्टाइल की ओर से शनिवार से अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। यह टूर्नामेंट एक नवंबर तक चलेगा। टूर्नामेंट संयोजक अवनीश रस्तोगी ने बताया कि प्रतियोगिता में 35 से 75 आयु वर्ग तक के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह आयोजन स्वर्गीय हरभजन सिंह चड्ढा की स्मृति में प्रति वर्ष आयोजित किया जाता है और यह इसका 11वां संस्करण होगा। यह प्रतियोगिता अंतर्राष्ट्रीय स्तर का स्टार ईवेंट है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय टेनिस संघ (लंदन) ने उत्कृष्ट आयोजन के लिए प्रमाणित किया है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष टूर्नामेंट में 207 खिलाड़ी शामिल हो रहे हैं, जिनमें स्लोवाकिया, अमेरिका, जर्मनी सहित कई देशों के खिलाड़ी होंगे। विभिन्न आयु वर्गों में लक्षित, चंद्रिल सूद, मिशल, कार्तिकेय, नरेंद्र चौधरी, जगदीश तंवर, पवन कपूर, अजीत भारद्वाज सहित नामचीन खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। टूर्नामेंट का संचालन आइटीएफ रेफरी एंटोन डिसूजा करेंगे। खिलाड़ियों के फिजियोथेरेपी के लिए कॉसमॉस हॉस्पिटल की टीम की व्यवस्था की गई है।

विकास | रामपुर में 428 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे दो बाईपास, जीरो प्वाइंट से शहजादनगर दुर्गनगला बन रहे फोरलेन

दोनों इंटरचेंज पर नवंबर में फर्राटा भरेंगे वाहन

वाहिद अली, रामपुर

अमृत विचार: मुरादाबाद और बरेली की ओर से उत्तराखंड जाने वाले वाहनों की राह को आसान करने के लिए नेशनल हाईवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) द्वारा रामपुर में फोर लेन बाईपास का काम तेजी से चल रहा है। इनमें दो बड़े इंटरचेंज बनाए गए हैं, जो शहर को जाम मुक्त बनाने में मददगार साबित होंगे। जीरो प्वाइंट से दुर्गनगला तक फोरलेन बाईपास पर नवबंर माह में वाहन फर्राटा भरेंगे। इस प्रोजेक्ट का लगभग 98 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।

एनएचएआई ने बाईपास के दोनों प्रोजेक्ट पर 428 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। जीरो प्वाइंट से शहजादनगर दुर्गनगला फोरलेन मार्ग पर कार्य 98 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। हालांकि यह प्रोजेक्ट जुलाई 2025 में पूर्ण होना था, लेकिन इस पर काम लगभग खत्म की ओर है। वहीं हाईवे स्थित सिहोरा बाजे पंजाब-हरियाणा ढाबे से कोयला तक फोरलेन मार्ग 31 मार्च 2026 तक पूर्ण होने का लक्ष्य है। लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग से उत्तराखंड के रुद्रपुर जाने वाले वाहनों का दबाव कम करने के लिए एनएचएआई रामपुर शहर में दो प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। एनएचएआई के सहायक अभियंता गुरविंदर सिंह ने बताया कि जीरो प्वाइंट से शहजादनगर दुर्गनगला तक 10.190 किमी. फोरलेन पर 188 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। जो मुरादाबाद और बरेली से आने वाले वाहनों को जीरो प्वाइंट इंटरचेंज से नैनीताल हाईवे को जोड़ेगा। जो इसी साल नवंबर में चालू हो जाएगा। वहीं मुरादाबाद-बरेली हाईवे स्थित सिहोरा बाजे पंजाब-हरियाणा ढाबे से कोयला के लिए 13.7 किमी. फोरलेन पर 240 करोड़ रुपये खर्च होंगे। जो मुरादाबाद-बरेली से आने वाले वाहनों को शहजादनगर इंटरचेंज से कोयला नैनीताल हाईवे को जोड़ेगा। इसके चालू होने के बाद उत्तराखंड जाने वाले वाहनों को शहर से होकर नहीं गुजरना पड़ेगा। अभी तक मुरादाबाद-बरेली हाईवे से नैनीताल रोड होते हुए वाहन निकलते हैं। ऐसे में गर्मियों की छुट्टियों में उत्तराखंड में पर्यटकों की संख्या के साथ शहर में वाहनों का दबाव कम होगा। अधिकारियों के अनुसार दोनों फोरलेन 2025 की शुरुआत में शुरू होने थे, लेकिन बरसात के मौसम में कोसी नदी में बाढ़ आने के कारण कार्य बाधित रहा, इसके चलते लक्ष्य का समय भी बढ़ा दिया गया था। जिसके बाद हाईवे स्थित सिहोरा बाजे पंजाब-हरियाणा ढाबे से कोयला तक फोरलेन मार्ग 31 मार्च 2026 तक पूर्ण होने का समय दिया गया है।

जीरो प्वाइंट पर नवनिर्मित इंटरचेंज। ● अमृत विचार

जीरो प्वाइंट पर 98 प्रतिशत काम हो चुका पूरा

एनएचएआई के अधिकारियों ने बताया कि जीरो प्वाइंट से दुर्गनगला फोरलेन मार्ग का करीब 98 प्रतिशत निर्माण पूर्ण हो गया है, जो जल्द चालू होने वाला है। वहीं हाईवे स्थित सिहोरा बाजे पंजाब-हरियाणा ढाबे से कोयला तक फोरलेन मार्ग का 55 से 60 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है, जो 31 मार्च 2026 तक पूरा हो जाएगा।

दो स्थानों पर अंडरपास का भी कराया जा रहा निर्माण

10.190 किमी. के बाईपास चौड़ीकरण के चलते आगापुर और पसियापुरा के बीच अंडरपास का भी निर्माण कराया जा रहा है। अंडरपास के जरिये आगापुर व पसियापुरा के लोग एक से दूसरे तरफ आवागमन कर सकेंगे। इससे यहां के लोगों को लंबी दूरी से राहत मिलेगी। जबकि दो इंटरचेज भी बन रहे हैं।

चौड़ीकरण और फ्लाईओवर के ये होंगे फायदे

- जीरो प्वाइंट से दुर्गनगला तक पर होने वाले हादसों में कमी आएगी
- चौड़ीकरण से दोनों ओर वाहन आसानी से आ जा सकेंगे
- जाम की समस्या से मिलेगी निजात
- शहर से मुरादाबाद जाने वाले वाहन भी जाम में नहीं फंसेंगे
- मुरादाबाद, बरेली की ओर से आने वाले वाहनों का दबाव रामपुर शहर में नहीं पड़ेगा

बाईपास के फोरलेन व इंटरचेंज के निर्माण का काम अंतिम दौर में है। जीरो प्वाइंट से दुर्गनगला तक 10.190 किमी. मार्ग नवंबर माह में चालू हो जाएगा। जबकि पंजाब-हरियाणा ढाबा से कोयला तक 13.70 किमी मार्ग 31 मार्च 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

– गुरविंदर सिंह, सहायक अभियंता, एनएचएआई

रामपुर में मोटे अनाज का रकबा बढ़ा

रामपुर, अमृत विचार : मोटे अनाज बोए जाने की पहल पर जिले में मोटे अनाज का रकबा बढ़ गया है। जिले में ज्वार, बाजरा, मक्का का रकबा बढ़ा है इसमें बाजरे की फसल ने लंबी छलांग लगाई है। जिले में 2600 के सापेक्ष 2935 हेक्टेयर में बाजरे की खेती हुई है।

जिला कृषि अधिकारी कुलदीप सिंह राणा ने बताया कि जिले में सबसे अधिक बाजरे की खेती हुई है। शाहबाद में बाजरे का रकबा 2935 हेक्टेयर पहुंच गया है। किसानों को लागत भी बहुत लगानी पड़ती है और फसल भी बहुत अच्छी होती है। बाजरे का आटा गुणों से भरपूर है। मिलेट्स से कुपोषित बच्चे स्वस्थ हो जाते हैं। खरीफ की फसलों का जिले में बाजरा का 2935 हेक्टेयर, ज्वार का 1242 हेक्टेयर, मक्का का 112 हेक्टेयर, रागी का 115 एकड़, सांवर का 45 एकड़ रकबा है।

न्यूज ब्रीफ

धुंधली सुबह और गर्म दोपहर के बीच हिलोरें लेता मौसम

मुरादाबाद, अमृत विचार : गुरुवार की सुबह हल्की धुंध के साथ शुरू हुई। न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोपहर होते-होते सूर्य की तपिश बढ़ने से गर्मी का एहसास होने लगा और अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। हालांकि सूर्यास्त के बाद हवा में ठंडक घुलने लगी, जिससे मौसम सुहावना महसूस हुआ। मौसम विभाग के अनुसार मौसमी बदलाव का यह दौर आने वाले कुछ दिनों तक जारी रह सकता है। रात के तापमान में हल्की गिरावट की भी संभावना जताई जा रही है, जिससे सुबह और देर रात ठंड का असर थोड़ा बढ़ सकता है।

बाइक की टक्कर से दंपती समेत बच्चा घायल

कांठ, अमृत विचार : हाईवे पर अज्ञात बाइक सवार दूसरी बाइक को टक्कर मारकर फरार हो गया। दुर्घटना में पत्नी पति सहित एक बच्चा घायल हो गया। जनपद बिजनौर के थाना धामपुर के अंतर्गत मोहल्ला लाइयान कालिया मंदिर निवासी पारसनाथ उनकी पत्नी राधा व पांच वर्षीय बालक लकी बाइक से स्योहारा कांठ हाईवे से अपनी रिश्तेदारी में जा रहे थे। इसी दौरान सामने से अज्ञात बाइक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। हादसे में पारसनाथ, उनकी पत्नी राधा व 5 वर्षीय बालक लकी घायल हो गए। घायलों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांठ में उपचार कराया गया। जहां से पारसनाथ की हालत चिंता जनक देखते हुए रैफर कर दिया गया है।

बच्चों की लड़ाई में एक की आंख जख्मी

छजलैट, अमृत विचार : छजलैट थाना क्षेत्र के गांव सदुपुरा प्रदीप कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनकी 6 वर्षीय बेटी परी पड़ोसी देवेंद्र कुमार के घर खेल रही थी। आरोप है कि देवेंद्र की बेटी से आंख में कुछ लग गया, जिससे उनके बेटी की आंख में गंभीर चोट लग गई। देवेंद्र की पत्नी ने घर में रखी दवा डाल दी, जिससे आंख खराब हो गई। घटना के बाद गांव के कुछ लोगों ने दोनों पक्षों के बीच इलाज करने की बात कह कर समझौता करा दिया। आरोप है समझौता होने के बाद भी दूसरे पक्ष के लोगों ने इलाज नहीं कराया। पूरे मामले की शिकायत करने के लिए जब पीड़िता आरोपियों के घर पहुंची तो आरोपियों ने गाली गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने देवेंद्र सिह व उनकी पत्नी सुनीता पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

उत्साह और श्रद्धा के साथ मना भाई दूज पर्व

बहनों ने तिलक कर की भाइयों की खुशहाली की कामना, भाई-बहनों ने सेल्फी लीं, भेजे गए बधाई संदेश

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक पर्व भाई दूज पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ गुरुवार को मनाया गया। सुबह से ही घरों में पूजा-पाठ की तैयारियां जोरों पर रहीं। बहनों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार भाइयों के माथे पर रोली, चावल और तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र व सुख-समृद्धि की कामना की। भाइयों ने भी अपनी बहनों को उपहार, मिठाइयां और आशीर्वाद देकर उनके प्रति अपने स्नेह का इजहार किया। कहीं, बहनों ने भाइयों को आरती उतारकर फल-फूल और मिठाई खिलाई, तो कहीं भाइयों ने बहनों को सैर-सपाटा करवा कर दिन को यादगार बनाया।

जिले भर में भैया दूज का पर्व धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर उनके लंबी उम्र की कामना की। बहनों ने बाजारों में गोले, कूजे, फल और मिठाइयों की खरीदारी की। वहीं, भाइयों ने भी उपहार देने के लिए बाजार में जमकर गिफ्ट खरीदे।

कटघर में भैया दूज पर भाई की आरती करती बहन।

नवीन नगर में भैया दूज पर भाई का टीका करती बहन।

इस दिन बहन यमुना के घर गए थे यमराज

ज्योतिषाचार्य दीपक कृष्ण उपाध्याय ने बताया कि मान्यता है कि इस दिन यमराज अपनी बहन यमुना के घर गए थे, जहां यमुना ने उनका तिलक कर स्वागत किया था। तभी से यह पर्व भाई-बहन के स्नेह और सुरक्षा का प्रतीक बन गया।

मिष्ठान और गोले की दुकानों पर रही भीड़

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- 400 रुपये बढ़कर 600 रुपये किलो तक बिका गोला

अमृत विचार : भैयादूज पर गुरुवार को शहर भर में मिष्ठान और गोले की दुकानों पर ग्राहकों की जबरदस्त भीड़ रही। सुबह से ही बाजारों में रौनक नजर आने लगी थी।

मिठाइयों के साथ-साथ गोले की खरीद को लेकर भी लोगों का उत्साह देखने लायक रहा। दुकानदारों ने मनमर्जी कीमतें वसूल कीं, लेकिन बहनों ने इस शुभ अवसर पर मोलभाव नहीं किया। पीतलबस्ती, कटघर, मकबरा, मंडी चौक, ताड़ीखाना और नवीननगर क्षेत्रों में देर शाम तक खरीदारी का दौर जारी रहा। गोले की कीमतें पर्व के चलते 400 रुपये से बढ़कर 600 रुपये किलो तक पहुंच गईं। बावजूद इसके, ग्राहकों में किसी तरह की निराशा नहीं दिखी। कई जगहों पर लोगों को अपनी पसंदीदा मिठाई और गोला खरीदने के लिए लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ा। पीतलबस्ती स्थित एक दुकान पर शांतनु गुप्ता ने बताया कि पर्व से पहले ही गोले की मांग बढ़ गई थी, इसलिए माल की सप्लाई सीमित हो गई। कुछ दुकानों पर ताजा स्टॉक खत्म होने के बाद पुराने भंडारण का भी उपयोग किया गया। वहीं, सुरक्षा और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए कई दुकानदारों ने डिस्पोजेबल पैकिंग की व्यवस्था की।

भगवत कृपा से असुर भी देवता बन जाते हैं: अर्द्धमौनी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- श्रीमद्भागवत कथा का दूसरा दिन

अमृत विचार : नर्मदेश्वर मन्दिर, आरपीएफ रेलवे हरथला कालोनी में आयोजित 528वीं श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन गुरुवार को कथा व्यास आचार्य धीरशान्त अर्द्धमौनी ने बताया कि भक्त प्रह्लाद ने हरिनाम संकीर्तन से ही अपने कुल की इक्कीस पीढ़ियों का उद्धार किया। उन्होंने बताया कि भगवान के नाम का आश्रय दृढ़ता से पकड़ लीजिये। अन्य साधनों का विरोध नहीं है। सब करें, अच्छी तरह करें पर आश्रय हरिनाम का पकड़ें।

आचार्य धीरशान्त।

जैसे छोटा बच्चा मां का आंचल पकड़े रहता है, इसके बाद हमें यह चाहिए, वह चाहिए, सब चीजें खोजता है पिता, भाई- बहन सब को चाहता है, परन्तु मां का आंचल नहीं छोड़ता। वह ऐसा इसलिये करता है कि उसे इस बात का भरोसा है कि मां उसकी सदैव रक्षा करेगी। वैसे ही हरिनाम का आश्रय पकड़ लें और फिर इसके बाद सब करें। ऐसा करने पर हरिनाम हमें तार देगा।

कथा व्यास ने कहा कि सभी साधन अच्छे हैं, सदाचार अच्छा है, पर अंतिम समय तक सदाचार सिद्ध नहीं हुआ तो सब चाहते हैं, मन वश में हो, बहुत ठीक परन्तु अंत तक मन वश में नहीं हुआ तो। देवी संपदा के गुण होने आवश्यक हैं पर यदि मरते समय तक वे नहीं आ सके तो क्या फायदा। ध्यान होना उत्तम बात है पर यदि अंत तक नहीं हुआ तो। परन्तु यदि हरिनाम का आश्रय पकड़े रहेंगे तो यह हमें तार देगा।

हम लोग कलयुगी प्राणी हैं पर हरिनाम तो स्वयं हमें अपनी शक्ति से उठाने वाला है। लगन रहने पर भगवान् उसे अवश्य निभायेंगे। यदि हरिनाम जप की संख्या पूरी न हो पाये तो इसके लिये मन में सचमुच दुःख का अनुभव होना और भविष्य में हरि से प्रार्थना करते हुए अब फिर कभी ऐसी भूल नहीं होगी यह सबसे उत्तम प्रायश्चित है। चिन्ता करना छोड़ दें।

कथा में बिरजन सिंह, शिवानी सिंह, हितेन्द्र सिंह, उषा सिंह, विमला देवी, रामकिशोर सिंह, करनवती सिंह, बसन्ती रानी, सविता सिंह, कंचन सिंह, नन्द किशोर सिंह, महक सिंह, रेषा सिंह आदि उपस्थित रहे।

उन्नत भारत के तहत हरियाना गांव को गोद लेगा टीएमयू

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- वक्ता बोले, महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहीं

अमृत विचार : तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में डीन स्टुडेंट्स वेलफेयर प्रो. एमपी सिंह ने बताया टीएमयू उन्नत भारत अभियान में हरियाना ग्राम को गोद लेगा। यह टीएमयू के कुलाधिपति सुरेश जैन का पैतृक गांव हैं।

बताया कि टीएमयू ने गुरेठा, नानकबाड़ी, गिन्नौर, मनोहरपुर, मौढ़ा तैया, सुल्तानपुर फलेंदा, फत्तेहपुर विश्नोई, नेमतुल्ला नगर आदि 8 गांवों को पहले से ही गोद ले रखा है। कॉलेज केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वास्थ्य, पर्यावरण, सामुदायिकता, साक्षरता, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता अभियान को लेकर समय-समय पर कैंप आयोजित करता है है। प्रो. सिंह डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर में महिला सशक्तिकरण को लेकर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर डेंटल कॉलेज की डायरेक्टर गवर्नेंस डॉ. नीलिमा जैन, डेंटल कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. प्रदीप तांगडे, वाइस प्रिंसिपल डॉ. अंकिता जैन आदि मौजूद रहीं। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। जिसमें अभिलीन कौर, अर्हंत जैन, वंशिका त्यागी, वर्निका, प्राजक्ता जैन, ऋषभ जैन आदि शामिल रहे। वक्ताओं ने कहा कि जब सोच बदलती है, तो समाज बदलता है नुक्कड़ नाटक यह संदेश देने में सफल रहा, महिलाओं को हक़ देने की नहीं, बल्कि उसकी बराबरी को स्वीकार करने की ज़रूरत है। डायरेक्टर गवर्नेंस डॉ. नीलिमा जैन ने कहा, आज महिलाएं विज्ञान, चिकित्सा, कला और शिक्षा हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। कार्यक्रम में पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग के इंटर्न- आदित्य चौधरी, अनीश कुमार सिंह, अंशिका और अपूर्वा के सहित 100 से अधिक छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों का आंदोलन तेज

मुरादाबाद, अमृत विचार: टीईटी अनिवार्य किए जाने के निर्णय के विरोध में शिक्षक संगठनों ने आंदोलन की तैयारियों की गति तेज कर दी है। जिसमें उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष ने कहा कि शिक्षकों के अंदर आक्रोश पनप रहा है,इस आक्रोश को दिशा देने प्रांतीय अध्यक्ष मुरादाबाद पहुंच कर शिक्षकों के साथ वार्ता करेंगे।

गुरुवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष नीरज शर्मा ने बताया कि संघ के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा अपने सहयोगियों के साथ आगामी माह में नई दिल्ली में होने वाले विशाल प्रदर्शन की रूपरेखा साझा करने के लिए रविवार को मुरादाबाद पहुंच रहे हैं। जिला अध्यक्ष डॉ. शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को शिक्षक भवन दांग परिसर में संगठन की जिला कार्यसमिति की बैठक बुलाई गई है।

चित्रांश समाज ने की चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : भगवान चित्रगुप्त के वंशजों ने गुरुवार को विधिविधान व आस्था भाव से उनकी पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। कलम दवात की पूजा कर विद्या बुद्धि की प्रार्थना कर समाज में सद्भाव और देश की उन्नति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की प्रतिबद्धता जताई। घरों के बाद सामूहिक चित्रगुप्त पूजन भी किया गया।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट प्रदीप सक्सेना ने बताया कि दीपावली के बाद भैया दूज पर चित्रगुप्त भगवान जी की पूजा की जाती है। वह हिंदू धर्म के अत्यंत पूजनीय देवता हैं, जिन्हें कर्मों के लेखा-जोखा रखने वाले देवता के रूप में जाना जाता है। वह यमराज के सहायक हैं और मनुष्य के जीवनभर के अच्छे-बुरे कर्मों का हिसाब रखते हैं। मृत्यु के बाद जब व्यक्ति यमलोक पहुंचता है, तो चित्रगुप्त जी उसके कर्मों का लेखा पढ़कर निर्णय करते हैं कि आत्मा को स्वर्ग मिलेगा या नह।

चित्रगुप्त भगवान को ब्रह्मा जी ने अपनी काया से उत्पन्न किया था।पुराणों में कहा गया है कि ब्रह्मा जी ने जब सृष्टि की रचना की, तब उन्होंने एक ऐसा देवता बनाया जो सभी प्राणियों के कर्मों का लेखा रख सके दीपावली के उपरांत उनका जन्म दिवस चित्रगुप्त जयंती या यम द्वितीया के रूप में मनाया जाता है। चित्रगुप्त जी प्रत्येक जीव के सत्कर्म और दुष्कर्म का लेखा लिखते हैं। मृत्यु के बाद, यमराज को वही यह बतलाते हैं कि व्यक्ति को किस लोक में भेजा जाए। उनके पास एक बही-खाता होता है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का कर्म लिखा होता है पूजा और आराधना विशेष रूप से कायस्थ समाज के लोग भगवान चित्रगुप्त को अपना आराध्य देवता मानते हैं। उनकी पूजा में कलम, दवात, कागज आदि का विशेष महत्व होता है। चित्रगुप्त पूजा के दिन भक्त अपने लेखन साधनों की पूजा करते हैं। चित्रगुप्त जी यह सिखाते हैं कि हर व्यक्ति के कर्मों का लेखा रखा जाता है इसलिए मनुष्य को हमेशा सत्कर्म करना चाहिए और सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए।

पूजन करते ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप सक्सेना व अन्य। ● अमृत विचार

- आस्था व विधि विधान से पूजन कर विद्या बुद्धि व सुख समृद्धि की प्रार्थना की

भव्य शोभायात्रा व कुटुंबकम उत्सव 26 अक्टूबर को

वहीं नगर निगम के वार्ड 47 के पार्षद डा. गौरव श्रीवास्तव आदि ने भी परिवार के सदस्यों के साथ भगवान चित्रगुप्त का पूजन किया। उन्होंने बताया कि भगवान चित्रगुप्त की भव्य शोभायात्रा व कुटुंबकम उत्सव का आयोजन 26 अक्टूबर रविवार को किया जाएगा। सुबह 10:30 बजे भैया जी का मंदिर निकट गवर्नमेंट कालेज से शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसमें सभी चित्रांश बंधुओं से शामिल होने की उन्होंने अपील की।

भाई दूज पर रोडवेज बसों में उमड़ी भीड़

कार्यालय संवाददाता,मुरादाबाद

अमृत विचार : भाई दूज के पावन अवसर पर सुबह से ही रोडवेज बस अड्डों पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अपने भाइयों के घर जाने के लिए बड़ी संख्या में बहनें बस अड्डों पर पहुंचीं,जिससे बसों में जगह तो दूर कुछ बसों से डिपो भी खाली नजर आए। त्योहार को देखते हुए उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम ने पहले से ही बसों की संख्या बढ़ाने और अतिरिक्त सेवाएं चलाने की तैयारी की थी। हालांकि, सुबह से ही कुछ रूटों पर बसों के विलंब से पहुंचने और तकनीकी कारणों के चलते यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। यही हाल ट्रेनों का रहा।

गुरुवार को रोडवेज के मुरादाबाद और पीतल नगरी डिपो रोडवेज डिपो पर सुबह 6 बजे से ही बहनों की भीड़ बढ़नी शुरू हो गई थी। जैसे-जैसे दिन चढ़ा, बस स्टैंड यात्रियों से खचाखच भर गया। मुख्य सेवा प्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रबंधक मुरादाबाद परिक्षेत्र अनुराग यादव ने बताया कि डिपो प्रशासन ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कर्मचारियों की अतिरिक्त ड्यूटी लगाई, लेकिन अचानक बढ़े यात्री दबाव के कारण कई बसों को ओवरलोड होकर रवाना होना पड़ा। लेकिन बसों के देर से आने के कारण कई यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने अनावश्यक समय लग गया। वहीं, कुछ यात्रियों ने बताया कि त्योहारों के समय पर्याप्त बसें न होने से हर साल ऐसी स्थिति बन जाती है।उन्होंने बताया कि त्योहारों के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त बसें चलाई जा रही हैं,और सभी प्रमुख रूटों पर निगरानी रखी जा रही है। बसों के संचालन में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए परिवहन कर्मी लगातार सक्रिय हैं।भीड़ और अव्यवस्था के बीच भी बस अड्डे पर त्योहार की रौनक देखने लायक थी। बस मिलने पर बहनों के चेहरे खिले दिखाई दिए। कई महिलाएं मिठाई और पूजा सामग्री लेकर बसों में सवार होती दिखीं।

पीतल नगरी डिपो पर बस का इंतजार करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार करते लोग। ● अमृत विचार

पीतलनगरी डिपो पर बस में चढ़ते यात्री। ● अमृत विचार

मौसम बदलते ही बढ़ी वायरल मरीजों की संख्या

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- जिला अस्पताल में 30 फीसदी अधिक रोगी

अमृत विचार : मौसम में हो रहे लगातार बदलाव का असर लोगों के स्वास्थ्य पर साफ दिखाई दे रहा है। जिला अस्पताल में इन दिनों सर्दी-जुकाम, बुखार, खांसी और वायरल संक्रमण से पीड़ित मरीजों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में लगभग 30 फीसदी बढ़ गई है। ओपीडी फिलहाल न चलने के कारण अधिकांश मरीजों को इमरजेंसी वार्ड में देखा जा रहा है, जिससे वहां भारी भीड़ है।

चिकित्सकों के अनुसार एक सप्ताह में बुखार और सर्दी-जुकाम के मरीजों की संख्या में अचानक वृद्धि हुई है। बच्चों और बुजुर्गों में वायरल के लक्षण अधिक देखने को मिल रहे हैं। डॉक्टर मरीजों को प्रारंभिक उपचार के साथ ही सावधानियां बरतने की अपील कर रहे हैं। डॉ. मनोज यादव ने बताया कि मौसम में बदलाव से रोग प्रतिरोधक क्षमता पर असर पड़ता है, जिससे वायरल संक्रमण तेजी से फैलता है। लोगों को भीड़ भाड़ वाले इलाकों से बचना चाहिए, पानी अधिक पिएं और बिना जरूरत के ठंडे या खुले खाद्य पदार्थों का सेवन न करें। शुरुआती लक्षण दिखते ही चिकित्सक से संपर्क करें। स्वयं को सुरक्षित रखने के लिए स्वच्छता का ध्यान रखें और यदि बुखार या खांसी-जुकाम के लक्षण हों तो बिना देरी जांच कराएं। अस्पताल में दवाओं और बुखार की जांच की पर्याप्त व्यवस्था है।

छठः सफाई अभियान शुरू, प्रशासन से रविवार तक कार्य पूर्ण करने की मांग

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- भैया दूज की छुट्टी के कारण धीमी हुई रफ्तार

अमृत विचार : छठ पूजा का पर्व केवल आस्था नहीं, बल्कि समाज में स्वच्छता और सहयोग का भी प्रतीक है। नगर निगम द्वारा सीएल गुप्ता रामगंगा नदी के घाट पर छठ पूजा को ध्यान में रखते हुए गुरुवार से साफ-सफाई का कार्य शुरू किया गया। हालांकि, भैया दूज के राजकीय अवकाश के कारण सफाई अभियान गति नहीं पकड़ सका है। इसके चलते सर्वजन हिताय संस्था ने प्रशासन और नगर निगम से मांग की है कि सभी सफाई और मरम्मत कार्य रविवार दोपहर तक पूर्ण कर दिए जाएं, ताकि छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

संस्था के अध्यक्ष पंकज कुमार शर्मा ने बताया कि छठ पर्व जनमानस की आस्था से जुड़ा हुआ है और इस पर्व में स्वच्छता का विशेष महत्व होता है। उन्होंने कहा कि घाट की स्थिति को देखते हुए संस्था चाहती है कि प्रशासन जल्द से जल्द सभी जरूरी कार्य पूरे करे, ताकि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके। बताया कि नगर निगम और प्रशासन द्वारा सफाई व मरम्मत कार्य पूरे करने के बाद संस्था अपने स्तर पर घाट पर पूजा बेदी बनाने का कार्य प्रारंभ करेगी। घाट पर आने वाले सभी परिवारों को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। संस्था के पदाधिकारियों के पास छठ पूजा करने वाले परिवारों के फोन कॉल आ रहे हैं। सभी को भरोसा दिलाया गया है कि घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की कठिनाई नहीं होने दी जाएगी और उनके लिए सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। शाम के समय संस्था के पदाधिकारियों ने सीएल गुप्ता के पास रामगंगा नदी के घाट पर पहुंच सफाई कार्य की प्रगति और घाट की मौजूदा स्थिति देखी।

घाट देखने पहुंचे समिति के सदस्य।

तिलक करते बहनों के छलके आंसू, भाइयों ने लिया सुधार का संकल्प

कार्यालय संवाददाता,मुरादाबाद

- जिला जेल प्रशासन ने बहनों के लिए की सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था, रोली चावल भेंट दिए

अमृत विचार: जिला कारागार में भैया दूज का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान जेल प्रशासन की ओर से मिलने के लिए विशेष इंतजाम किये गये। जेल में बंद भाइयों को तिलक करने के लिए सुबह से ही बहनों की लंबी-लंबी कतार जेल गेट पर नजर आईं। बहनों के बैठने के लिए टेंट कुर्सी और पानी व्यवस्था में शाम जेल प्रशासन पुलिस कर्म लगे रहे।बहनों अपने भाइयों के माथे पर तिलक कर उनकी लंगी उम्र की दुआ मांगी। कुछ पुरुषों ने जेल में बंद बहनों के पास पहुंच कर भैया दूज मनाया।

गुरुवार को जिला जेल में दोपहर एक बजे 700 बहनों ने भाइयों को लगाया तिलक लगाया तो इनमे में कुछ भाई भी बहनों से तिलक कराने के लिए जेल के बाहर लाइन में खड़े दिखाई दिए। वरिष्ठ जेल अधीक्षक आलोक कुमार ने बताया कि शाम साढ़े चार बजे तक 1127 लोगों को जेल में भैया दूज मनाने के लिए अंदर लिया गया । जिनमें 934 महिला 242 बच्चे और 10 पुरुष शामिल थे। इस दौरान लंबे समय बाद जेल में बंद भाइयों से मिल कर किसी की आंख से आंसू छलके तो कोई बहन भाई से लिपट कर रोने लगी। उन्होंने बताया कि जेल प्रशासन की ओर से विशेष इंतजाम किए गए थे। प्रशासन की ओर से बहनों को रोली और चावल भेंट स्वरूप दिए गए। इस दौरान जेल परिसर में भावनात्मक माहौल देखने को मिला। बहनों ने भाइयों की लंबी आयु और सुख-समृद्धि की कामना की,वहीं भाइयों ने भी खुद में सुधार का संकल्प लिया। इसमें मुस्लिम समुदाय की मुंहबोली बहन अपने हिंदू भाइयों का तिलक करने में पीछे नहीं रही। काफी संख्या में मुस्लिम महिलाएं मिठाई का डिब्बा लेकर जिला जेल बाहर खड़ी दिखाई दीं।वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने बताया कि जेल प्रशासन की ओर से बहनों के लिए सूक्ष्म जलपान की भी व्यवस्था भी की गई। बंदियों को भी हलवा पूड़ी खिलाया गया।

जिला कारागार में अपनी बारी का इंतजार करती बहनें। ● अमृत विचार

अमृत विचार

मुरादाबाद , शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025

मुरादाबाद देहात

न्यूज ब्रीफ

महिला ने बाप-बेटों पर रिपोर्ट दर्ज कराई

भोजपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव बहेड़ी ब्रह्मान में रास्ते में भैंस बांधने को लेकर पिता-पुत्रों ने महिला को मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने महिला की तहरीर पर बाप-बेटों के खिलाफ मारपीट करने एवं जान से मारने की धमकी देने में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। प्रभारी निरीक्षक शरद मलिक को दी तहरीर में महिला विमला देवी ने बताया है कि पड़ोसी कुमरसैन और उसके दो बेटों शिवम और अभिषेक ने रास्ते में भैंस बांधने को लेकर गाली गलौज की। विरोध करने पर आरोपियों ने उसे लात घूसों से पीटा। इसी दौरान शिवम ने धारदार हथियार से हमला कर पैर की अंगुली काट दी और जान से मारने की धमकी देकर चले गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर घायल महिला की चिकित्सीय जांच कराई और घर भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नकदी और जेवर लेकर किशोरी फरार

छजलैट, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम बीबीपुर निवासी एक व्यक्ति की नाबालिग बेटी का किसी लड़के से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसकी भनक तनिक भी परिजनों को नहीं लगी। बताया कि 21 अक्टूबर को किशोरी घर में रखा 47 हजार रुपये, तीन तोले सोने के जेवर लेकर फरार हो गई। किशोरी के पिता ने मामले में पुलिस को तहरीर दी थी। जिस पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

हादसे में युवक की मौत

मैनाठेर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह 6 बजे फरीदपुर पुल के नीचे कैंटर ने बाइक सवार ब्रह्मदेव पुत्र रमेश चंद्र निवासी बसले की मढैया थाना केला देवी को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे की जानकारी पर मैनाठेर पुलिस ने घायल के परिजनों को सूचना दी। युवक का मुरादाबाद में निजी अस्पताल में उपचार चल रहा था। उपचार के दौरान ब्रह्मदेव की मृत्यु हो गई।

किशोरी को ले जाने की रिपोर्ट दर्ज

कांठ, अमृत विचार : थाना कांठ के गांव की 16 वर्षीय किशोरी को थाना छजलैट क्षेत्र के ग्राम चंगेरी निवासी राकेश पाल पुत्र नेतराम 16 अक्टूबर को फुसलाकर भगा ले गया था। किशोरी के परिजन उसके घर पहुंचे तो राकेश के भाई सोनू ने गाली गलौज की और धमकी दी। किशोरी के परिजन थाना कांठ पहुंचे और तहरीर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बहनों ने तिलक कर मंगल कामना की, भाइयों ने दिए उपहार

क्षेत्र में परंपरागत तरीके से मनाया गया भाईदूज, ट्रेनों और बसों में दिनभर रही भीड़, हाईवे पर दिनभर रही जाम की स्थिति

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र कालाझांडा, वोवदवाला, शरीफनगर, रतूपुरा, मानपुर दत्तराम, गोपीवाला, निर्मलपुर, रामनगर खागूवाला, बहेडी ब्रहम्नान में भाई-बहन के अटूट स्नेहिल रिश्ते का प्रतीक भाईदूज पर्व हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया।

इस शुभ अवसर पर बहन भाई की सुख-समृद्धि एवं स्वस्थ दीर्घायु की मंगल कामना करती है। गुरुवार को सुबह से ही बहनें अपने भाई के घर पहुंचने लगीं। इस दौरान बसों और अन्य वाहनों में भीड़ रही। मिष्ठान की दूकानों और सड़क मार्ग पर निजी दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों की चहल-पहल रही। प्रमुख चौराहों पर यातायात नियंत्रण एवं सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात रहा। इस अवसर पर भाई भी सामर्थ्य अनुसार वस्त्राभूषण आदि उपहार भेंटकर बहन की रक्षा का वचन देते हैं।

ठाकुरद्वारा क्षेत्र में भाईदूज पर भाई को गोला देती बहन।

उदयवीर सिंह को मिष्ठान खिलाती बहन।

भाई का तिलक करती बहन।

हर्षोल्लास के साथ मनाया भाई दूज

बिलारी, अमृत विचार : क्षेत्र में भाई दूज का पर्व उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया। गुरुवार को बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक कर मिष्ठान खिलाया और उनकी लंबी आयु की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार दिये। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भाई दूज उत्साह के साथ मनाया गया। भाई दूज का पर्व भाई बहन के अटूट के रिश्ते का पर्व है। इसमें बहनें भाई का तिलक करने के बाद ही भोजन करती हैं। इसको भाई दूज का व्रत भी कहा जाता है। सवेरे से ही बहनों में भाइयों के घर जाने का उत्साह देखा गया। बिलारी क्षेत्र में राजमार्ग पर वाहनों में बैठे यात्री कई घंटे तक जाम से जूझते रहे। कोतवाली प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस भी चौराहों पर यातायात को सुचारु करने में प्रयासरत रही। रोडवेज बस अड्डे पर बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों को बस का इंतजार करते देखा गया। कोई भी बस आती तो यात्री उसमें बैठने को टूट पड़ते। यात्रियों को बसों में चढने उतरने में भी जद्दोजहद करनी पड़ी। बच्चों में भी इस त्योहार को लेकर खुशी और उत्साह देखा गया। भाईदूज पर मिठाई और गोले की बिक्री दुकानों पर दिनभर होती रही।

परंपरागत तरीके से मनाया भाई दूज : कांठ, अमृत विचार : क्षेत्र में भाई दूज का त्योहार परंपरागत तरीके से मनाया गया। भाई दूज पर बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी दीर्घायु और खुशहाली की कामना की। भाइयों ने भी उपहार देकर बहनों की रक्षा का वचन देते हुए उनके सुखी रहने की कामना की। तहसील क्षेत्र में भाई दूज का त्योहार परंपरागत तरीके से मनाया गया। गुरुवार को बहनें भाइयों के घर पहुंची और तिलक कर उन्हें गोला तथा मिठाई देकर उनकी दीर्घायु और स्वस्थ रहने की कामना की। भाइयों ने भी अपनी बहनों को रुपये तथा कपड़े आदि उपहार में दिए और बहनों के स्वस्थ रहने की कामना की। भाई दूज के पावन पर्व पर गोलों तथा मिठाइयों की दुकानों पर काफी भीड़भाड़ रही और बहनों ने खूब मिठाई खरीदी। इसके साथ बसों और ट्रेनों काफी भीड़ भाड़ रही। नगर क्षेत्र में राज्य राजमार्ग पर वाहनों के आवागमन से अनेक बार जाम की स्थिति बन गई। जिसे पुलिस ने मशक्कत कर यातायात को सुचारु कराया।

बहनों ने भाइयों का तिलक कर लंबी आयु मांगी

मुंडापाण्डे, अमृत विचार : क्षेत्र में भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक भाई दूज हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों का तिलक कर उनकी मंगल कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट किए। नगर के रौंडा-झौंडा चौराहे पर गुरुवार की सुबह से मिठाइयों की दुकानों पर भीड़ देखने को मिली। बहनों ने भाइयों का तिलककर आरती की तथा मिठाई खिलाकर लंबी आयु की कामना की। मिठाई विक्रेता ओमवीर सिंह, रहमत अली ने बताया मिठाई के साथ फलों की बिक्री इस वर्ष अच्छी रही और खुशी के साथ पर्व सम्पन्न हुआ। बाजारों में मिठाई, फलों एवं उपहारों की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ उमड़ी दिखी। रौंडा-झौंडा चौराहे पर भारी भीड़ एवं सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत उप निरक्षक उदयवीर यादव, कांस्टेबल अहमद, जबर सिंह ने अपनी टीम के साथ भ्रमण किया।

भाई दूज मनाते भाई बहन। ● अमृत विचार

जमीन बेचने के फर्जीवाड़े में महिला सहित पांच पर रिपोर्ट

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : रजिस्टर्ड बैनामे से खरीदे भूखंड के कुछ लोगों ने कूटरचित कागज तैयार कर दूसरे को बैनामा कराने के मामले में पुलिस ने महिला सहित 6 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की है।

नगर के मोहल्ला जाटान निवासी जगबीर सिंह पुत्र खान सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि उसने गाटा 441 में से 28 डेसीमल जमीन मोहल्ला जमनावाला निवासी मोहम्मद अली खां पुत्र याकूब खां, शराफत अली खां पुत्र शेर अली खां, अफसर अली खां पुत्र मोहम्मद अली खां निवासी जमनावाला व सफदर अली खां पुत्र हसमत अली खां निवासी मोहल्ला ताली से दो लाख 90 हजार रुपये 11 फरवरी 2013 को रजिस्टर्ड बैनामे से खरीदी थी तथा उक्त लोगों ने मौके पर मौजूद अपना पूरा हिस्सा प्रार्थी को बेच दिया था। शराफत अली खां पुत्र शेर अली खां निवासी मोहल्ला मनिहारान वार्ड 3 कस्बा ठाकुरद्वारा ने फर्जीवाड़े की नियत से सविता पत्नी अशोक कुमार निवासी ग्राम लौंगीकलां, मुनेश कुमार पुत्र सुम्मेर सिंह निवासी ग्राम फरीदनगर, सोनू कुमार पुत्र हरि सिंह निवासी रतूपुरा व अशोक कुमार पुत्र नामालूम निवासी लौंगीकलां के साथ मिलकर प्रार्थी की भूमि का बैनामा 22 मई 25 को सविता देवी के नाम लिखवा लिया है। इस कूटरचित बैनामे के आधार पर 23 सितंबर 2025 को उक्त व्यक्ति प्रार्थी के भूखंड पर आए तथा उसमें रखे प्रार्थी के सामान को हटाकर कब्जा करने की कोशिश की। मामले में पुलिस ने धोखाधड़ी कर भूमि खरीदने के मामले में महिलाओं साहित 5 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अतिक्रमण हटा यातायात सुचारु कराया

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार : भाई दूज के दिन कांठ-मुरादाबाद हाईवे पर दिनभर जाम की स्थिति बनी रही। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटवाया और स्थिति को नियंत्रित किया।

गुरुवार को भाई दूज के चलते हाईवे पर आवागमन बढ़ गया था, जिससे बाजार और हाईवे पर यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस को मुख्य मार्गों पर जाम की सूचना मिली तो उन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया। हाईवे पर बसों, ई-रिक्शा और अन्य वाहनों की संख्या बढ़ने से बाजार क्षेत्र में घंटों तक जाम की स्थिति बनी रही। पुराना रोडवेज चौराहा, सब्जी मंडी और तहसील रोड पर रिक्शा, ठेले, फल और पान वालों ने अतिक्रमण कर रखा था। इससे मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ठेले और खोमचे वालों को हटवाया तथा दुकानदारों को चेतावनी दी कि वे अपनी दुकानों के आगे कोई भी सामान या ठेला न लगाएं।

हाईवे पर गस्त करती पुलिस। ● अमृत विचार

प्रशासन ने साफ किया कि दोबारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों को कोई असुविधा न हो, इसके लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। जाम हटने के बाद बाजार में आवाजाही पूर्ववत हो गई, वहीं लोगों ने पुलिस और प्रशासन की तत्परता की सराहना की। इस मौके पर थाना प्रभारी निरीक्षक सुदेश पाल सिंह, उप निरीक्षक संजीव कुमार आदि यातायात सुचारु कराते रहे। पुलिस ने दो पहिया वाहन चालकों और यात्रियों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि आपका जीवन अमूल्य है सुरक्षित चलें और यातायात के नियमों का पालन करें।

संदिग्ध हालात में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

संवाददाता, कुंदरकी/बिलारी

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के तहत गांव निवासी युवक का शव गुरुवार सुबह आम के बाग में पेड़ से लटका हुआ मिला। देखते ही देखते घटनास्थल पर ग्राम वासियों की भीड़ जुट गई।

मृतक सतेंद्र।

कुंदरकी थाना क्षेत्र के ग्राम मल्हीपुर महमूदा नगला निवासी कमल सिंह के 28 वर्षीय पुत्र सतेन्द्र सिंह का शव कुंदरकी जलालपुर धर्मपुर मार्ग पर आम के बाग में पेड़ से लटका हुआ मिला है। बताया गया है कि मृतक बुधवार की रात्रि से घर से लापता था। इसके बाद गुरुवार सुबह जंगल जाने वाले व्यक्तियों ने उसका शव पेड़ से लटका हुआ देखा तो इसकी सूचना ग्राम वासियों को दी। आम के बाग में मिट्टी गीली थी, पेड़ के नीचे मृतक के चप्पल पड़े थे और वह पेड़ से लाल कपड़े से लटका हुआ था। परिजनों के अनुसार वहां किसी अन्य व्यक्ति के पैरों के निशान भी नहीं मिले। मृतक 4 दिन पहले नोएडा से मजदूरी करके घर लौटा था। परिवार में बहनों की शादी होनी है कि इसी बीच यह घटना हो गई। मृतक के परिवार में भाई पप्पू, मुलायम सिंह और बहनों सुदेशना और प्रभा सहित मां ओमवती सहित समस्त परिवार का बुरा हाल है। जानकारी मिली है कि सड़क के दूसरी छोर का रकबा बिलारी कोतवाली के क्षेत्र में आता है बिलारी पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। कोतवाली प्रभारी उदय प्रताप मलिक ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करा दिया गया है। परिजनों द्वारा कोई भी शिकायती पत्र नहीं दिया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया है।

कुत्तों, बंदरों ने 100 लोगों को किया जख्मी

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार : तहसील क्षेत्र में कुत्तों और बंदरों के कारण पिछले एक माह में लगभग 100 लोग घायल हो चुके हैं। लेकिन, नगर पंचायत द्वारा कुत्तों और बंदरों को पकड़ने का कोई अभियान नहीं चलाया गया है।

क्षेत्र में कुत्तों और बंदरों की जनसंख्या में वृद्धि होती जा रही है। इनके झुंड के झुंड क्षेत्र में उत्पात मचा रहे हैं। गली-मोहल्लों में तो स्कूली बच्चों का निकलना ही मुश्किल हो गया है, महिलाओं और बच्चों ने बंदरों के भय से छतों पर जाना ही बंद कर दिया है। बंदरों के हमले के दौरान छत से नीचे गिरने पर कई लोग काल का ग्रास भी बन चुके हैं।

बंदरों और कुत्तों के झुंड हाईवे पर किसी को भी अकेला देखकर हमला कर देते हैं। इतना ही नहीं बंदरों के झुंड घंटों तक रोड जाम कर देते हैं। स्कूली बच्चों को भी जाम खुलने की प्रतीक्षा करनी पड़ती है। कांठ मुरादाबाद हाईवे पर सुबह सैर करने जाने वाले दर्जनों लोग इनका शिकार हो चुके हैं। नगर पंचायत कांठ को तत्कालीन एसडीएम बंदरों को पकड़वाने के निर्देश दे चुके हैं। लेकिन सभी निर्देश हवाई साबित हुए। सीएचसी कांठ में कुत्तों और बंदरों के काटे हुए लोगों की प्रतिदिन संख्या बढ़ती जा रही है। चीफ फार्मासिस्ट भगवान सिंह ने बताया कि इस माह लगभग 100 लोगों को बंदर और कुत्ते, बिल्ली काट कर जख्मी कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस माह लगभग 250 लोगों को कुत्ते काटने के इंजेक्शन लगाए जा चुके हैं।

नगर में लगा आवारा कुत्तों का झुंड।

सड़क पर बैठा बंदरों का झुंड।

महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी

अमृत विचार: भैया दूज के पर्व पर मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत पुलिस विभाग ने जनपद भर में महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए। अभियान के दौरान सभी थानों की पुलिस टीमों ने आबादी क्षेत्र और रोडवेज रेलवे स्टेशन और गांवों में पहुंचकर महिलाओं, छात्राओं और बालिकाओं को महिला उत्पीड़न की रोकथाम, साइबर अपराध से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग और पुलिस की त्वरित कार्यवाही के बारे में जानकारी दी।

गुरुवार को कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं को सरकार की योजनाओं मुख्यमंत्री सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन और उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की विस्तृत जानकारी दी।साथ ही किसी भी आपात स्थिति या संदेहास्पद गतिविधि की सूचना देने के लिए 112, 1076, 1090, 1930, 102, 108 और 1098 जैसे हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी साझा की गई।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मिशन शक्ति का उद्देश्य महिलाओं में आत्मनिर्भरता, सुरक्षा और जागरुकता की भावना को मजबूत करना है, ताकि समाज में महिला सम्मान और समानता को और सशक्त बनाया जा सके।

तौकीर रजा के करीबी नफीस और उनकी पत्नी पर एक और मुकदमा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- वक्फ बोर्ड की जमीन में खेल करने का आरोप
- एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

अमृत विचार : आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के इशारे पर शहर में बवाल कराने की साजिश रचने के आरोप में जेल में बंद नफीस के खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। नफीस ने पत्नी के साथ मिलकर वक्फ बोर्ड की जमीन में खेल किया है। मामले में पीड़ित ने एसएसपी अनुराग आर्य से शिकायत की। एसएसपी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने डॉ. नफीस और उनकी पत्नी फरहत बेगम के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज मामले की जांच शुरू कर दी है।

किला थाना क्षेत्र के मोहल्ला साहूकारा निकट राजो वाली मस्जिद निवासी मोहम्मद कमर अख्तर ने बताया कि उनकी दादी नन्हो कुजड़ी ने बमनपुरी स्थित वक्फ संख्या 26 ए में करीब 95 वर्ग गज जमीन पर मकान बनाया था। साथ ही नीचे पांच दुकानें बनी हुई थीं। इसमें से वह एक दुकान में खुद सब्जी की दुकान कर जीवन यापन करती थीं। उन्हें कोई संतान नहीं थी। कमर अख्तर के दादा साबिर हुसैन की सब्जी की दुकान कुतुबखाना सब्जी मंडी पर थी। इस कारण नन्हो का उनके दादा की दुकान पर आना-जाना था। नन्हो ने साबिर हुसैन को अपना मुंह बोला भाई मान लिया था। नन्हो ने निधन से पहले वक्फ संख्या 26 ए वाली संपत्ति को उसके दादा साबिर हुसैन और उनके तीनों बेटों साकिर हुसैन, जाकिर हुसैन और नासिर हुसैन के नाम वसीयत कर दी थी। आरोप है कि उसके पिता साकिर हुसैन का नफीस की कुतुबखाना स्थित चश्मे की दुकान पर आना-जाना था। नफीस ने उसके पिता को विश्वास में लेकर वक्फ संख्या 26ए वाली संपत्ति को वर्ष 1996 में 30 साल (जिसका समय जून 2026 में पूरा हो रहा है) के लिए अपनी पत्नी फरहत बेगम के नाम लीज पर ले ली। वर्ष 2022 में उसके पिता का निधन हो गया। इसके बाद नफीस और उनकी पत्नी फरहत बेगम ने धोखाधड़ी कर फर्जी कागजात तैयार कर वक्फ 26 ए की संपत्ति को दोनों बेटों नौमान खान और फरहान खान के नाम गिफ्ट डीड बनवा ली। इस पर अभी भी काबिज हैं। कमर अख्तर की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

श्रीमद्भागवत कथा का आरंभ

संवाददाता, कुंदरकी

अमृत विचार : विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने अंसल एपीआई लखनऊ में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आरंभ कराया। इससे पहले भव्य कलश यात्रा निकाली।

कलश यात्रा पाम्स गोल्फ क्लब से प्रारंभ हुई। यात्रा के दौरान भक्त जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। कलश यात्रा का कथा स्थल पर ही समापन हुआ। वृंदावन धाम से पधारे कथा व्यास डॉ. श्याम सुंदर पाराशर ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा को विश्व की सभी कथाओं में श्रेष्ठ माना गया है। उन्होंने श्रद्धालुओं से सात दिनों तक चलने वाली इस पवित्र कथा को सुनने का आग्रह किया। यह कथा भगवान श्रीकृष्ण की मुख वाणी है। कुंदरकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने कुंदरकी क्षेत्रवासियों से भी कथा श्रवण के लिए लखनऊ आने का आग्रह किया। कथा आयोजक मधु सिंह, विनय कुमार, एसपी सिंह, दिनेश कुमार सिंह, प्रिवेंद्र कुमार सिंह, अजय अग्रवाल, वंदना अग्रवाल और समीर अग्रवाल ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

कथा से पहले कलश यात्रा निकालतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

गोवर्धन पूजा करता परिवार। ● अमृत विचार

मंदिर में पूजा करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

घरों में भगवान गोवर्धन की आकृति बनाकर पूजा की

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : नगर से लेकर देहात क्षेत्र में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता एवं सम्मान का पर्व गोवर्धन पूजा श्रद्धापूर्वक मनाया गया।

बुधवार को क्षेत्र के गांव शरीफनगर, सुरजननगर, जटपुरा, लौंगी कलां, सुल्तानपुर दोस्त, गोपीवाला, निर्मलपुर बहेड़ी ब्रह्मनान, रतूपुरा में घरों में गाय के गोबर से पशुधन के रूप में गाय आदि के प्रतिरूप बनाकर विधि-विधान से पूजन किया गया। इस दौरान किसानों ने खेती में उपयोग होने वाले उपकरण व पशु के प्रतिरूप की पूजा अर्चना की गई। शास्त्रों में गाय को देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है, जो सुख एवं समृद्धि प्रदान करती है। इस पर्व को अन्नकूट के नाम से भी जाना जाता है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा इंद्र के क्रोध एवं अहंकार को तोड़कर ब्रजवासियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठाने की घटना का स्मरण कराता है।

श्रीराम दुर्गा मंदिर में पूजा में उमड़े श्रद्धालु

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : कोतवाली रोड स्थित श्रीराम दुर्गा मंदिर में गोवर्धन पर्व पर विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गई। जिसमें श्रद्धालुओं ने पहुंचकर पूजा अर्चना में भाग लिया। आरती के पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया। बुधवार को दोपहर बाद गोवर्धन पूजा पंडित आकाश मिश्रा ने विधि विधान व वेद मत्रों के साथ संपन्न कराई। इस दौरान मंदिर के प्रबंधक आशीष अग्रवाल, राजेंद्र पांडे, संजीव चौहान, संजीव चौहान, विपिन जिंदल, अभिषेक ओझा मौजूद रहे।

पति के हमले में घायल महिला की उपचार के दौरान मौत

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

- 15 दिन पहले पेट में चाकू मारकर कर दिया था घायल

अमृत विचार : पति ने गर्भवती पत्नी के पेट में चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। जिनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने महिला के पति को गिरफ्तार कर लिया है।

जनपद बिजनौर के गांव हरकिशनपुरा निवासी रामकुमार सिंह ने 12 फरवरी 2022 को अपनी बेटी ममता देवी की शादी ठाकुरद्वारा के गांव अब्दुल्लापुर लेना निवासी यशपाल सिंह के बेटे के साथ की थी। लेकिन शादी की समय से ही ससुराल के लोग दहेज की मांग को लेकर महिला का उत्पीड़न करते थे। ससुराल के लोग दो लाख रुपयों की मांग कर रहे थे। 6 अक्टूबर को ममता को पेट में उसके पति यशपाल सिंह ने चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। जबकि वह पांच माह की गर्भवती थी। ममता को गंभीर हालत में मुरादाबाद के निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। ऑपरेशन के दौरान ममता के गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हो गई थी। ममता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने महिला के पति यशपाल, ससुर अंतराम सिंह, जेठ शिवराज सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। तभी से महिला का उपचार चल रहा था। लेकिन उपचार के दौरान बुधवार को उसकी अस्पताल में मौत हो गई। महिला की मौत की जानकारी पर पुलिस ने उसके पति यशपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने महिला के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

किसानों के 5 करोड़ रुपये का मिल ने अभी तक नहीं किया भुगतान

7 दिन में शुरू होगा नया पेराई सत्र, भुगतान बकाया

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : गन्ना पेराई सत्र का काउंटडाउन शुरू हो गया है। जिला गन्ना अधिकारी की माने तो 30 अक्टूबर से राणा शुगर मिल करीमगंज का पेराई सत्र चालू हो जाएगा। लेकिन चीनी मिल ने किसानों का गन्ना बकाए का भुगतान नहीं किया है।

राणा शुगर मिल किसानों का 5 करोड़ रुपये दबाए हुए है। जबकि त्रिवेणी शुगर मिल और रुद्र-

- गन्ना किसान बकाये के लिए कई बार दे चुके हैं धरना

बिलास चीनी मिल पर कोई बकाया नहीं है। गन्ना किसान अपने बकाए के लिए पूरे साल से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन किसानों को उनका बकाया नहीं मिला है प्रशासन और चीनी मिल संचालक किसानों को शीघ्र ही भुगतान कराए जाने का आश्वासन देते रहे हैं। अब वर्ष 2025-26 के लिए नया पेराई सत्र 30 अक्तूबर से

> जिले में 30 अक्टूबर से राणा शुगर मिल और नवंबर के प्रथम सप्ताह में त्रिवेणी शुगर मिल चलाए जाने को नोटिस मिला है। रुद्र-बिलास चीनी मिल 15 नवंबर से पेराई शुरू कर सकती है।
> – शैलेश कुमार मौर्य, जिला गन्ना अधिकारी

शुरू हो जाएगा। लेकिन, किसानों के हाथ खाली हैं। किसानों ने साहूकारों और बैंकों से कर्ज लेकर गन्ने की फसल को पाल पोसकर परवान चढ़ाया लेकिन, चीनी मिल संचालकों ने किसानों के गन्ना बकाए का भुगतान नहीं किया है। जिसके कारण किसान बैंकों और साहूकारों का कर्ज अदा नहीं कर सके हैं। भारतीय किसान यूनियन वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद हनीफ वारसी कहते हैं कि किसानों को समय से गन्ना भुगतान नहीं मिलने पर उनका गन्ने की खेती से मोहभंग हो रहा है, यही कारण है कि साल दर साल जिले में गन्ना रकबा कम होता जा रहा है। कहा कि किसान गन्ने की खेती छोड़ दूसरी फसलों की तरफ रुख कर रहे हैं।

घर में घुसकर मां-बेटी से मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

स्वार, अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के गांव हमीरपुर में एक परिवार के साथ मारपीट की गई। आरोप है कि गांव के ही चार युवकों ने घर में घुसकर महिला और उसकी बेटी को पीटकर घायल कर दिया।

पीड़ित चन्द्रपाल निवासी हमीरपुर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बुधवार को गांव के ही इक़रार, मोहम्मद उमर और रहीस आलम उनके घर में घुस आए और उसकी पत्नी शीला व बेटी पिंकी के साथ मारपीट की। इस दौरान आरोपियों ने बेटी के बाल नोच लिया।कान की बाली भी छीन ली। मारपीट में दोनों मां-बेटी घायल हो गईं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

नहाय खाय के साथ कल से मनेगा छठ पर्व

कार्यालय संवाददाता,रामपुर

अमृत विचार : 25 अक्टूबर को नहाय खाय के साथ छठ पर्व शुरू होगा। जिसको देखते हुए पर्व को मनाने वाले लोग सक्रिय हो गए हैं। शहर में बने घाटों और छठ के स्थान को साफ करने का काम चल रहा है।

27 अक्टूबर को ढलते सूरज की पूजा होगी। जबकि 28 अक्टूबर को उगते सूरज की पूजा होगी। दिवाली पर्व के बाद श्रद्धालु अब लोक आस्था का महापर्व छठ की तैयारी में जुट गए हैं। 25 अक्टूबर से नहाय-खाय के साथ छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान शुरू होगा। जिसको देखते हुए तालाब पर होने

छठ पूजा की तैयारी को लेकर तालाब की पुताई करते लोग। ● अमृत विचार

- घाट को साफ करने का काम लोगों ने किया शुरू

वाले पूजन को लेकर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इस पर्व को लेकर बाजारों की रौनक बढ़ने लगी है। दुकानदार फल, पूजन सामग्री, मिट्टी के बर्तन आदि सामानों को बेच रहे हैं।इसके अलावा ज्वालानगर में दुकानें सज गई है। दुकानदार संतोष कुमार ने बताया कि 25 अक्टूबर से नहाय खाय के साथ छठ शुरू होगा। जोकि 28 को पूजा करने के बाद समाप्त होगा।

न्यूज ब्रीफ

सरकारी योजनाओं की जानकारी दी

शाहबाद,अमृत विचार : गुरुवार को मिशन शक्ति अभियान के चरण-5 के तहत कस्बा शाहबाद में भ्रमणशील रहकर महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन, यातायात के सभी नियमों के विषय में बताया। सरकार द्वारा चलाई जा रहीं विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। बताया विधवा पेंशन योजना,वृद्धावस्था पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना उज्ज्वला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना, नशा मुक्ति भारत अभियान आदि योजनाएं चलाई जा रही हैं। योजनाओं से अवगत कराते हुए तथा महिलाओं को उनकी सुरक्षा सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर वूमेन पावर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102, 108 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 आदि के बारे में जानकारी दी।

गरीबों के राशन में सेंधमारी का आरोप

रामपुर, अमृत विचार : ऑनलाइन राशन वितरण प्रणाली में सेंधमारी का आरोप है। मामले में नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बाकर अली खां उर्फ हारून खां ने कहा कि पूर्ति विभाग की मिलीभगत से राशन विक्रेताओं के साथ सांठगांठ कर ऑनलाइन राशन वितरण प्रणाली में भी सेंधमारी हो रही है। विभाग पात्र राशन कार्डधारकों के कार्ड से मनमाने ढंग से यूनिट काट रहे हैं। शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष नोमान खां द्वारा मोहल्ला पीपल वाला घेर स्थित एक राशन विक्रेता की जिला पूर्ति अधिकारी से शिकायत की थी तो विक्रेता की दुकान निरस्त करने का आश्वासन दिया। लेकिन महीना बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने चेतावनी दी कि एक सप्ताह में राशन डीलर के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो अधिकारियों के विरुद्ध आंदोलन करेंगे।

बहनों ने किया मंगल तिलक, भाइयों ने दिए मनपसंद उपहार

जिलेभर में धूमधाम से मनाया गया भैयादूज पर्व, बहनों ने मुंह मीठा करा की दीर्घायु की कामना

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : जिले भर में भैया दूज का पर्व धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाई के माथे पर अक्षत तिलक कर आरती उतारी। उसके बाद मिठाई खिलाई और दीर्घायु की कामना की। वहीं भाइयों ने बहनों को आकर्षक उपहार प्रदान किए। इस मौके पर बाजार में भी भारी भीड़ रही।

गुरुवार को सुबह से ही बहनें भाई को टीका करने के लिए निकल पड़ी। कहीं बहनें अपने भाइयों के घर भाई दूज मनाने के लिए पहुंचीं, तो कहीं भाई बहनों के घर पहुंचे। बहनों ने मिठाई, गोला आदि की खरीदारी की। भाइयों ने अपनी बहनों की पसंद के उपहार खरीदे। बहनों ने अपने भाइयों को रोली, चावल से तिलक किया, आरती उतारी और मिठाई खिलाई। इस दौरान रोडवेज बसों, ट्रेनों और डग्गामार वाहनों में काफी भीड़ रही। भाइयों ने अपनी बहनों की पसंद के उपहार खरीदे। उसके बाद बहनों को गिफ्ट दिए गए। भीड़ अधिक होने के कारण रोडवेज बसें लोकल रूटों पर चलती रही। उसके बाद भी सवारियों को बसों का काफी देर तक इंतजार करना पड़ा।

मिठाइयां खरीदते लोग। ● अमृत विचार

बस का इंतजार करते यात्री। ● अमृत विचार

रोडवेज परिसर में बसों में चढ़तीं सवारियां। ● अमृत विचार

मिठाई और गोलों की खूब हुई बिक्री

दीपावली के पंच महोत्सव के अंतिम दिन मिठाइयों की दुकानों पर एक बार फिर भीड़ रही। भाइयों के लिए बहनों ने जमकर मिठाई खरीदी।इसके अलावा नारियल गोला और बताशे की दुकानों पर भी खूब भीड़ रही।बाजार में बहनों के उपहार के लिए लोगों की साड़ी, रेडीमेड गारमेंट, सराफ आदि की दुकानों से भी काफी खरीदारी की गई।

दिन भर बसों और ट्रेनों में रही भीड़

भैया दूज के पर्व पर रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर सुबह से भीड़ रही। भैया दूज पर्व पर रोडवेज बसों के चक्कर बढ़ाने के बावजूद यात्रियों की बस स्टैंड पर काफी भीड़ रही। जैसे-तैसे यात्री बसों में सवार हुए। रेलवे स्टेशन का भी यही हाल रहा। टैक्सी स्टैंड पर भी कोई टैक्सी नजर नहीं आई। डग्गामार वाहनों से भी लोग सफर करते रहे। बहुत से लोग अपने निजी वाहनों से सफर करते रहे।

पूरे दिन लगता रहा जाम

भैयादूज के मौके पर सुबह से ही हाईवे पर वाहनों की संख्या अधिक होने के कारण जाम की स्थिति बनी रही। रोडवेज बसों और डग्गामार वाहनों के जगह-जगह वाहनों को रोककर सवारियां भरने के कारण जाम लगता रहा। पुलिस जाम को खुलवाती रही। वहीं ज्वालानगर में पूरे दिन रुक रुक कर जाम लगता रहा। लोग वाहनों को सड़क किनारे खड़े होकर मिठाइयां खरीदते रहे। वाहनों की वजह से जाम की स्थिति बनी रही।

बहन से टीका करते मछुआ तुरैहा समाज के जिलाध्यक्ष कमल तुरैहा।

भैया दूज पर भाई के माथे पर टीका करती बहनें। ● अमृत विचार

स्वार में भाई के माथे पर तिलक करती बहन।

उल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया भाईदूज

स्वार, अमृत विचार : गुरुवार को भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक भैया दूज का त्योहार नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में त्यौहारी रौनक छाने लगी। मिठाई की दुकानों पर भीड़ उमड़ने से दुकानदारों के चेहरे खिल उठे। गोलों, मिठाइयों और उपहारों की जमकर खरीदारी हुई। नगर के प्रमुख बाजारों में दिनभर भीड़ का आलम रहा। बहनें अपने भाइयों के घर पहुंचने के लिए बसों और अन्य वाहनों में सफर करती दिखीं। बस स्टैंडों पर दिनभर यात्रियों की भीड़ बनी रही। दोपहर बाद बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक कर उनके दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना की। भाइयों ने बहनों को उपहार और मिठाई भेंट कर स्नेह का रिश्ता और मजबूत किया। देर शाम तक भाइयों बहनों के बीच तिलक और उपहार देने का सिलसिला जारी रहा।

हर्षोल्लास के साथ मनाया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया भैया दूज

मसवासी,अमृत विचार : गुरुवार को भैया दूज का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही बहनें भाइयों को तिलक करने के लिए घर से निकल पड़ी बसों और अन्य सवारियों में भारी भीड़ देखने को मिली नगर के बस स्टैंड पर त्योहार को लेकर काफी चहल-पहल रही। बहनों ने भाइयों के घर पहुंच कर माथे पर तिलक किया। उनका मुंह मीठा कराकर लंबी दीर्घायु की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को नगद राशि समेत अन्य उपहार भेंट किया।रहमतगंज,बिजारखाता, सीतारामपुर, हसनपुर, ज्वालापुर, पट्टीकला, कुंदनपुर, खुशहालपुर, मंसूरपुर लाडपुर समेत आसपास के गांव में रात तक चहल पहल रही।

पंचायत में उठा आमदनी बढ़ाने का मुद्दा

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन(भाकियू) की पंचायत में किसानों की आमदनी बढ़ाने का मुद्दा उठाया। गन्ने और गेहूं का रेट बढ़ाने की मांग की।

हाईवे किनारे स्थित प्रदेश कैंप कार्यालय पर भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) की पंचायत हुई। जिसमें प्रदेश महासचिव हसीब अहमद ने कहा कि सरकार किसानों की आमदनी दोगुनी करने का दावा तो कर रही है पर हकीकत इससे जुदा है। क्योंकि किसानों को लागत और महंगाई के हिसाब से उनकी फसल के रेट नहीं मिल रहे हैं। प्रदेश सरकार ने दो साल से गन्ने के रेट नहीं बढ़ाए हैं। धान और गेहूं के रेट भी महंगाई के हिसाब से आधे

पंचायत को संबोधित करते किसान नेता। ● अमृत विचार

- प्रदेश कैंप कार्यालय पर हुई भाकियू की पंचायत

से भी कम हैं। प्रदेश महासचिव ने कहा कि किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिए गन्ने,गेहूं और धान समेत सभी फसलों के रेट बढ़ाने चाहिए। फसलों की सिंचाई के सरकारी सिस्टम, खाद और बीज की उपलब्धता पर भी सवाल उठाए। साथ ही संगठन की मजबूती पर जोर दिया। पंचायत में दरबारी लाल शर्मा मोहम्मद तालिब, भूप सिंह यादव, खलील अहमद, जावेद, आलम, आनंद पांडे, सरफराज, मुर्शीद अली, अर्जुन सिंह, इख़्तियार, इकरार, बग्गा सिंह चौधरी, अजीत सिंह, राजपाल सिंह, लखविंदर सिंह, दिलबाग सिंह, राम बहादुर यादव मौजूद रहे।

तिलक के बाद बहनों ने भाइयों से लिया रक्षा का वचन

संवाददाता, बिलासपुर

- बिलासपुर में मनाया गया भाई दूज

अमृत विचार: बहन-भाई के अटूट प्रेम के प्रतीक भैयादूज का पर्व क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर लंबी आयु की कामना की और भाइयों से रक्षा का वचन लिया। वहीं, भाइयों ने भी बहनों को उपहार दिए।

दीपोत्सव के आखरी दिन गुरुवार को भैयादूज का पर्व तहसील क्षेत्र में धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में इस पर्व की धूम शुरू हो गई थी। बहनें अपने भाइयों को तिलक लगाकर उनकी लंबी आयु की कामना कर रही थीं। भाइयों की ओर से उन्हें उपहार भेंट किए गए। परंपरा के अनुसार बहनों ने भाइयों को तिलक और शगुन स्वरूप फल प्रदान किए। नगर के मोहल्ला बाजार कलां, सिनेमा रोड, पुरानी तहसील रोड, माटखेड़ा रोड, पटेल चौक, नैनीताल हाईवे पर सजी मिठाई की दुकानों पर खरीदारों की खासी भीड़ रही। भैयादूज के पर्व को लेकर वाहनों में भी खासी भीड़ रही। दूरदराज से भाइयों ने अपने संसाधनों से पहुंचकर तिलक कराया। कानपुर से आई बबीता ने भाई के तिलक किया। प्रशासन भी मुख्य चौराहे पर मुस्तैदी के साथ खड़ा नजर आया। उधर, उपजिलाधिकारी अरुण कुमार, सीओ रविंद्र प्रताप सिंह, प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह समेत पुलिसकर्मी क्षेत्र का जायजा लेते रहे।

गुरबाणी शबद कीर्तन से संगत निहाल

प्रभात फेरी के दौरान शबद कीर्तन करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : सिविल लाइंस स्थित गुरुद्वारा संत भाई जी बाबा से श्री गुरु नानक देव जी के आगमन दिवस पर प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में शामिल संगत ने शबद कीर्तन कर संगत को निहाल किया।

प्रभात फेरी गुरुद्वारा साहिब से आरंभ होकर राधा रोड होते हुए आदर्श कॉलोनी में पहुंची। वहां से रामकुमार कथूरिया एवं सुमित कथरिया के घर से बाबू ओम प्रकाश सेठी वाली गली में जितेंद्र सिंह के घर से होते हुए रामलीला मैदान में प्रीतपाल सिंह साहनी के घर से जसपाल सिंह वादी के घर होते हुए सरदार प्रिंस सिंह एवं इंद्रजीत सिंह के घर से अशोक कुमार चावला मसाले वालों के घर तक पहुंची। वहां से सुबह 7:30 वापस गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर संपन्न हुई। आदर्श कॉलोनी में जगह-जगह प्रसाद व लंगर का वितरण हुआ। रास्ते में कीर्तनीय जत्थे द्वारा गुरबाणी शबद कीर्तन करते हुए चल रहे थे। प्रभात फेरी में काफी संख्या में महिलाएं, बच्चे व पुरुष गुरबाणी का सिमरन करते हुए चल रहे थे।

निशान साहब को प्रभात फेरी के आगे आगे लेकर चलने की सेवा निक्का सिंह द्वारा की गई। प्रभात फेरी में महेंद्र सिंह होरा, पपिंदर सिंह, जसमीत सिंह, अमरजीत सिंह, हरीश अरोड़ा, संतोख सिंह खालसा, राज सिंह, गुरमीत सिंह, नीना साहनी, नरेंद्र सिंह, जगजीत सिंह, गुलशन जुनेजा, त्रिलोचन सिंह, पारस अरोड़ा आदि शामिल रहे। कीर्तन करती हुई महिलाओं में अमरजीत कौर, गुरमीत कौर, रविंदर कौर, कमलेश भाटिया आदि शामिल रहीं।

गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व पर निकाली प्रभात फेरी, जगाई गुरु नाम की अलख

बिलासपुर, अमृत विचार : गुरुनानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य पर सिख समुदाय ने प्रभात फेरी निकाली और गुरु के नाम की अलख जगाई। गुरुवार की तड़के सिख समाज के लोग नगर के माठखेड़ा मार्ग स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में एकत्र हुए। वहां नित नेम के पाठ व अरदास के बाद निशान साहिब की अगुवाई में प्रभात फेरी प्रारंभ हुई। इसमें सबसे आगे घंटा-घड़ियाल लेकर बच्चे और निशान साहिब लेकर प्यारा सिंह चल रहे थे। पीछे-पीछे पुरुष जयकारे लगाते और महिलाएं शबद-कीर्तन करती चल रही थीं। प्रभात फेरी ने जगह जगह ठहरकर गुरु के नाम व संदेशों को प्रसारित किया। भ्रमण करते हुए फेरी पुनः गुरुद्वारा परिसर में आकर सम्पन्न हो गई। गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष तीरथ सिंह ने बताया कि प्रभात फेरियों का सिलसिला आगामी तीन नवंबर तक चलेगा। चार नवंबर को विशाल नगर कीर्तन निकाला जाएगा। पांच नवंबर को गुरुद्वारा परिसर में भव्य धार्मिक दीवान होगा। फेरी में स्वरूप सिंह, प्रीतम सिंह, कश्मीरा सिंह, केवल सिंह, हरभेज सिंह, परमजीत कौर पोला, बलविंदर कौर, मंदीप कौर, अमरजीत सिंह, मंजीत कौर, नरेंद्र कौर, सुखवीर कौर, प्रीतम सिंह, लखविंदर सिंह, नवीन सिंह, मान सिंह सहित आदि लोग शामिल रहे।

प्रेम व विश्वास के साथ मनाया भाईदूज का पर्व, दिनभर रही रौनक

संवाददाता, ढकिया

अमृत विचार : क्षेत्र में गुरुवार को भैयादूज का त्यौहार प्रेम व विश्वास के साथ सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया गया। इस मौके पर बहनों ने अपने भाईयों के घर पहुंचकर उनके माथे पर तिलक किया। उनके दीर्घायु होने की कामना की। भाईयों ने भी बहनों को उपहार आदि भेंट किए। सवेरे से ही बहनों का अपने भाईयों के यहां आने जाने का सिलसिला शुरू हो गया था। मिठाई विक्रेताओं की दुकान पर खरीदारी करने वालों की सुबह से शाम तक भीड़ लगी रही।

भैया दूज पर गोले की रही मांग, भाव चढ़ा : मंहगाई के दौर में भैयादूज पर भाईयों को भेंट किए जाने वाले गोले

ढकिया में भाईदूज पर भाई को तिलक करती बहन।

जेल के अंदर भाइयों के टीका करतीं बहनें। ● अमृत विचार

के दाम में भी 100 रुपये से अधिक की बढ़ोत्तरी हो गई। फिर भी बहनों ने बाजार में दुकानों पर गोले की खूब खरीदारी की।

पिछले वर्ष दीपावली पर गोला 200 रुपये से लेकर 280 रुपये प्रति किलोग्राम था। लेकिन इस बार भाव में बढ़ोत्तरी हुई है। गोले का भाव इस बार बढ़कर 380 रुपये से लेकर 400 रुपये प्रति किग्रा. तक था। हालांकि गोले के बढ़े दाम से बिक्री पर कोई असर दिखाई नहीं दिया। दुकानदार बब्लू, भावेश कुमार, दुर्गपाल सिंह, रणविजय, लखेंद्र सिंह आदि का कहना था कि भैयादूज के मौके पर गोले खूब बिके। पिछले वर्ष से भी अच्छी बिक्री हुई। गोले की बिक्री पर मंहगाई का कोई असर नहीं पड़ा। भैयादूज के मौके पर बहनों ने दुकानों से मिठाई खरीदते समय इस बात का भी ख्याल रखा कि भाई को कौन सी मिठाई पसंद है और उसी मिठाई की खरीददारी की। ढकिया की मैन मार्केट में देर शाम तक मिठाई की दुकानों पर भीड़ लगी रही।

जेल में बहनों ने किया भाइयों का टीका

भाई बहन के प्यार का प्रतीक भैया दूज गुरुवार को धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों के टीका किया।यह सिलसिला जिला कारागार में देखने को मिला। जहां किसी न किसी मामले में बंद लोगों की बहनें भाई को टीका करने के लिए सुबह ही जिला कारागार के गेट पर पहुंच गई। उसके बाद लाइन में लग गई। जहां अपने समय आने का इंतजार करती रही। जेल में बहनों को देखकर भाइयों की आंखें भर आईं।

अमृत विचार

मुरादाबाद , शुक्रवार,24 अक्टूबर 2025

डेढ़ माह से पानी को तरस रही बड़ी आबादी

एक ट्यूबवेल की मोटर फुंकने से ओवर हेड टैंक पूरी तरह नहीं भर पा रहा, 20 हजार लोग प्रभावित

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : नैनीताल हाईवे स्थित पानी की टंकी का एक मोटर फुंकने से डेढ़ माह से वार्ड 36 के बाशिंदे बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं। डेढ़ माह से एक ट्यूबवेल की मोटर फुंकी हुई है। जिसके कारण ओवर हेड टैंक पूरी तरह नहीं भर पा रहा है। ओवर हेड टैंक में पानी कम होने के कारण पानी का प्रेशर कम हो गया है।

ऊंचाई वाले मोहल्लों में बूंद-बूंद कर पानी पहुंचता है। ओवर हेड टैंक को भरने के लिए फिलहाल एक मोटर काम रही है। शहर के मोहल्ला घेर रहमत खां में लगा हुआ मुख्य ट्यूबवेल नंबर-12 पिछले डेढ़ माह से फुंका हुआ है। जिसके कारण वार्ड करीब 20 हजार आबादी बूंद-बूंद पानी के लिए जूझ रहे हैं। क्योंकि, पाइप लाइन में प्रेशर कम है और

डेढ़ माह से खराब ट्यूबवेल नंबर 12।

कुछ लोग मोटर से अपने घरों में लगी टंकियों में पानी भर लेते हैं जिनके घरों में मोटर नहीं लगी हुई है उनके लिए पानी की किल्लत हो रही है।

पहाड़ीगेट, बरेली गेट, गुजर टोला, सतूने संग, तीतर वाली पाखड़, नई बस्ती सहित कई मुहल्लों में पानी की किल्लत हो रही है। लोगों का कहना है कि ट्यूबवेल नंबर-12 की मरम्मत कराई जाए। इसके अलावा पाइप लाइन की जांच कराई जाए जहां-जहां लीकेज है उसे ठीक कराया जाए। ताकि दूषित पानी की आपूर्ति नहीं हो सके। लोगों का कहना है कि यदि ट्यूबवेल की मोटर को शीघ्र दुरुस्त नहीं कराया गया तो वे लोग पालिका परिसर में धरना प्रदर्शन करेंगे।

- गूजर टोला, सतूने संग, पहाड़ी गेट, बरेली गेट सहित दर्जनों मोहल्लों में पानी की किल्लत

नैनीताल हाईवे के निकट स्थित ट्यूबवेल नंबर 12 खराब हो गया है। जिसके कारण करीब 20,000 लोगों को प्रेशर के साथ पानी नहीं मिल पा रहा है। नगर पालिका के जूनियर इंजीनियर मूलचंद और अधिशासी अधिकारी को लिखित और मौखिक रूप से शिकायत की जा चुकी है।

– **मोहम्मद जफर**, सभासद वार्ड 36

मोहल्ला घेर रहमत खां पाइप लाइन से पेय जलापूर्ति नहीं हो पा रही है। इसका मुख्य कारण है कि 12 नंबर ट्यूबवेल खराब है और जगह-जगह पर पाइपलाइन फट चुकी है। जब कभी पानी आता भी है।

– **मतलूब खां**, निवासी घेर रहमत खां

कई मोहल्ले ऊंचाई पर आबाद हैं जो मकान ऊंचाई पर बने हुए हैं वहां बूंद-बूंद पानी पहुंच रहा है। प्रेशर लो होने के कारण ऊंचे मकानों में पानी नहीं चढ़ पा रहा है। हजारों लोग पानी की समस्या से जूझ रहे हैं।

– **जावेद**, निवासी नई बस्ती

डेढ़ माह से पानी का प्रेशर बिल्कुल खत्म हो गया है। बड़ी मुश्किल से कभी-कभी घरों तक पानी पहुंच पाता है। नगर पालिका प्रशासन बार-बार शिकायतों के बावजूद ट्यूबवेल की मोटर को दुरुस्त नहीं करा रहा है।

– अतीक अहमद, निवासी सतूने संग

पानी बहुत कम आता है और प्रेशर पहले जैसा नहीं है। नगर पालिका की ओर से पानी आने का कोई समय तय नहीं है। कारण पूछने पर बताया गया कि पंप खराब है, लेकिन अब तक उसकी मरम्मत नहीं की गई है।

– **नाजिम अली**, निवासी नई बस्ती

निर्माणाधीन मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का निरीक्षण करते डीएम जोगिंदर सिंह। ● अमृत विचार

बाउंड्रीवॉल का कार्य 65 प्रतिशत पूर्ण

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- डीएम ने मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का निरीक्षण किया

अमृत विचार : डीएम ने तहसील सदर अंतर्गत ग्राम पंचायत सींगनखेड़ा स्थित निर्माणाधीन मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के निर्माण कार्य का निरीक्षण संबंधित कार्यदायी संस्था के साथ किया।

विद्यालय लगभग 40, 118 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में आधुनिक शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुरूप निर्मित किया जा रहा है, जो मुख्य संपर्क मार्ग से पूर्णतः जुड़ा हुआ है। विद्यालय में प्री-प्राइमरी से कक्षा 12वीं तक की शिक्षा हेतु अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

परियोजना के 26 सितंबर 2026 तक पूर्ण होने की संभावना है। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि बाउंड्रीवॉल का कार्य लगभग 65 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है, जबकि समग्र निर्माण कार्य की भौतिक प्रगति लगभग 23 प्रतिशत है।

निर्देश दिए कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं समय सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए कार्य को शीघ्र एवं प्रभावी ढंग से पूर्ण किया जाए, ताकि छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

बसपा से तेजी से जुड़ रही जनता

बैठक को संबोधित करते जिलाध्यक्ष प्रमोद सागर निरंकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- चमरौआ विधानसभा क्षेत्र में हुई बैठक में बोले जिलाध्यक्ष

अमृत विचार : गुरुवार को बहुजन समाज पार्टी की बैठक चमरौआ विधानसभा के ग्राम मिलक हाशम में बसपा नेता मोहम्मद शाहिद के आवास पर हुई। बैठक में बसपा के जिलाध्यक्ष प्रमोद सागर निरंकारी ने कहा कि पार्टी से जनता तेजी से जुड़ रही है। उन्होंने 9 अक्टूबर को लखनऊ में हुई महारैली की सफलता के बाद क्षेत्र के लोगों का धन्यवाद किया।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि बसपा में बड़ी ताकत है, पार्टी के कार्यकर्ताओं ने 9 अक्टूबर को लखनऊ जाकर कर अहसास करा दिया। कहा कि आने वाला पंचायत चुनाव की तैयारियां तेजी से चल रही है। लोग संगठन से जुड़ रहे हैं। पंचायत चुनाव का प्रदर्शन पार्टी का बहुत अच्छा रहेगा, जनता भाजपा से ऊब चुकी है। भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है, कोई सुनने वाला नहीं है। कहा चीनी मील चालू होने वाली हैं। प्रदेश सरकार ने गन्ने का मूल नहीं बढ़ाया है। यूरिया खाद डीएपी का मूल्य 1 साल में कई कई बार बढ़ा दिया है। बहुजन समाज पार्टी आने वाले 2027 के चुनाव में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। प्रदेश में अमन शांति कानून का राज लागू होगा। इस अवसर पर इसरार अली, रमेश श्रीवास्तव, अमीर अहमद गुप्ता, मोहम्मद शाहिद, नवेद ,जावेद, इदरीश हाजी, अमीर अहमद गुप्ता, साजिद, शब्बीर ,नौसर अली ,बाबू, इसरार ,फरीद, महफूज ,समीर, निजाम,दानिश, अफजल, फरीद , राशिद, शफीक, मुजीब, गुलफाम आदि लोग मौजूद रहे।

अपात्रों के 24 हजार राशन कार्ड निरस्त

रामपुर, अमृत विचार : जिले में अपात्रों के 24 हजार राशन कार्ड दिए गए हैं। जबकि 22495 पात्र लोगों के कार्ड बनवाए गए हैं। जबकि अन्त्योदय कार्ड का लाभ लेने वाले किसी भी कार्ड धारक का कार्ड निरस्त नहीं किया गया है। राशन कार्ड निरस्त होने से लोगों में बेचैनी है और जिला पूर्ति अधिकारी से फोन पर शिकायत की गई।

जिला पूर्ति अधिकारी ने शिकायतकर्ता से कहा कि लिखित में शिकायत दर्ज कराएं। सम्बंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लोगों का कहना है कि उन्हें बिना बताए कार्ड निरस्त कर दिए गए हैं। दोबारा जांच कराकर कार्ड जारी किए जाएं।

जिले में 24 हजार लोगों को अपात्र बताते हुए उनके राशन कार्ड निरस्त कर दिए गए। मोहल्ला बजरिया मुल्ला जरीफ निवासी बंटी का कहना है कि उनका परिवार पात्र हैं इसके बावजूद उनका राशन कार्ड बनकर नहीं आया है। पात्रों के भी राशन कार्ड काट दिए गए हैं जिससे उन्हें काफी परेशानी हो रही है।

दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में युवक गंभीर घायल

संवाददाता,टांडा

अमृत विचार: दो पक्षों के बीच हुई मारपीट के मामले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में कोतवाली पहुंचा। बाद में पुलिस ने उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। कोतवाली में दोनों पक्षों के नौ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मोहल्ला नीम निवासी मोहम्मद शाहिद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह बुधवार रात अपने पुत्र जुबैर आलम के साथ घर पर मौजूद था। इसी दौरान वली उर्फ नजाकत, मुबीन, नदीम, मौलवी लियाकत तथा फैजान निवासी मोहल्ला नीम, लाठी-डंडे और धारदार हथियारों से लैस होकर घर में घुस आए। इन लोगों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी, इसी दौरान धारदार हथियार से युवक के पुत्र जुबैर आलम की गर्दन पर गंभीर चोट आई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गए। पुलिस ने शाहिद की तहरीर पर पांच लोगों वली उर्फ नजाकत, मुबीन, नदीम, मौलवी लियाकत, फैजान पर मामला दर्ज कर लिया है। दूसरी और नगर के मोहल्ला युसुफ में रंजिश के चलते कुछ लोगों ने एक युवक को मारपीट कर घायल कर दिया। दूसरे पक्ष के मोहम्मद वदूद ने तहरीर में बताया कि वह अपने घर पर बैठा हुआ था। तभी शाहिद, अथर अली,अफसर अली, तथा आलम निवासी मोहल्ला नीम लाठी डंडो आदि से लैस होकर उसके घर में घुस आए। आरोप है कि जैसे ही उसने इन लोगों को देखा, तब तक शाहिद ने लोहे की रॉड से वार कर दिया। वहीं अथर और अफसर ने अपनी-अपनी जेब से छुरे निकालकर हमला करने का प्रयास किया, मारपीट में अथर के हाथ की छुरी आलम को भी लग गई। युवक की चीख-पुकार सुनकर मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह उसकी जान बचाई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर शाहिद, अथर अली, अफसर अली तथा आलम के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

- टांडा थाना क्षेत्र का मामला, नौ लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

किसान नेता पर हमले का एक और आरोपी गिरफ्तार

शाहबाद, अमृत विचार : जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेजा गया। 19 अक्टूबर को भूप सिंह की लिखित तहरीर के आधार पर आरोपी रंजीत यादव, संजीव यादव, राजकुमार यादव,निर्दोष यादव, कमल सिंह, राजवीर, गौस मोहम्मद एहसान खान निवासी चकरपुर कदीम व कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा पिकअप से रास्ते में युवक को पीट दिया था। गुरुवार को थाना शाहबाद पुलिस ने संजीव निवासी ग्राम चकरपुर कदीम थाना शाहबाद को पर केसरपुर चीनी मिल से आगे, करीमगंज मोड़ के पास से गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया। वहां से कोर्ट ने उसको जेल भेज दिया ।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक दिलीप कुमार,उपनिरीक्षक अतिशय जैन,आरक्षी नफासत अली,आरक्षी मुकुल चौधरी शामिल रहे ।इससे पहले भी कई आरोपी जेल जा चुके हैं।

चाचा ने भतीजे को पीटा

ढकिया,अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ऊंचा गांव निवासी रंजीत का आरोप है कि वह अपने घर के दरवाजे पर रखी ईंटे उठाकर अपने घर में रख रहा था। इसी बात पर उसके चाचा यादराम गाली-गलौज करने लगे उसने गाली देने का विरोध किया तो चाचा यादराम, संतोष, सर्वेश और बृजेश ने उसे पीटकर बुरी तरह से घायल कर दिया। घायल भतीजे ने शाहबाद कोतवाली पहुंचकर चाचा सहित उपरोक्त चारों लोगों के खिलाफ मामले की नामजद रिपोर्ट लिखाई है।

सांस्कृतिक सद्भावना केंद्र का निदेशक ने किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता,रामपुर

अमृत विचार : गुरुवार को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के निदेशक अंकित अग्रवाल ने सांस्कृतिक सद्भावना केंद्र का निरीक्षण किया। नुमाइश ग्राउंड पनवाड़िया स्थित प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सद्भावना केंद्र का निर्माण हो रहा है।

इस परियोजना के तहत ऑडिटोरियम, आर्ट गैलरी, बैंक्वेट हॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, गेस्ट हाउस तथा कैफेटेरिया एरिया का निर्माण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि समस्त निर्माण कार्य लगभग 95 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। निदेशक द्वारा शेष कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण कराए जाने तथा परियोजना

सांस्कृतिक सद्भावना केंद्र का निरीक्षण करते निदेशक। ● अमृत विचार

- प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत हो रहा निर्माण

को जनसुविधा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के उपयोग के लिए जल्द संचालित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा जौहर शोध संस्थान का निरीक्षण किया। इस दौरान अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारियों सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान परिसर में लगभग 32 अर्द्धनिर्मित आवास निर्मित पाए गए। जौहर शोध संस्थान की भवन एवं उपलब्ध अधोसंरचना का शीघ्र सदुपयोग सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए।

बस स्टैंड पहुंचे डीएम-एसपी

गुरुवार को भैयादूज के मौके पर जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह, पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र द्वारा बस स्टैंड का निरीक्षण किया। इस दौरान यात्री सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, पार्किंग व्यवस्था एवं सुरक्षा प्रबंधन देख संबंधित को दिशा-निर्देश दिए।

रोडवेज परिसर में कर्मचारियों से बात करते डीएम और एसपी।

कूमल लगा की थी चोरी आरोपी गिरफ्तार

सैदनगर , अमृत विचार : अजीमनगर थाना क्षेत्र के मुरसैना चौराहे पर स्थित हकीमगंज गांव निवासी शाहनवाज के मेडिकल स्टोर में कूमल लगाकर चोरी कर ली गई थी।

चोर नगदी लेकर फरार हो गए थे। मेडिकल स्वामी की तहरीर पर मामले की जांच उप निरीक्षक रजनीश कुमार कर रहे थे। सूचना मिली कि आंगा निवासी युवक शामिल है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आंगा गांव निवासी वसीम को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ करने पर आरोपी ने चोरी की घटना को अंजाम देने की बात कबूल ली। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर दीवार काटने वाले धारदार हथियार के अलावा चोरी गई नगदी भी बरामद की है।थानाध्यक्ष कर्म सिंह पाल ने बताया आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

न्यूज डायरी

पुलिस ने दंपती के खोए दस्तावेज वापस किए

रामपुर, अमृत विचार : मिशन शक्ति केंद्र थाना केमरी द्वारा खोए हुए दस्तावेजों के स्वामी को खोजकर दस्तावेजों को उनके सुपुर्द कर दिया। 21 अक्टूबर को थाना केमरी पुलिस द्वारा गश्त के दौरान गंगापुर कदीम रोड पर सड़क किनारे एक पॉलिथीन बैग बरामद किया। जिसमें 4 आधार कार्ड, एक आयुष्मान कार्ड, यूनियन बैंक की पासबुक एवं चेकबुक थी। थाना पुलिस द्वारा बरामद दस्तावेजों को तत्काल महिला शक्ति केंद्र थाना केमरी को सुपुर्द किया गया। मिशन शक्ति टीम ने अथक प्रयास से स्वामिनी संतोष पत्नी नरेन्द्र, निवासी रजोदरा कन्नारदेव, थाना मूढापांडे से संपर्क स्थापित किया।पूछताछ में संतोष ने बताया कि वे मायके ग्राम रहसैना आई हुई थी, इसी दौरान बैग रास्ते में गिर गया था। वह पति के साथ थानेपहुंची। जहां उन्हें उनके दस्तावेज सौंपे। संतोष ने पुलिस की प्रशंसा की।

मुल्क की तरक्की के लिए उठे हाथ

रामपुर, अमृत विचार : गांव प्रानपुर में हजरत बुद्धा शाह मियां की दरगाह पर उर्स हुआ। इस दौरान हुजूर की शान में मिलाद और नाते पाक पेश की गईं। कुल शरीफ के बाद जिला पंचायत सदस्य मुस्तफा हुसैन व अकीदतमंदों ने मुल्क की तरक्की और खुशहाली के लिए हाथ उठाए। सज्जादाशीन भूरे मियां ने बताया कि दरगाह पर हर वर्ग के लोग शामिल होते हैं। हाजिरी देने और मन्नतें मांगने वालों का तांता लगा था। जिला पंचायत सदस्य ने तकरीर में कहा कि सूफी बुजुर्गों ने मोहब्बत, भाईचारे और एकता का पैगाम दिया है। यही वजह है कि मजारों पर हर वर्ग और धर्म के लोग हाजिरी देने पहुंचते हैं। यह समाज में गंगा जमुनी तहजीब का पैगाम देता है। उलेमा मौलाना आजाद कादरी ने कुरान शरीफ की तिलावत की। इस मौके पर हजरत बुद्धा शाह मियां की दरगाह के दरगाह के मुतवल्ली अशरफ अली प्रधान, हसनैन अली, शाकिर अली, दिलदार अली, उस्मान अली, राशिद पधान आदि मौजूद रहे।

त्रि-स्तरीय चुनाव: 24 तक कंप्यूटरीकृत होंगी मतदाताओं की नामावलियां

रामपुर, अमृत विचार : त्रि-स्तरीय चुनाव के लिए तमाम तैयारियां चल रही हैं। 24 नवंबर तक मतदाताओं की नामावलियां कंप्यूटरीकृत होंगी। नामावलियां बनकर तैयार हो चुकी हैं। उन्हें 7 अक्टूबर से 24 तक कंप्यूटरीकृत कराया जाएगा। मतदान केंद्रों का 25 नवंबर तक का क्रमांकन होगा। इसके अलावा मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग की कार्रवाई की जाएगी। जिला पंचायत राज अधिकारी नत्थूलाल ने बताया कि त्रि-स्तरीय चुनाव के लिए निर्वाचन कार्यालय में निर्वाचक पत्रावलियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 7 अक्टूबर से ड्राफ्ट नामावलियों को कंप्यूटरीकृत कराया जा रहा है, 24 नवंबर तक मतदाताओं की नामावलियां कंप्यूटरीकृत हो जाएंगी। इसके बाद 25 नवंबर से मतदान केंद्रों का क्रमांकन और मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग का कार्य होगा। बताया कि 5 दिसंबर को अनन्तिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन किया जाएगा। 6 दिसंबर से 12 दिसंबर तक दावे एवं आपत्तियां ली जाएंगी। 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी निर्वाचकों के दावे स्वीकार किए जाएंगे।

सिद्धबाबा मंदिर में होगा रामलीला मंचन और दंगल

रामपुर, अमृत विचार : खजुरिया क्षेत्र के विजयनगर पिपलिया गांव में स्थित प्राचीन श्री सिद्धबाबा मंदिर पर प्रत्येक वर्ष लगने वाला सात दिवसीय मेला गुरुवार से शुरू हो गया है। जिस मंदिर पर लोगों की मनौतियां पूरी होती है। जिस कारण से प्रसाद चढ़ाने वाले श्रद्धालुओं की पूरे दिन लाईने लगी रहीं। गुरुवार को खजुरिया खुर्द ग्राम पंचायत के गांव विजयनगर पिपलिया में स्थित प्राचीन श्री सिद्धबाबा के मंदिर पर प्रत्येक वर्ष की भांति गोवर्धन के एक दिन बाद से लगने वाला सात दिवसीय मेला शुरु हो गया है। श्री सिद्धबाबा मंदिर के पुजारी विनोद नाथ गिरि ने बताया कि यहां लोगों की मुरादें पूरी होती है। परिसर में सात दिन रामलीला मंचन होता है। राष्ट्रीय एकता विशाल कुश्ती दंगल में दूर दूर से पहलवान आते है। मेले की व्यवस्था में मेला कमेटी अध्यक्ष हरपाल मौर्य, बिहारी लाल गंगवार, भोलानाथ मौर्य, रामचरलाल मौर्य, मदनलाल मौर्य, छत्रपाल, चोखेलाल आदि लोग मौजूद रहे।

पराली जलाने से रोकना आवश्यक

रामपुर, अमृत विचार : उप कृषि निदेशक राम किशन सिंह ने बताया कि कटाई का कार्य शुरू हो चुका है। जनपद में पराली जलाने की घटनाएं सामने आई है, जिसे रोका जाना आवश्यक है। किसानों द्वारा एक टन धान पराली जलाने से लगभग 5.5 किग्रा. नाइट्रोजन, 2.3 किग्रा. फास्फोरस, 25 किग्रा. पोटाश, 1.2 किग्रा. गंधक तथा 400 किग्रा. जैविक कार्बन के अतिरिक्त अन्य सूक्ष्म पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं, जो हमारी भूमि व फसलों के लिए बहुत ही लाभदायक व महत्वपूर्ण है। एक टन धान की पराली जलाने पर 3 किग्रा. कणिका तत्व (कार्बन), 1460 किग्रा. कार्बन डाइऑक्साइड, 60 किग्रा. कार्बन मोनोऑक्साइड, 99 किग्रा. राख एवं 2 किग्रा. सल्फर डाइऑक्साइड के अलावा 2.72 किग्रा. मीथेन व नाइट्रिक ऑक्साइड जैसी जहरीली गैस निकलती हैं। जिससे वातावरण प्रदूषित होता है तथा मनुष्य, पशु व पक्षियों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ता है। किसान बेलर संचालकों द्वारा भी पराली निःशुल्क उठवा सकते हैं। पर्यावरण विभाग द्वारा क्षतिपूर्ति की वसूली के निर्देश है।

आर्य समाज मनाएगा 150वां स्थापना वर्ष

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को पदाधिकारियों ने की बैठक

अमृत विचार : गुरुवार को प्रातः 10 बजे अंतरंग सभा सभापतित्व ओमवीर सिंह वैदिक के नेत्तृव में शाहबाद रोड स्थित साइकिल स्टोर पर हुई। बताया कि आर्य समाज के तत्वावधान में आर्य समाज का 150वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में 27वां वेद महोत्सव 21 कुंडीय वैदिक महायज्ञ के रूप में 26, 27,28 अक्टूबर को ज्वालानगर स्थित माया देवी धर्मशाला में मनाया जाएगा।

कार्यक्रम में वैदिक विद्वान स्वामी मोक्षानंद सरस्वती आशीर्वाद प्रदान करने के लिए रहे हैं।अखिलानंद सरस्वती प्रखर वैदिक प्रवक्ता गुरुकुल पूठ, गढ़मुक्तेश्वर जनपद हापुड़ से आएंगे। बहन सुकीर्ति आर्य भजनोपदेशिका महिला जागृति मुजफ्फरनगर से, अनिल दत्त नादान भजनोपदेशक मेरठ से पधार रहे हैं। कार्यक्रम का आकर्षण 21 कुंडीय वैदिक महायज्ञ रहेगा जिसमें अनेक यजमान पत्नी सहित सम्मिलित होंगे। प्रातः कालीन बेला में प्रातः 8:30 बजे से 11:30 बजे तक यज्ञ के साथ-साथ भजन एवं उपदेश तथा सायं कालीन वेला में अपराह्न 2 से 5 तक महिला जागृति के लिए महिला सम्मेलन होगा। रात्रि में देश की रक्षार्थ एवं समाज के सुधार के लिए अनेक प्रकार के भजन एवं व्याख्यान का आयोजन होगा दो दिवसीय प्रभात फेरी 24 व 25 अक्टूबर को प्रातः 5:30 बजे से 8 तक ज्वालानगर क्षेत्र के सभी मोहल्लों एवं गलियों में घूम-घूम कर वैदिक उद्घोष के साथ संपन्न की जाएगी। बैठक में हरि दत्त, भारत सिंह आर्य, राम किशोर सिंह आर्य, सत्य प्रकाश आर्य, गिरेंद्र सिंह आर्य, अमन सिंह आर्य, अरविंद कुमार आर्य, जयप्रकाश आर्य, वेद प्रकाश आर्य, सत्यवीर सिंह आर्य, चंद्रलेखा आर्य, धर्मवती आर्य, मुन्नी देवी आर्य, गीता देवी आर्य आदि मौजूद रहीं।

व्योमकेश आवासीय योजना का डीएम ने किया निरीक्षण

रामपुर, अमृत विचार: जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह व पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र के साथ आरडीए द्वारा विकसित की जा रही व्योमकेश आवासीय योजना का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान बाउंड्रीवाल का कार्य संतोषजनक पाया गया। निर्माणाधीन दीवार में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता का स्थल पर परीक्षण कर उसकी मजबूती एवं मानक अनुरूपता का अवलोकन किया गया। संबंधित कार्यदायी संस्था एवं ठेकेदार को निर्देशित किया कि कार्य की गुणवत्ता किसी भी स्थिति में प्रभावित न हो तथा निर्माण कार्य त्वरित गति से पूर्ण किया जाए। गुणवत्ता में लापरवाही या देरी कदापि स्वीकार्य नहीं होगी। योजना क्षेत्र में अन्य विकास एवं सार्वजनिक सुविधा से जुड़े कार्यों की प्रक्रियाओं को भी नियमों के अनुरूप शीघ्र पूर्ण कराने के लिए निर्देशित किया ।ताकि यह आवासीय योजना जनहित में एक आदर्श और समयबद्ध परियोजना के रूप में विकसित हो सके।

प्लास्टर मामले में सीएमएस को देना पड़ेगा स्पष्टीकरण

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- जिला अस्पताल में प्लास्टर करने के लिए मरीज से रिश्वत लेने का मामला

अमृत विचार : जिला अस्पताल में मरीज का प्लास्टर करने में रिश्वत लिए जाने का मामला तूल पकड़ गया है। इस मामले में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.दीपा सिंह ने कहा कि सीएमएस से इस मामले में स्पष्टीकरण लिया जाएगा। इसके साथ ही पूरे प्रकरण में जांच कराई जाएगी।

जबकि सीएमएस का कहना है कि प्लास्टर रूम के बाहर बोर्ड लगवाया जाएगा। इसके अलावा कर्मचारियों को मरीजों से अच्छा व्यवहार और शुल्क संबंधित शिकायत पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दे दी है। जिला अस्पताल में अपने हाथ पर प्लास्टर कराने आए मरीज राजाराम का कहना था कि उससे प्लास्टर चढ़वाने के नाम पर 100 रुपये ले लिए गए। मना करने पर प्लास्टर काटने की धमकी दी गई। इसके अलावा मरीज राम किशोर का आरोप है कि प्लास्टर करने के लिए उससे भी 100 रुपये लिए गए थे। मरीजों ने सीएमएस से शिकायत की थी। इसके बाद सीएमएस ने मरीजों के पैसे वापस कराए। सीएमएस डॉ. बीसी सक्सेना का कहना है कि प्लास्टर करने के लिए 68 रुपये फीस है। मरीजों द्वारा सौ-सौ रुपये दिए जाने पर ओटी असिस्टेंट कहा कि छुट्टे पैसे नहीं हैं। छुट्टे पैसे आने पर दे दिए जाएंगे। लेकिन मरीजों का आरोप है कि उनसे सौ-सौ रुपये लिए गए जो कि सीएमएस के हस्तक्षेप के बाद उन्हें वापस किए गए। जिला अस्पताल में मरीजों की बदहाली है, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी मनमानी करते हैं। इससे पहले जिला अस्पताल में खून बेचने का मामला भी खूब उछला था।

> जिला अस्पताल में मरीजों से प्लास्टर कराए जाने के मामले में सीएमएस का स्पष्टीकरण लिया जाएगा। इसके अलावा पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। दोषी पाए जाने पर कार्रवाई होगी।
>
> – डॉ. **दीपा सिंह**, मुख्य चिकित्साधिकारी

न्यूज ब्रीफ

धूमधाम से मनाया गया भाईदूज का पर्व

गजरौला, अमृत विचार : शहर व देहात क्षेत्रों में गुरुवार को भाई दूज का त्योहार बड़े ही उल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों के माथे पर मंगल तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र की कामना की। वहीं भाइयों ने बहनों को उपहार भेंट कर मंगलकामना की। भाई दूज को लेकर गुरुवार सुबह से शहर व देहात क्षेत्रों में तैयारियां शुरू हो गईं। जिन लोगों की बहनें घर पर ही थीं, उन्होंने स्नान ध्यान करने के बाद घरों में सुंदर चौक तैयार किया। बहनों ने भाइयों को मंगल तिलक लगाकर मिष्ठान खिलाया। बहनों ने गोला और मिठाई भी भेंट की। इसके बदले भाइयों ने बहनों के लिए मंगलकामनाएं करते हुए उन्हें उपहार भेंट किए। जिन भाइयों की बहनें अपनी ससुराल में थी, तो कुछ भाई बहन की ससुराल पहुंचे और वहीं बहन ने उनका मंगल तिलक किया।

चमन हैदर बने सुभासपा के प्रदेश सचिव

सैदनगली, अमृत विचार : उझारी नगर पंचायत निवासी चमन हैदर बाकरी को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी का प्रदेश सचिव मनोनीत किया गया है। चमन हैदर बाकरी ने कहा कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर की सन्तुति पर प्रदेश अध्यक्ष प्रेमचंद कश्यप द्वारा पार्टी का प्रदेश सचिव मनोनीत किया गया है। कहा कि वह राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश उपाध्यक्ष बाबर गाजी का दिल की गहराइयों से आभार व्यक्त करता है।

काला पीलिया के जांच को रखे हैं 1000 सैंपल

अमरोहा, अमृत विचार : इन दिनों काला पीलिया के मरीजों की संख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। दिल्ली और मेरठ के लैब में काला पीलिया की वायरल लोड के सैंपलों की जांच के इनकार के बाद स्वास्थ्य विभाग के स्थानीय बीएसएल 2 लैब में भी जांच की कवायत शुरू नहीं की गई है। जांच के लिए लैब में 2 महीने से करीब 1000 सैंपल रखे हैं। रिपोर्ट के इंतजार में बढ़ती परेशानी के बीच मैरिज जिला अस्पताल के चक्कर लगा रहे हैं। लैब में जांच शुरू करने को लेकर जिम्मेदार अफसर गंभीर नहीं है। अब सैंपल जांच के लिए लखनऊ की लैब को भेज दिए गए हैं। मजबूरी में मरीजों को निजी लैब से करीब 2500 खर्च कर जांच करानी पड़ रही है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सतपाल सिंह ने बताया कि इस संबंध में शासन के उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है।

भाइयों के माथे पर तिलक कर लंबी आयु की कामना की

महिलाओं ने दिनभर की मिठाइयों और गोलों की खरीदारी, भीड़ बढ़ने से बहनों को हुई परेशानी, जाम लगने से यातायात रहा बाधित

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार : जिले में भाई दूज का त्योहार उल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों के माथे पर मंगल तिलक लगाकर उनकी लंबी आयु की कामना की। वहीं, भाइयों ने बहनों को उपहार भेंट कर रक्षा वचन दिया। भाई दूज पर पूरा दिन शहर में चहल पहल रही। कहीं भाई बहन के घर गए तो कहीं बहनों ने भाइयों के घर पहुंचकर तिलक कर गोले व मिठाई भेंट की।

गुरुवार को घरों में भाई दूज को लेकर सुबह से ही तैयारियां शुरू हो गईं थीं। बहनों ने भाइयों को मंगल तिलक लगाकर मिष्ठान खिलाया और गोला दिया। वहीं, भाइयों ने बहनों के लिए मंगलकामना कर उन्हें उपहार भेंट किए। जिन भाइयों की बहनें अपनी ससुराल में थीं, तो वह भाई बहन की ससुराल पहुंचे और वहीं बहन ने उनका मंगल तिलक किया। दिन भर सड़कों पर चहल पहल रही। भाई दूज पर बाजार में मिठाइयों की जमकर खरीदारी हुई। मिठाइयों की दुकान पर सुबह से लेकर शाम तक लोगों की भीड़ रही। बहनों ने भाइयों की मंगलकामना के साथ उन्हें मिठाइयां भी भेंट की। भाई दूज पर बाजारों में जाम की स्थिति रही। दिन भर लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ा। हालांकि प्रशासन के इंतजाम से लोगों को राहत भी मिली। भाई दूज पर ट्रैफिक व्यवस्था में अवरोध पैदा न हो इसके लिए पुलिस प्रशासन ने इंतजाम किये थे। लेकिन अमरोहा शहर में टीपी नगर चौराहे से लेकर बिजनौर रोड तक दिन भर जाम लगा रहा।

भाई के माथे पर तिलक कर मिठाई खिलाती बहन। ● अमृत विचार

मिठाई एवं गोलों की खरीदारी करते लोग। ● अमृत विचार

मिठाई एवं गोलों की दुकान पर रही भीड़

हसनपुर, अमृत विचार : भाई दूज की तैयारियों को लेकर गुरुवार को मिठाई की दुकानों में दिनभर रौनक बनी रही। साथ ही गोलों की दुकान पर खरीदारी करते हुए महिलाएं दिखाई दीं। भाई दूज पर बहनें भाइयों का टीकाकर गोला और मिश्री भेंट करतीं हैं। इसी के चलते बाजार में गोला, मिश्री, मिठाई आदि की खूब खरीदारी हुई। मिठाई की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ रही और नगर के बाजार गुलजार रहे। गुरुवार को भाई दूज पर्व होने के कारण नगर में काफी भीड़-भाड़ देखी गई वहीं भाइयों को देने के लिए गोली एवं मिठाई की बहनों द्वारा जमकर खरीदारी की गई, नगर स्थित मिठाई एवं गोलों की दुकान पर सुबह से लेकर दोपहर तक भीड़ रही।

भाइयों ने बहनों को दिए उपहार

हसनपुर, अमृत विचार : नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में गुरुवार को भाई दूज का पर्व मनाया गया। बहनों ने भाई को तिलक लगाया और भगवान से लंबी उम्र की कामना की। बदले में भाइयों ने बहन को उपहार भेंट किए। गुरुवार सुबह बहनों ने सारी तैयारियां पूर्ण कर ली थीं। घर के कार्य निपटाने के बाद शुभ मुहूर्त पर बहनों ने भैया दूज की कथा कही गई और उसके बाद अपने भाई को रोली, चावल से तिलक लगाकर आरती उतारी और मिठाई खिलाकर मुंह मीठा करवाया और उपहार दिए। बदले में भाइयों ने भी बहन को नकदी और उपहार दिए। कुछ महिलाओं ने मुहूर्त के बाद भी भाई के घर पहुंच कर तिलक किया। बच्चों में भी भाई दूज को लेकर उत्साह देखने को मिला।

मुस्लिम बहन ने मुकेश गुप्ता का किया तिलक

हसनपुर, अमृत विचार : मुस्लिम बहन शाहजहां ने अपने मुंह बोले भाई व्यापारी नेता मुकेश गुप्ता का तिलक कर ईश्वर से उनकी दीर्घायु और उज्जवल भविष्य की प्रार्थना की है। शाहजहां बेगम हसनपुर निवासी वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अली अहमद सैफी की पत्नी हैं और व्यापारी नेता मुकेश गुप्ता मोहल्ला होली वाला कस्बा हसनपुर के निवासी हैं। मुकेश गुप्ता और शाहजहां बेगम का भाई- बहन का ये रिश्ता 26 वर्ष पुराना है। जिसे वह निभाते आ रहे हैं। उनका कहना है कि हम दोनों परिवारों द्वारा दीपावली, भैयादूज, होली, रक्षाबंधन और मीठी ईद मिलजुल मनाते हुए सुखमय जीवन व्यतीत करते रहे हैं। उन्होंने अपनी और से सभी देशवासियों को भाई बहन के पवित्र त्योहार भाईदूज की शुभकामनाएं दीं।

व्यापारी नेता मुकेश गुप्ता को तिलक करतीं शाहजहां।

रोडवेज की बसों में रही भीड़

बस में यात्रियों की भीड़। ● अमृत विचार

अमरोहा, अमृत विचार : गुरुवार को रोडवेज की बसों में दिनभर मारामारी रही। सुबह से ही चौराहों व बस अड्डे पर सवारियों की भीड़ दिखाई दी। घंटों इंतजार के बाद बस मिली तो उसमें सीट को लेकर काफी मारामारी रही। भीड़ होने के कारण यात्रियों को काफी परेशानी हुई। हालांकि परिवहन निगम ने बसों की संख्या बढ़ाई, लेकिन सभी इंतजाम कम पड़ गए। कुल मिलाकर परिवहन विभाग की व्यवस्था धड़ाम साबित हुई। गुरुवार को बस स्टैंड पर यात्रियों की भीड़ लग गई। जैसे ही बस स्टैंड पर बस पहुंचती यात्रियों भीड़ उस ओर दौड़ पड़ती थी। सुबह से ही बहनों व भाईयों ने पास पहुंचना शुरू कर दिया। बस में बैठने को सीट मिल जाए, इसके लिए बसों की खिड़की से बच्चों को अंदर भेजा गया। कुछ यात्रियों ने सामान रख सीट सुरक्षित की। मुरादाबाद, गाजियाबाद, सम्भल, बिजनौर आदि स्थानों को जाने वाले यात्रियों की संख्या ज्यादा दिखाई दे रही थी। शहर के बस स्टैंड सहित जोया चौराहा पर यात्रियों की भीड़ लगी रही। घंटों इंतजार के बाद बस मिली, लेकिन उसमें भी सीट को लेकर मारामारी करनी पड़ी। बसों में पैर रखने तक की जगह नहीं थी। यात्रियों ने तो बस की खिड़की पर लटककर सफर किया।

हसनपुर के युवक की गढ़मुक्तेश्वर में मौत

हसनपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव निवासी युवक की गढ़मुक्तेश्वर में हादसे में मौत हो गई।

हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव गंगा चोली निवासी युवक सचिन वर्मा पुत्र स्व. सतीश चंद्र वर्मा 18 वर्षीय बुधवार देर शाम पड़ोसी गांव के युवक के साथ किसी काम से गढ़मुक्तेश्वर गया था। वापसी के दौरान मीरा की रेती लिंक मार्ग पर उसकी बाइक सामने से आ रही भैंसा बुग्गी से टकरा गई। टक्कर लगते ही बाइक चला रहे सचिन की मौके पर ही मौत हो गई। सड़क दुर्घटना में मौत के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना पर परिजन घटना स्थल को रवाना हो गए। सचिन छह बहनों का इकलौता भाई था। 10 वर्ष पहले उसके पिता की भी बीमारी के चलते मौत हो चुकी है। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव लाया जाएगा।

पटाखा फेंकने से रोकने पर मारपीट और फायरिंग

संवाददाता, सैदनगली

अमृत विचार : घर में पटाखा फेंकने से रोकने पर मारपीट और फायरिंग हो गई। घटना के बाद पुलिस ने 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इससे क्षेत्र में तनाव फैल गया, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कह रही है।

शराब के नशे में घर में पटाखे फेंकने से मना करने पर आरोपियों ने घर में घुसकर मारपीट और फायरिंग की। आरोप है कि युवती से छेड़छाड़ भी की गई। मारपीट की वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। पुलिस ने मामले में नौ लोगों के खिलाफ नामजद व तीन अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। कस्बे की रहने वाली युवती कहना है कि उनकी मां बीमार है। पड़ोस के लोग 21 अक्टूबर की रात 10 बजे नशे में पटाखे जलाकर उनके घर की तरफ फेंक रहे थे। मां के बीमार होने का हवाला देते हुए पटाखे घर में नहीं फेंकने से मना किया। आरोप है कि इतना सुनकर आरोपी घर में घुस आए और पिता-भाई के साथ मारपीट की। विरोध करने पर उसके साथ छेड़छाड़ की। परिवार ने बमुश्किल उन्हें घर से बाहर निकाल कर दरवाजा बंद कर अपनी जान बचाई। उधर, मारपीट और हंगामे की वीडियो बनाकर किसी ने इंटरनेट पर प्रसारित कर दिया। मामले में युवती की तहरीर पर पुलिस ने कस्बा निवासी अनिकेत, रक्षक, मुनीत, मयंक, आकाश, शौर्य, अमर सिंह, अंकुर, पुनीत तथा तीन अज्ञात पर विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। सभी आरोपी अभी पुलिस पकड़ से बाहर हैं। थाना प्रभारी विकास सहरावत का कहना है कि पीड़ित युवती की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर पूरे मामले की जांच की जा रही है। जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

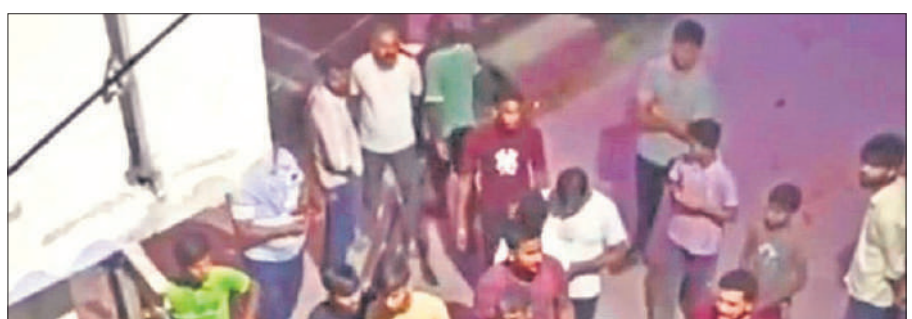

मारपीट के दौरान मौजूद भीड़। ● अमृत विचार

● मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की, सभी आरोपी फरार

दो पक्षों में मारपीट, 13 पर रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, सैदनगली

अमृत विचार : महिला को गाली गलौज करने का विरोध करना महंगा पड़ गया। आरोपियों ने महिला पर फायर कर दिया। आरोपियों ने महिला की बेटियों से भी छेड़छाड़ की। पुलिस ने 10 अज्ञात समेत 13 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वहीं, दूसरे पक्ष की तरफ से भी तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है।

घटना बुधवार रात 8 बजे सैदनगली के मोहल्ला रामलीला मैदान धर्मशाला मंदिर के पास की है। यहां की निवासी महिला के घर में पड़ोसी घुस गया तथा उसके साथ गाली गलौज करने लगे। आरोपियों ने 12 अन्य साथियों को भी मौके पर बुला लिया। महिला ने जब गाली देने का विरोध किया तो आरोप है कि उन्होंने लाइसेंसी पिस्टल निकाली तथा फायर झोंक दिया। महिला ने बताया कि जब उसकी बेटी ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो उसके साथ भी मारपीट करने लगे तथा जान से मारने की धमकी भी दी। महिला की तहरीर के आधार पर बॉबी शर्मा उर्फ अमित शर्मा पुत्र ऋषिदेव शर्मा, वर्षा पत्नी बॉबी शर्मा उर्फ अमित शर्मा, सगुन पुत्र बॉबी शर्मा उर्फ अमित शर्मा समेत 10 अज्ञात लोगों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं, दूसरे पक्ष भाजपा महिला मोर्चा की जिला मंत्री वर्षा शर्मा का कहना है कि उनके पति ने बचाव में पिस्टल बाहर निकाल थी, फायर नहीं किया गया। पीड़िता ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

बीजरा में मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

अमरोहा, अमृत विचार : गांव बीजरा में नंदराम सिंह और डालचंद का परिवार रहता है। डालचंद सिंह के बेटे सुरेश सिंह ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताया कि 21 अक्टूबर की शाम 5 बजे वह ड्यूटी से घर लौट रहा था। तभी गांव के रहने वाले रवि, दीपक, रोहतास, सुंदर ने उन्हें रास्ते में रोक लिया और लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी थी। पुलिस से शिकायत करने पर परिवार समेत जान से मारने की धमकी दी। वहीं, नंदराम सिंह के बेटे रवि द्वारा दर्ज कराई रिपोर्ट के अनुसार घटना के समय वह मंदिर में दीपक जलाकर घर लौट रहा था। तभी गांव के सुरेश, काशीराम, शिवम कुमार, सौरभ और राकेश ने उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। बचाव में आए परिजनों को भी मारा पीटा और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी अवधभान भदौरिया ने बताया कि रवि की तहरीर पर सुरेश, काशीराम, शिवम कुमार, सौरभ और राकेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वहीं दूसरी और सुरेश कुमार की तहरीर पर रवि कुमार, दीपक, रोहतास और सुंदर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मारपीट कर महिला के 70 हजार रुपये छीने

● भैंस बेचकर महिला को मिले थे 70 हजार रुपये, तहरीर दी

हसनपुर, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव में भैंस बेच कर रखे रुपयों को गांव के कुछ लोगों ने मारपीट कर महिला से छीन लिए। मारपीट में महिला बुरी तरह घायल हो गई। घायल हालत में पीड़िता कोतवाली पहुंची और आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर लेकर घायल महिला को मेडिकल के लिए सीएचसी भेजा है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव सिरसा गुर्जर निवासी राजवती पत्नी रोहतास का आरोप है कि बुधवार की देर रात वह अपने घर पर थी। तभी गांव के ही तीन लोग उसके घर पर आए और आते ही मारपीट करने लगे। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने मारपीट करते हुए कहा कि जो भैंस बेची है। उसके रुपये कहां रखे हैं और वह दे दो वरना जान से मार देंगे। पीड़िता का कहना है कि डर की वजह से आरोपियों रुपयों के बारे में बता दिए तो आरोपी घर में रखे हुए 70 हजार रुपए लेकर मारपीट कर घर से फरार हो गए। पीड़िता घायल हालत में कोतवाली पहुंची और आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर लेकर घायल महिला को मेडिकल के लिए सीएचसी भेजा। जहां उसका उपचार किया गया। हल्का इंचार्ज लोहर सिंह ने बताया कि मामला मारपीट का है, तहरीर मिली है जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

बहनों ने किया तिलक, भाइयों ने दिया वचन

संवाददाता, मंडी धनौरा

अमृत विचार : बहन-भाई के पावन रिश्ते से जुड़ा भैयादूज पर्व गुरुवार को परंपरागत उल्लास के साथ मनाया। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक करने के बाद मीठा खिलाया और उनकी लंबी उम्र के लिए कामना की। भाइयों ने बहनों मनचाहे उपहार दिए।

भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह के प्रतीक का पर्व भैयादूज गुरुवार को नगर और देहात क्षेत्रों में मनाया गया। पर्व के मद्देनजर सुबह से ही घरों में विशेष तैयारियां की गईं। भाई अपने बहनों का इंतजार करते हुए नजर आये। बहनों के घर पहुंचने पर पर्व को परंपरागत तरीके से मनाया गया। बहनों ने भाइयों के माथे पर टीका किया और उन्हें मिठाई खिलाई। उसके बाद गोला देते हुए भाइयों की तरक्की, उन्नति और लंबी आयु के लिए भगवान से प्रार्थना की। उसके बाद भाइयों ने भी अपने बहनों को मनचाहे उपहार भेंट किये। वहीं, भाईदूज के पर्व पर सुबह से ही सरकारी और निजी वाहनों में भारी भीड़ रही। लोगों ने अपने गतंव्य तक पहुंचने के लिए बसों की छत पर बैठकर सफर किया। इसके अलावा निजी कारों और बाइकों के सहारे भी लोग अपने घर पहुंचे।

भाई का तिलक करती बहन। ● अमृत विचार

धूमधाम से मनाया भाई दूज का पर्व

सैदनगली, अमृत विचार : भाई दूज के त्योहार को लेकर भाई-बहनों में सुबह से उत्साह और उमंग देखी गई। कहीं बहनें भाईयों के घर पहुंची तो, कहीं भाई बहनों के घर पहुंचे। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक किया। मिठाई, गोले आदि उपहार भेंट करते हुए बहनों ने भाइयों की सलामती के लिए ईश्वर से कामना की। भाइयों ने बहनों को उपहार आदि भेंट किए। उनकी रक्षा का वचन दिया। त्योहार के चलते मिठाई और गोलों की जबरदस्त बिक्री हुई। मिठाइयों की दुकानों पर भीड़ देखी गई।

तैयारी | डीआईजी ने तिगरी गंगा मेला स्थल का किया निरीक्षण, पुलिस के साथ पीएसी की भी होगी तैनाती

तिगरी गंगा मेले की समय से पूरी करें तैयारियां : डीआईजी

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार : डीआईजी मुनिराज जी ने जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स व पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के साथ गुरुवार को तिगरी गंगा मेले की तैयारी का मौके पर निरीक्षण किया। उन्होंने चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाते हुए शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

डीआईजी ने बताया कि श्रद्धालुओं के आगमन के दृष्टिगत सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए है। उन्होंने कहा कि स्टंटबाजी या खुराफाती कार्य करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन से निगरानी की जाएगी। यातायात और पार्किंग के लिए इस तरह कार्य योजना बनाई गई है। जिससे श्रद्धालुओं के साथ आमजन को भी किसी तरह की समस्या न हो। डीआईजी ने तिगरी गंगा मेले को भव्य, सुरक्षित और आकर्षक बनाने के लिए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले में लाखों श्रद्धालु आते हैं। सभी अधिकारी समय रहते आवश्यक व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से पूर्ण करें, ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हों। डीएम ने कहा कि गंगा के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित घाट उपलब्ध कराने के दृष्टिगत घाटों को बेहतर और सुरक्षात्मक बनाने के निर्देश दिए गए हैं। एसपी ने कहा कि मेले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। पुलिस के साथ-साथ पीएसी भी तैनात रहेगी। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। ड्रोन कैमरों के माध्यम से भी नजर रखी जाएगी। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखा जाएगा। ताकि श्रद्धालुओं और आमजन को असुविधा न हो। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, उपजिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव, लोक निर्माण विभाग, बाढ़ खंड सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मेला स्थल का निरीक्षण करते डीआईजी मुनिराज जी। ● अमृत विचार

टिन शेड से होने लगी जगह की घेराबंदी

गजरौला, अमृत विचार : जिला पंचायत प्रशासन व कोतवाली के अस्थायी कार्यालय की चारों तरफ से टिन शेड से घेराबंदी होने लगी है। टिन शेड के साथ बल्लियों को लगाया गया है। टिन शेड लगने पर जिला पंचायत व कोतवाली के अंदर व बाहर जाने के लिए केवल एक ही रास्ता रहेगा।

गंगा की रेती पर बसने लगा तंबुओं का शहर

तिगरी गंगा मेले में लगने लगी तंबुओं की नगरी। ● अमृत विचार

गजरौला, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव तिगरी में मां गंगा के दो तट गढ़ व तिगरी पर एक बार फिर से तंबुओं का शहर बसना शुरू हो गया है। खेल तमाशे वाले पहुंच गए हैं। रेतीली मिट्टी के साथ मां के आंचल में तीन दिन बाद मौजमस्ती शुरू हो जाएगी। ऐसी गतिविधियों के साथ यहां पर एक अलग सी अनुभूति का अहसास होता है। यह क्रम एक दिन नहीं बल्कि 10 दिनों तक जारी रहता है। उधर, गंगा के दूसरे छोर पर बसा गढ़ मेला भी इसी तरह गुलजार हो चुका है। तिगरी से पार के मेला का दृश्य साफ नजर आ रहा है। वहां पर भी तैयारियां तेजी के साथ चल रही है। खास बात है कि मेले में सबकुछ मिलेगा। सुरक्षा के लिए पुलिस पहुंची है और स्वास्थ्य की देखभाल को अस्पताल। सरकार के प्रतिनिधि भी मेले में बैठेंगे। अफसर भी होंगे और खेल-तमाशे वाले भी। आग बुझाने को दमकल कार्यालय भी बनता है।

फरार आरोपियों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार : शराब पार्टी में हुई किसान की हत्या के मामले में फरार चल रहे दो हत्यारोपी मनोज व गुड्डू की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस ने उन पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। पुलिस मामले में दो अन्य हत्या आरोपियों अनुज व हरविंदर को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

दरअसल थाना अमरोहा देहात क्षेत्र के गांव हासमपुर के निवासी अभिषेक उर्फ भूरा की 12 अक्टूबर की रात को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। नगर पालिका के ठेकेदार निरंजन सिंह ने समरपाल सिंह के साथ कांठ रोड पर दावत रखी थी। जिसमें करीब 200 से 250 लोगों को बुलाया गया था। इस पार्टी में शामिल होने के लिए किसान अभिषेक उर्फ भूरे भी आए थे। उनके गांव के ही अनुज भी साथियों के साथ वहां पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि अभिषेक में अनुज की करीब 9 साल पुरानी रंजिश चल रही थी। जिसको लेकर अभिषेक ने अनुज पर तंज करते हुए कहा कि वह पहले भी कुछ नहीं बिगाड़ सके तो अब क्या बिगाड़ पाएंगे। इसके बाद अनुज ने हरविंदर व मनोज के साथ योजना बनाकर अभिषेक की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज किया था। बाद में पुलिस ने अनुज व हरविंदर को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा कर दिया। उन दोनों को जेल भेज दिया। परिजनों ने डीआईजी से गुहार लगाई थी। एसपी ने बताया कि हत्याकांड में फरार मनोज पुत्र नेपाल में गुड्डू पुत्र धर्मपाल की गिरफ्तारी को लेकर उन पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी करने या करने में सहयोग देने वाले या सटीक सूचना देने वालों को 25-25 हजार रुपये की धनराशि दी जाएगी।

अमृत विचार

मुरादाबाद, शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बाइकों को लात मारकर गिराने वाला दरोगा लाइन हाजिर

बरेली, अमृत विचार : भमोरा थाना क्षेत्र के बल्लिया देवचरा चौराहे पर भाईदूज के चलते मिठाई की दुकानों पर भाइयों का तिलक करने जा रही बहनें और बाइक सवार बाइकें खड़ी कर मिठाई खरीद रहे थे। इसी बीच हल्का इंचार्ज नरेंद्र राघव वहां पहुंच गए। उन्होंने वहां खड़ी बाइकों को लात मार कर जमीन पर गिराते हुए लोगों के साथ बदसलूकी की। इसका किसी ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए एसएसपी ने सीओ आंवला नितिन कुमार को जांच करने के निर्देश दिए। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि सीओ आंवला नितिन कुमार की जांच रिपोर्ट के बाद दरोगा को लाइन हाजिर कर दिया गया। इस तरह का व्यवहार करने वाले किसी भी पुलिसकर्मी को बख्शा नहीं जाएगा।

बंद बाइक को स्टार्ट करने के लिए सेल्फ लगाते ही बाइक में लगी आग

पंप पर पेट्रोल डलवाने के बाद जल गई बाइक

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार : संभल के हयातनगर में पेट्रोल पंप पर तेल डलवाने के बाद बाइक में अचानक आग लग गई। इससे पहले कि बाइक सवार कुछ समझ पाता बाइक से आग की लपटें निकलने लगीं। बाइक सवार ने किसी तरह खुद को बचाया। वहीं बाइक जली तो पेट्रोल पंप पर मौजूद लोगों सहित राहगीरों में हड़कंप मच गया। जलती बाइक में धमाका होने की आशंका के चलते लोग दूर खड़े रहे।

थाना हयातनगर क्षेत्र के सरायतरीन अन्तर्गत मोहल्ला शाहजीपुरा निवासी शुभम अपनी पैशन प्रो बाइक में तेल बनाने के लिए बहजोई रोड स्थित पेट्रोल पंप पर गया था। बाइक में तेल डलवाने के बाद जैसे ही शुभम ने बाइक स्टार्ट की तो 10 कदम चलते ही बाइक अचानक बंद हो गई। शुभम ने बाइक को स्टार्ट करने के लिए सेल्फ लगाया तो बाइक की वायरिंग से अचानक धुआं निकलने लगा। शुभम कुछ समझ पाता इससे पहले ही बाइक में आग लग गई।

संभल के हयातनगर पेट्रोल पंप पर धू धूकर जलती बाइक। ● अमृत विचार

शुभम ने किसी तरह खुद को बचाया और बाइक में लगी आग बुझाने के लिए बाल्टी में पानी भरकर लाने के लिए दौड़ पड़ा। जब तक शुभम बाल्टी लेकर आया तब तक बाइक से इतनी तेज आग की लपटें निकलने लगी कि शुभम पास जाने की हिम्मत भी नहीं जुटा पाया। पेट्रोल पंप तक आग फैल जाने की आशंका से वहां हड़कंप मच गया। पेट्रोल पंप कर्मचारी सतर्क होकर दूर खड़े हो गये। वहीं हादसा देख राहगीर भी रुक गये। कुछ ही देर में बाइक जलकर खाक हो गई। सूचना के बाद पास ही थाना हयातनगर से पुलिस मौके पर पहुंच गई थी, लेकिन तब तक बाइक जल चुकी थी।

पशुशाला में लगी आग से चार दुधारू पशुओं की मौत

कार्यालय संवाददाता, संभल

● तहसीलदार और लेखपाल ने घटनास्थल का किया निरीक्षण

अमृत विचार : जनपद संभल के थाना धनारी क्षेत्र के गांव सुनवर सराय में गुरुवार को पशुशाला में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते पूरी पशुशाला जलकर राख हो गई और अंदर बंधी चार दुधारु भैंसों की जलकर मौत हो गई। घटना से गांव में हड़कंप मच गया, वहीं किसान और उसके परिवार का बुरा हाल है।

गांव सुनवर सराय निवासी रजनेश यादव गुरुवार को अपने परिवार के साथ खेत पर काम करने गया हुआ था। इसी दौरान उसकी पशुशाला में अचानक आग लग गई। खेत पर मौजूद बच्चों ने रजनेश को घटना की जानकारी दी। जब तक किसान मौके पर पहुंचा, तब तक आग फैल चुकी थी और पूरी पशुशाला आग की लपटों में घिर चुकी थी। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर पानी डालकर आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी भयंकर थी कि उसे बुझाने में करीब एक घंटे से अधिक का समय लग गया। इस दौरान पशुशाला में बंधी चार दुधारु भैंस जिंदा जल गईं। किसान रजनेश यादव ने बताया कि उसकी भैंसों की कुल कीमत करीब साढ़े तीन लाख रुपये थी और दूध की बिक्री से ही परिवार का खर्च चलता था। अब उसकी रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है। सूचना मिलने पर तहसीलदार और लेखपाल मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट तैयार कर वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी जाएगी। किसान रजनेश ने बताया कि वह और परिवार के अन्य लोग खेत पर थे, तभी बच्चों ने आकर बताया कि आग लग गई है। जब तक हम पहुंचे, पूरी पशुशाला जल चुकी थी। चारों भैंस मर गईं और घर का सामान भी जल गया।

शकूर ने अनुज चौधरी को फोन कर कहा जेल भिजवाऊंगा

संभल, अमृत विचार : तत्कालीन सीओ और वर्तमान में एएसपी फिरोजाबाद के पद पर तैनात अनुज चौधरी को मुरादाबाद के रहने वाले यूट्यूबर मशकूर रजा दादा ने फोन कर जेल भिजवाने की धमकी दी है।

मुरादाबाद के थाना मैनाठेर क्षेत्र के ताहरपुर के रहने वाले मशकूर रजा दादा को संभल कोतवाली पुलिस ने 23 दिसंबर 2024 को शांतिभंग की आशंका में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी से पहले मशकूर राजा का अनुज चौधरी से 24 नवंबर की हिंसा को लेकर बातचीत का वीडियो वायरल हुआ था। गिरफ्तारी के बाद मशकूर रजा का वीडियो भी वायरल हुआ था जिसमें वह फोन पर अनुज चौधरी से कही गई बातों के लिए माफी मांगता दिख रहा था। अपर पुलिस अधीक्षक पद पर पदोन्नति के बाद अनुज चौधरी फिरोजाबाद जनपद में तैनात हुए तो मशकूर रजा दादा ने अनुज चौधरी को एक बार फिर फोन लगा दिया। कहा कि इतना मारा कि हाथ पैर खराब कर दिए, गोली ही मार देते जान से मार देते खाने कमाने से घर बैठा हुआ हूं। कहा कि मैंने केस फाइल कर दिया है। जेल भिजवाऊंगा छोडूंगा नहीं। मशकूर रजा नाम है, इंसाफ होगा। इस बातचीत को लेकर अनुज चौधरी का पक्ष अभी सामने नहीं आया है।

बहनों ने भाइयों का तिलक कर की लंबी आयु की कामना

भाइयों को गोला देकर मिठाई खिलाई, भाइयों ने दिए नकद रुपये और उपहार, मिठाई की दुकानों पर दिनभर रही भीड़

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार : भाई दूज का पर्व जनपद में उल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र की प्रार्थना की। बहनों ने भाइयों को गोले भेंट किये तो भाइयों ने बहनों को उपहार दिये। सुबह से शाम तक शहर से गांव तक भैया दूज का उल्लास नजर आया।

भाई दूज पर भाई को तिलक करने के लिए बहनें बुधवार की रात को ही अपने मायके पहुंच गई थीं जबकि बड़ी संख्या में गुरुवार सुबह को बहनें सफर कर भाई के घर पहुंचीं। बहनों ने परंपरागत तरीके से पूजा की थाली सजाकर भाई की आरती उतारकर उसकी लंबी उम्र की कामना की। भाइयों को गोले भेंट कर उनके माथे पर तिलक लगाया और मिठाई खिलाकर उनका मुंह मीठा कराया। सुबह से शाम तक भैया दूज मनाने का सिलसिला चलता रहा। त्योहार के मौके पर घरों पर पकवान बनाए। भाइयों ने बहनों को उपहार व नकदी देकर उनका सम्मान किया। भाई दूज पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस सुबह से ही सक्रिय रही। प्रमुख मार्गों पर पुलिस भ्रमण करती रही।

संभल में भाई का तिलक कर गोला भेंट करती बहन।

भाइयों का तिलक कर पूजन करती बहनें। ● अमृत विचार

गुलाब देवी ने मोहम्मद फिरोज खान का किया तिलक

संभल, अमृत विचार : भैया दूज के पावन पर्व पर उत्तर प्रदेश सरकार की माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने मुस्लिम भाई मदरसा मौलाना मोहम्मद अली जौहर के प्रबंधक मोहम्मद फिरोज खान हिन्दुस्तानी को तिलक कर भैया दूज का पर्व मनाया। फिरोज खान जहां मंत्री गुलाब देवी को अपनी मुंह बोली बहन मानते हैं वहीं गुलाब देवी भी फिरोज खान के साथ बहन का रिश्ता निभाती हैं। फिरोज खान गुलाब देवी से रक्षा बंधन पर राखी बंधवाते हैं और भैया दूज तिलक कराते हैं। गुरुवार को भैया दूज पर फिरोज खान चंदौसी में मंत्री गुलाब देवी के घर पहुंचे तो उन्होंने भैया दूज मनाते हुए फिरोज खान का तिलक किया। फिरोज खान ने मुंहबोली बहन गुलाब देवी को उपहार दिये। मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि भैया दूज भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का प्रतीक पर्व है। यह त्यौहार केवल रक्त संबंधों तक सीमित नहीं, बल्कि नए रिश्ते जोड़ने और आपसी सौहार्द बढ़ाने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमारे देश की सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। बहनें अपने भाइयों के उज्जवल भविष्य, सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना करती हैं।

मोहम्मद फिरोज खान का तिलक करतीं गुलाब देवी। ● अमृत विचार

दीपावली की बची मिठाई बेची

संभल, अमृत विचार : भाई दूज पर गुरुवार को मिठाई की दुकानों पर भीड़ के हालात रहे। शहर की नामचीन दुकानों के साथ ही गांव, कस्बों में सड़क किनारे लगाई गई दुकानों पर भी मिठाई की जमकर बिक्री हुई। मिलावटी व खराब गुणवत्ता वाली मिठाई भी खूब बेची गई। दुकानदारों ने दिवाली पर बनाई मिठाई के बचे स्टाक को भैया दूज पर निल कर लिया। इस साल गोले के मंहगे दामों ने टेंशन दी, लेकिन बहनों ने भाई के लिए जमकर गोलों की खरीदारी कर पूजन किया।

तिलक कर लिया सुरक्षा का वचन

बहजोई, अमृत विचार : नगर तथा ग्रामीण अंचल में भाई दूज उत्साह के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों के घर पहुंच कर भैया दूज पर तिलक लगाकर सुरक्षा का वचन लिया। तो वहीं भाइयों ने बहनों को उपहार देकर सुरक्षा का वचन दिया। भाई दूज को लेकर सुबह से ही बहनों का भाइयों के घर पहुंचना प्रारंभ हो गया था। बहनों की भीड़ इतनी उमड़ी की रोडवेज बस और ट्रेन में जगह कम पड़ गई। रोडवेज तथा रेलवे ट्रेनों में पैर रखने तक की जगह नहीं थी तो बहनों ने डग्गामार वाहनों का सहारा लिया। बहनों ने भाइयों को तिलक लगाकर अपनी सुरक्षा का वचन लिया। तो वहीं भाइयों ने भी बढ़ चढ़कर बहनों को उपहार दिए और सुरक्षा का वचन दिया। उधर ग्रामीण अंचलों में भी भाई दूज का त्योहार परंपरागत तरीके से मनाया गया।

बहजोई में पूजन कर भाई का तिलक करती बहन। ● अमृत विचार

जमीन के बंटवारे के विवाद में तीन भाइयों में मारपीट

संभल, अमृत विचार : थाना रायसत्ती क्षेत्र के गांव नाहरठेर में पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। घर और जमीन के बंटवारे को लेकर तीन सगे भाइयों के बीच चल रहा झगड़ा गुरुवार को गंभीर हो गया। दो भाइयों ने तीसरे भाई पर लाठी-डंडों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

नाहरठेर निवासी रफीक का अपने भाइयों दिलशाद और तहजीब से लंबे समय से संपत्ति के बंटवारे को लेकर विवाद है। कई बार दोनों पक्षों में कहासुनी और झगड़ा हो चुका है, जिसे गांव के बुजुर्गों और पंचायत ने समझौते के जरिए शांत कराया था। गुरुवार दोपहर रफीक आलू की बोरियां लेकर घर लौट रहा था, तभी रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे दिलशाद और तहजीब ने उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में रफीक गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। उसकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन आरोपी दोनों भाई भागने में कामयाब रहे। घायल रफीक किसी तरह थाने पहुंचा और अपने दोनों भाइयों के खिलाफ लिखित तहरीर दी। पुलिस ने घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है।

दुकानदार के साथ की मारपीट, दुकान में तोड़फोड़

संवाददाता, बहजोई

अमृत विचार : बहजोई के गांव खजरा खाकम में परचून के दुकानदार के साथ जमकर मारपीट की गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। दुकानदार की दुकान का लैपटॉप तथा अन्य सामान भी टूट गया। दुकानदार ने आरोपी के खिलाफ कोतवाली में मामला दर्ज कराया है।

बहजोई के गांव निवासी देवेंद्र कुमार की अपने मकान में परचून की दुकान हैं। बुधवार रात गांव का ही विकास यादव किसी सामान को लेकर विवाद करने लगा और देखते ही देखते उसने देवेंद्र के साथ जमकर मारपीट प्रारंभ कर दी। जब दुकानदार की पत्नी बीच-बचाव करने पहुंची तो उसके साथ भी हाथापाई की गई। विकास यादव ने न केवल दुकान में तोड़फोड़ की बल्कि वहां रखे मोबाइल और लैपटॉप को भी तोड़ दिया। घटना दुकान में लगे और बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में स्पष्ट रूप से कैद हो गई है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि आरोपी ने दुकानदार को दुकान से बाहर घसीटकर सड़क पर फेंक दिया और वहां भी पिटाई की। दुकानदार की पत्नी ने किसी तरह बीच-बचाव कर पति को बचाया। घटना के बाद पीड़ित इसकी तहरीर कोतवाली में दी कोतवाल संत कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया गया है जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भाई के घर जाने को उमड़ी बहनों की भीड़, बसें और ट्रेनें रहीं फुल

कार्यालय संवाददाता, संभल/चंदौसी

अमृत विचार : भाई दूज के लिए बहनें भाइयों के घर जाने के लिए निकलीं तो रोडवेज बस अड्डे से लेकर रेलवे स्टेशन तक हर जगह भीड़ के हालात नजर आये। बसों व ट्रेनों में सीट के लिए मारामारी के हालात बने रहे। संभल में बसों के फेरे बढ़ाने के बाद भी रोडवेज बसों में सीट के लिए बहनों को भारी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं, दिल्ली जाने वाले यात्रियों को घंटों खड़े रहकर बस का इंतजार करना पड़ा।

संभल के रोडवेज बस अड्डे पर गुरुवार को सुबह से ही भीड़ का माहौल नजर आने लगा था। दिन निकलते ही बहनों ने भाइयों के घर जाने के लिए रोडवेज बस अड्डे का रुख किया तो कुछ ही देर में वहां न सिर्फ भीड़ नजर आने लगी बल्कि रोडवेज बस के आते ही सीट फुल हो जाने के हालात बनने शुरु हो गये। रोडवेज बस अड्डे से केवल मुरादाबाद जाने के लिए बसें उपलब्ध हो रही थीं। जैसे ही बस आकर रुकती थी वैसे ही बस में सवार होने के लिए महिलाएं व अन्य यात्री दौड़ पड़ते थे। कुछ ही मिनट में बस की सीटें फुल हो जाती थीं।

वहीं, दिल्ली की तरफ जाने वाले यात्री चौधरी सराय चौराहा पर खड़े होकर बसों का इंतजार करते दिखे। यहां घंटों खड़े रहने के बाद कोई बस आती थी तो उसमें सवार होने के लिए धक्का मुक्की के हालात बन जाते थे। रोडवेज बसों की कमी का फायदा उठाकर डग्गामार वाहन चालक यहां दिन भर मनमानी करते रहे। सुबह से रात तक रोडवेज बस अड्डा व चौधरी सराय चौराहा पर यात्रियों की भीड़ के हालात बने रहे।

चंदौसी में रोडवेज बस अड्डे पर बस में सवार होने के लिए जुटी भीड़। ● अमृत विचार

बच्ची को खिड़की से चढ़ाता पिता।

चंदौसी में रेल से लेकर बस तक हर जगह भीड़

चंदौसी, अमृत विचार : भाई दूज पर भाई-बहनों की भीड़ ने रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर यातायात व्यवस्था को चरमरा कर रख दिया। गुरुवार को सुबह से ही यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ी रही। बसों और ट्रेनों में सीटों के लिए मारामारी के हालात बन गए। कई यात्रियों को घंटों बसों के इंतजार में खड़ा रहना पड़ा, जबकि कुछ ने मजबूर होकर डग्गामार वाहनों का सहारा लिया। भाईदूज पर भाई-बहनों के मिलने का सिलसिला दिनभर जारी रहा। नगर के रेलवे स्टेशन और रोडवेज बस स्टैंड पर लोगों की आवाजाही से माहौल पूरी तरह भीड़ भाड़ वाला रहा। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए परिवहन विभाग ने अतिरिक्त फेरे भी शुरू किए, लेकिन भीड़ इतनी अधिक थी कि हर बस और ट्रेन खचाखच भर गई। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं, बस स्टैंड पर लोग बसों के इंतजार में लंबे समय तक खड़े नजर आए। गुरुवार को निजी बसों में भी भारी भीड़ देखने को मिली। शहर के प्रमुख चौराहों पर यात्रियों का जमावड़ा लगा रहा। सामान और उपहारों से लदे लोग किसी न किसी सवारी के इंतजार में इधर-उधर दौड़ते दिखे। इस बीच निजी वाहन चालकों ने भीड़ का फायदा उठाकर मनमाना किराया वसूला।

चंदौसी रेलवे स्टेशन पर सामान की जांच करती जीआरपी व आरपीएफ की टीम।

तैयारी | वंश गोपाल तीर्थ पर होगी श्रद्धालुओं के विश्राम की व्यवस्था

कल शुरू होगी 24 कोसीय परिक्रमा यात्रा

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार : 24 कोसीय परिक्रमा यात्रा से पहले श्रद्धालुओं के रात्रि विश्राम की व्यवस्था वंशगोपाल तीर्थ पर रहेगी। यहां भजन कीर्तन भी होगा। परिक्रमा समिति की बैठक में व्यवस्थाओं को लेकर मंथन किया गया।

प्राचीन श्री वंश गोपाल तीर्थ पर स्वामी भगवत प्रिय के सानिध्य में परिक्रमा समिति के अध्यक्ष हृदेश यादव की अध्यक्षता में संपन्न बैठक में बोलते हुए परिक्रमा के प्रभारी राजेश सिंघल ने कहा कि शुक्रवार रात्रि को परिक्रमा के लिए आए श्रद्धालुओं की व्यवस्था के लिए रात्रि में भजन कीर्तन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था श्री वंश गोपाल तीर्थ पर रहेगी। 25 तारीख के प्रातः काल में श्री वंश गोपाल तीर्थ से परिक्रमा प्रारंभ होगी। परिक्रमा वंश गोपाल तीर्थ से प्रारंभ होकर श्री भुवनेश्वर तीर्थ, क्षेमनाथ तीर्थ से भवानीपुर शिव मंदिर होते हुए रात्रि विश्राम चंद्रेश्वर महादेव मंदिर चंद्रयान पर होगा। रविवार प्रातः काल वहां से परिक्रमा पुनः प्रारंभ होकर अपने गंतव्य के लिए धर्म कूप का मंदिर हयात नगर होते हुए पुनः वंश गोपाल पर आकर संपन्न होगी। समिति के संरक्षक छत्रपाल ने सभी परिक्रमा से संबंधित व्यवस्थाओं के विषय में चर्चा कर जिम्मेदारी सौंपी। समिति के संरक्षक कमलकांत तिवारी ने परिक्रमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह अति प्राचीन और पौराणिक परिक्रमा है। इसे करने वाले व्यक्ति को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। कमल कांत तिवारी अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वह परिक्रमा में शामिल हों। बैठक में मुख्य रूप से कशिश कौशल, गोपाल शर्मा, सुशील शर्मा सुमित सर्राफ, पुष्प लता पाल, मनोज राणा, मुकेश गोयल, जबर सिंह विजयपाल, छोटू यादव, सुरेंद्र यादव रहे। बैठक का संचालन गणेश शर्मा द्वारा किया गया।

संभल के वंश गोपाल तीर्थ पर परिक्रमा समिति की बैठक में बोलते वक्ता।

सुबह से शाम तक लगा रहा जाम

संभल, अमृत विचार : भाई दूज पर बड़ी संख्या में वाहन सड़कों पर आये तो यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई। संभल शहर में ई रिक्शा के बेतरतीब संचालन की वजह से जाम के हालात बने रहे। पुलिस जाम खुलवाने को जूझती रही लेकिन बार-बार जाम लगता रहा।

भाई दूज पर बहनों के आवागमन के चलते सड़कों पर कारों व बाइकों की भीड़ सुबह से ही नजर आने लगी। शहर की सीमा से बाहर वाहन आसानी से आ जा रहे थे लेकिन शहर की सीमा में प्रवेश के बाद जाम के हालात बन रहे थे। संभल शहर में बाइकों व कारों की सड़कों पर बड़ी संख्या के साथ ही जब बेतरतीब ढंग से ई रिक्शा सड़कों पर दौड़े तो यातायात व्यवस्था बेपटरी हो गई। सबसे खराब हालात चंदौसी चौराहा पर हुए। यहां सुबह से शाम तक बार-बार जाम लगता रहा। चौधरी सराय चौराहा भी जाम की चपेट में रहा। बबराला में इंदिरा चौक व गुन्नौर में नेहरू चौक पर जाम के हालात बने।

सीता स्वयंवर का भावपूर्ण किया मंचन

संवाददाता, गुन्नौर

अमृत विचार : विकास खंड क्षेत्र के गांव सिरोरा काजी शिव मंदिर में चल रही रामलीला में गुरुवार को सीता स्वयंवर का मंचन बड़ी ही भव्यता और धार्मिक उत्साह के साथ किया गया। लीला में भगवान श्रीराम द्वारा शिव धनुष तोड़ने और माता सीता से विवाह का प्रसंग दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना।

रामलीला की शुरुआत पुष्प वाटिका के सुंदर दृश्य से हुई, जहां माता सीता पहली बार भगवान राम को देखती हैं। इसके बाद जनकपुरी में स्वयंवर का दृश्य प्रस्तुत किया गया, जिसमें देश-विदेश के कई राजा शिव धनुष उठाने की कोशिश करते हैं लेकिन असफल रहते हैं। अंततः ऋषि विश्वामित्र की आज्ञा से भगवान श्रीराम धनुष तोड़ते हैं और जनकनंदिनी सीता उन्हें वरमाला पहनाती हैं। धनुष टूटने की गूंज से क्रोधित होकर परशुराम का मंच पर आगमन हुआ, जिन्होंने राम और लक्ष्मण से संवाद किया। भगवान श्रीराम के शांत और विनम्र वचनों से प्रभावित होकर परशुराम उनके सामने नतमस्तक हो जाते हैं और उन्हें आशीर्वाद देकर विदा लेते हैं। रामलीला कमेटी के सदस्य त्रिवण शर्मा, जुगेन्द्र सिंह, चरण सिंह, राजीव शर्मा, उदयवीर सिंह, विद्याराम, विजय प्रताप, कुमार पाल, नाथ मास्टर, नेमपाल, संतोष यादव, संजू शर्मा आदि मौजूद रहे।

गुन्नौर के गांव में रामलीला मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

दो आईएएस अधिकारियों के प्रभार में बदलाव

अमृत विचार, लखनऊ : शासन ने दो वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को लेकर आदेश जारी किया है। गुरुवार को जारी आदेश में प्रतीक्षारत अर्चना अग्रवाल को अपर मुख्य सचिव, परिवहन विभाग एवं अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम का प्रभार सौंपा गया है। वहीं, अमित गुप्ता को प्रमुख सचिव, परिवहन विभाग एवं अध्यक्ष, उप्र. राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रभार से अवमुक्त करते हुए प्रमुख सचिव, स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग के पद पर यथावत रखा गया है।

टीईटी का विरोध करने दिल्ली जाएंगे शिक्षक

अमृत विचार, लखनऊ : शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य किए जाने का विरोध शिक्षक दिल्ली में करेंगे। इसके लिए शिक्षक संगठनों ने 24 नवंबर को दिल्ली कूच का ऐलान किया है। इस विरोध को प्रभावी बनाने और ज्यादा से ज्यादा शिक्षक दिल्ली पहुंचे, इसके लिए 25 अक्टूबर से देश भर में शिक्षकों की बैठकें आयोजित की जाएंगी। अखिल भारतीय शिक्षक संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय सह संयोजक अनिल यादव ने बताया कि शिक्षकों का धरना-प्रदर्शन दिल्ली के जंतर-मंतर पर होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य किए जाने के आदेश के खिलाफ शिक्षकों को आंदोलन करना पड़ रहा है।

आयुष डॉक्टरों की भर्ती के साक्षात्कार 30 से

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी के सरकारी अस्पतालों में आयुर्वेद डॉक्टरों की तैनाती के लिए 30 अक्टूबर से साक्षात्कार शुरू होंगे, पांच दिन तक चलेंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी लखनऊ डॉ .एनबी सिंह ने बताया कि डॉक्टरों की नियुक्ति इंटरव्यू और मेरिट के आधार पर किया जाएगा, नवंबर में परिणाम घोषित कर डॉक्टरों की तैनाती होगी। उन्होंने बताया कि नेशनल हेल्थ मिशन अंतर्गत 21 आयुर्वेद डॉक्टरों की भर्ती होनी है, इन पदों के लिए लगभग 2200 डॉक्टरों ने आवेदन किया था।

बिजली कर्मचारी फिर करेंगे प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने शुक्रवार को सभी जिलों में फिर से विरोध प्रदर्शन शुरू करने की चेतावनी दी है। निजीकरण के साथ ही वर्टिकल सिस्टम का भी विरोध करने का निर्णय संघर्ष समिति ने लिया है। इसे भी स्वीकार नहीं किया जाएगा। संघर्ष समिति का आरोप है कि वर्टिकल सिस्टम के नाम पर शहरी क्षेत्रों में पुनर्गठन किया जा रहा है। इससे कर्मचारियों और इंजीनियरों के पदों को घटाया जा रहा है। पहले पदों को घटाया जाएगा। इसके बाद शहरी क्षेत्र को निजी कंपनियों के हवाले कर दिया जाएगा।

पहला अर्घ्य देकर छठ की शुरुआत करेंगे योगी

मुख्यमंत्री से मिले भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष, 27-28 को छठ महापर्व अवकाश घोषित करने की मांग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

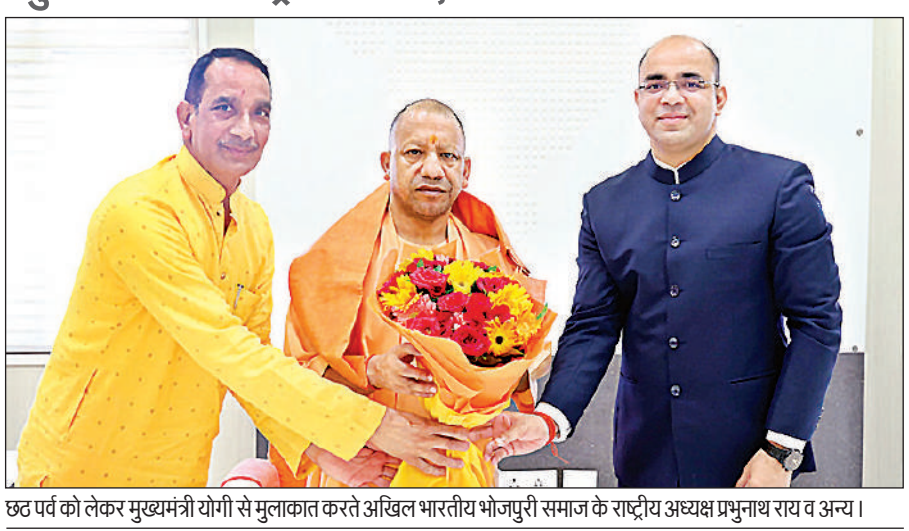

छठ पर्व को लेकर मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात करते अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभुनाथ राय व अन्य।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 27 अक्टूबर की शाम 4 बजे सूर्य भगवान को पहला अर्घ्य देकर घाट पर छठ कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे। अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभुनाथ राय ने गुरुवार को मुख्यमंत्री से भेंट कर तैयारी पर चर्चा की। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि 27 और 28 अक्टूबर को पूरे प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए, ताकि श्रद्धालु निर्बाध रूप से छठ मैया की पूजा-अर्चना कर सकें। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कहा कि प्रदेश में छठ पर्व के सुचारु आयोजन के लिए सभी जिलों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

प्रभुनाथ राय के नेतृत्व में इस वर्ष लखनऊ के गोमती तट स्थित लक्ष्मण मेला मैदान पर 41वां छठ महापर्व भव्य रूप से आयोजित किया जा रहा है। आयोजन स्थल पर घाटों की सफाई, रंगाई-पुताई और मधुबनी पेंटिंग से साज-सज्जा की जा रही है। 25 अक्टूबर को 'नहाय-खाय', 26 अक्टूबर को 'खरना', 27 अक्टूबर को संध्या अर्घ्य और 28 अक्टूबर की सुबह अर्घ्य के साथ महापर्व का समापन होगा। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी समेत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, ऊर्जा मंत्री एके शर्मा, राज्यसभा सांसद अमरपाल मौर्य, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल और कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

200 लोक कलाकार देंगे प्रस्तुतियां

छठ महापर्व पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जिनमें सुप्रसिद्ध लोक गायिका कल्पना पटवारी (असम), गोपाल राय (बलिया) और सुरेश शुक्ला (मुंबई) सहित लगभग 200 लोक कलाकार लगातार 18 घंटे तक प्रस्तुति देंगे। छठ घाट की व्यवस्था और सजावट में समाज के पदाधिकारी मनोज सिंह, वेद प्रकाश राय, सुनील सिंह, सुरेश कुशवाहा, अम्बरीश राय और अन्य सहयोगी सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। भोजपुरी समाज ने आशा व्यक्त की है कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में इस वर्ष का छठ महापर्व लखनऊ ही नहीं, पूरे प्रदेश में श्रद्धा, आस्था और लोकसंस्कृति का अद्भुत संगम बनेगा।

अखिलेश-मायावती करेंगे बिहार में चुनाव प्रचार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बिहार चुनाव के मद्देनजर उत्तर प्रदेश से समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और बसपा नेत्री मायावती भी प्रचार के घमासान में उतरने को तैयार हैं। ऐसे में उप्र. के दोनों नेताओं की रैलियों से बिहार का राजनीतिक पारा बढ़ सकता है। यूपी चुनाव से पहले भाजपा के मुकाबले मायावती-अखिलेश की बिहार चुनाव में अग्निपरीक्षा है।

दरअसल, यह पहले से तय था कि दिवाली बाद सपा मुखिया अखिलेश यादव और बसपा सुप्रीमो मायावती भी बिहार में चुनाव प्रचार कर सकते हैं। सूत्रों की मानें तो 25 अक्टूबर से अखिलेश यादव मिशन बिहार पर होंगे। इसके बाद मायावती 6 नवंबर से बिहार चुनाव में अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करने जा रही हैं। दोनों की एंट्री के बाद बिहार का सियासी पारा चढ़ सकता है। सपा मुखिया पीडीए नारे के साथ बिहार में उतरेंगे और तेजस्वी यादव के समर्थन में रैलियों को संबोधित करेंगे।

वहीं, मायावती वहां रामगढ़ और कैमूर सीट के प्रत्याशियों के समर्थन में वोट देने की अपील करेंगी। असल में, बीते दिनों राजधानी में आयोजित रैली में लाखों की भीड़ जुटने के बाद बिहार चुनाव में मायावती की रैलियों की डिमांड की जा रही है। सूत्रों का कहना है पार्टी द्वारा बिहार चुनाव के लिए मायावती की करीब दो दर्जन रैलियों को आयोजित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

फिलहाल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रैली से बिहार चुनाव का घमासान और सुर्खियों में है। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी जनसभाओं के जरिये जनता से वोट मांगने की धार और पैनी कर दी है। मुख्यमंत्री योगी अपनी जनसभाओं में एनडीए उम्मीदवार को जिताने की अपील करते हुए विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साध रहे हैं। इस पूरे चुनाव के दौरान योगी 15 से 20 रैली कर सकते हैं।

प्रत्याशियों के प्रचार में जुटे केशव मौर्य

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भाजपा ने बिहार में सह प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी है। केशव भी निरंतर वहां अलग-अलग चुनाव क्षेत्रों में पार्टी प्रत्याशियों के प्रचार में जुटे हैं। गुरुवार को भी उन्होंने बिहार पहुंचकर भोजपुर में जनसभा को संबोधित किया। केशव प्रसाद मौर्य ने वहां कहा कि तेजस्वी यादव बिहार की जनता से सिर्फ फर्जी वादे कर रहे हैं। अभी बिहार का बजट उतना नहीं है, लेकिन जितना वादा तेजस्वी यादव कर रहे हैं, उतना भारत सरकार का बजट भी छोटा पड़ जाएगा।

लखनऊ के लक्ष्मण मेला पार्क स्थित छठ पूजा स्थल पर रंगोली बनाते हुए आर्ट कॉलेज के छात्र। अमृत विचार

मंत्री ने परखीं छठ पर्व की तैयारियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने छठ पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हो रही व्यवस्थाओं का जायजा लेने को गुरुवार को लक्ष्मण मेला घाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि घाट पर स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था एवं सुरक्षा की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि छठ महापर्व आस्था और स्वच्छता का प्रतीक है, इसलिए घाटों पर सफाई अभियान विशेष रूप से संचालित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पर्व के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। साथ ही उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि घाट तक जाने वाले सभी मार्गों पर समुचित सफाई, फॉगिंग एवं प्रकाश की व्यवस्था की जाए। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त गौरव कुमार के साथ नगर निगम एवं विद्युत विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

दंपती डॉक्टरों को एक ही अस्पताल में नौकरी करने का मिलेगा मौका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीजेरियन व एनेस्थीसिया स्किल प्रशिक्षण के लिए मांगे गए आवेदन
- स्वास्थ्य विभाग के एमबीबीएस डॉक्टरों को मिलेगी ट्रेनिंग

अमृत विचार : ग्रामीण क्षेत्र हो या अन्यत्र दूरस्थ क्षेत्र, इमरजेंसी में सीजेरियन करने के लिए एमबीबीएस डॉक्टरों को इमरजेंसी ऑब्स्टेट्रिक केयर (ईमॉक) और लाइफ सेविंग एनेस्थीसिया स्किल (एलएसएएस) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जनवरी 2026 में शुरू होने वाले बैच के लिए स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक प्रशिक्षण ने विभाग में कार्यरत नियमित व संविदा चिकित्सकों से आवेदन मांगे हैं। छह माह के प्रशिक्षण उपरांत इन डॉक्टरों की तैनाती फर्स्ट रेफरल यूनिट पर की जाएगी, ताकि जच्चा-बच्चा की जान बचाई जा सके। खास बात है कि इस प्रशिक्षण में दंपती चिकित्सकों को प्राथमिकता दी जाएगी और उन्हें एक ही अस्पताल में तैनात भी किया जा सकता है।

महानिदेशक प्रशिक्षण डॉ.पवन गंगवार अरूण ने बताया कि ईमॉक व एलएसएएस में 24-24 पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इस प्रशिक्षण योजना की सफलता के लिए प्रांतीय चिकित्सा सेवा में कार्य करने वाले पति-पत्नी डॉक्टर को प्राथमिकता दी गयी है, इसमें दोनों जोड़ी बनाकर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के लिए सीएमओ के माध्यम से नाम भेजे जाएंगे। प्रशिक्षण के बाद असक्रिय एफआयू को क्रियाशील करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। यदि प्रशिक्षण के बाद असक्रिय एफआरयू में जोड़ी कार्य नहीं करेगी तो उनसे प्रशिक्षण पर खर्च धनराशि आठ लाख रुपये की वेतन से वसूली की जाएगी।

शमसुद्दीन राईन बसपा से निष्कासित

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा ने अपने वरिष्ठ पदाधिकारी, लखनऊ व कानपुर मंडल के प्रभारी शमसुद्दीन राईन को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है और उन पर गुटबाजी फैलाने और अनुशासनहीनता के आरोप लगाए हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने बुधवार को जारी आदेश में स्पष्ट किया है कि शमसुद्दीन राईन पार्टी में गुटबाजी और अनुशासनहीनता कर रहे थे। इस संबंध में उन्हें चेतावनी भी दी गई, लेकिन उन्होंने कार्यशैली में सुधार नहीं किया। ऐसे में उन्हें पार्टी प्रमुख मायावती को विश्वास में लेकर बसपा से निष्कासित कर दिया गया है।

किसानों के घर तक पहुंचेगी खाद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गैस सिलेंडर की तरह होगी खाद की होम डिलीवरी व्यवस्था

अमृत विचार : खरीफ सीजन में खाद वितरण को लेकर उपजे विवादों के बाद अब सहकारिता विभाग किसानों की सुविधा बढ़ाने के लिए नई व्यवस्था लागू करने की तैयारी में है। विभाग रासायनिक खाद की होम डिलीवरी योजना पर काम कर रहा है। जिस तरह घरेलू गैस सिलिंडर की बुकिंग और आपूर्ति की प्रक्रिया होती है, उसी तर्ज पर किसान अब ऑनलाइन बुकिंग कर सकेंगे और समितियों की ओर से खाद सीधे उनके घर तक पहुंचाई जाएगी।

सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने बताया कि विभाग खाद वितरण प्रणाली को सरल और सुविधाजनक बनाने की दिशा में काम कर रहा है। होम डिलीवरी व्यवस्था के साथ-साथ वितरण केंद्रों पर भीड़ कम करने के लिए तकनीकी सुधार किए जा रहे हैं। रबी सीजन में किसानों को कतारों से राहत दिलाने के लिए समितियों पर एक के बजाय दो प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनें लगाने का निर्णय लिया गया है। जहां दूसरी मशीन उपलब्ध नहीं होगी, वहां भारत सरकार की मंत्रा डिवाइस का उपयोग किया जाएगा। इससे वितरण की गति तेज होगी। साथ ही, कंप्यूटराइज्ड समितियों पर क्यूआर कोड से आनलाइन भुगतान की सुविधा भी शुरू की जा रही है। बुजुर्ग, दिव्यांग और महिलाओं के लिए अलग-अलग लाइनें लगाने के भी निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग का कहना है कि होम डिलीवरी शुल्क और लॉजिस्टिक व्यवस्था पर विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है, ताकि किसानों को समय पर और पारदर्शी ढंग से खाद मिल सके।

शासन के निर्देश

- सभी सहकारी समितियों पर दो पीओएस मशीनें अनिवार्य रूप से लगाई जाएं।
- मंत्रा डिवाइस से कंप्यूटर जोड़कर वितरण प्रक्रिया तेज की जाए।
- समितियों पर क्यूआर कोड से भुगतान की सुविधा शुरू करें।
- बुजुर्ग, दिव्यांग और महिला किसानों के लिए हों अलग लाइनें।

पूर्वांचल में धान की खरीद 1 नवंबर से

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पश्चिमी यूपी में 35.63 हजार मीट्रिक टन धान की खरीद
- 1.37 लाख किसानों ने अब तक कराया पंजीकरण

अमृत विचार : पश्चिमी यूपी में 23 दिन में 35.63 हजार मीट्रिक टन धान की सरकारी खरीद हुई है। जबकि पहली सितंबर से शुरू हुए पंजीकरण अभियान में अब तक 1,37,166 किसानों ने अपना पंजीकरण पूरा कर लिया है। सरकार ने इस सत्र में 60 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य तय किया है और खरीद की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। उधर, 1 नवंबर से पूर्वांचल के जिलों में धान खरीद की तैयारी तेज हो गई है।

राज्य सरकार ने किसानों की सुविधा के लिए 4000 क्रय केंद्रों की स्थापना का लक्ष्य रखा था, जिनमें से 3790 केंद्र पहले ही सक्रिय हो चुके हैं। सरकार ने कॉमन धान के लिए 2369 और ग्रेड ए धान के लिए 2389 रुपये प्रति क्विंटल का भाव तय किया है। साथ ही किसानों को भुगतान 48 घंटे के भीतर सीधे उनके आधार-लिंक्ड बैंक खातों में करने के निर्देश दिए गए हैं।

फिलहाल धान खरीद की प्रक्रिया पश्चिमी उप्र. के जिलों में जारी है। मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, आगरा, अलीगढ़, झांसी के साथ हरदोई, लखीमपुर खीरी और सीतापुर जिलों में खरीद शुरू हो चुकी है। खरीद केंद्रों पर प्रतिदिन किसानों की आमद बढ़ रही है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए 1 नवंबर से धान खरीद अभियान शुरू होगा। यह खरीद चित्रकूट, कानपुर, अयोध्या, गोरखपुर, देवीपाटन, बस्ती, आजमगढ़, वाराणसी, मीरजापुर और प्रयागराज संभागों में होगी। साथ ही लखनऊ संभाग के लखनऊ, रायबरेली और उन्नाव जिलों में भी एक नवंबर से खरीद प्रारंभ होगी, जो 28 फरवरी 2026 तक चलेगी। सरकार ने निर्देश दिए हैं कि हर क्रय केंद्र पर किसानों को बारदान, तोल व्यवस्था और भुगतान सुविधा पूरी पारदर्शिता के साथ मिले। क्रय केंद्र सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक खुले रहेंगे और 17 प्रतिशत तक नमी वाले धान की खरीद की जाएगी।

पोस्टरवार के क्रम में लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर लगाया गया होर्डिंग। अमृत विचार

सपा की प्रबल इंजन वाली होर्डिंग बनी चर्चा का विषय

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी (सपा) मुख्यालय के सामने सपा नेता द्वारा लगायी गयी विशेष चित्र वाली होर्डिंग चर्चा का केंद्र बनी हुई है। संतकबीर नगर के सपा नेता जयराम पाण्डेय द्वारा लगवायी गयी इस होर्डिंग में ट्रेन का इंजन दिखाया गया है, जिस पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव की फोटो है और लिखा है, फिर से चलेगी समृद्धि की बयार, जब 2027 में आएगी प्रबल इंजन सरकार...।

होर्डिंग को लेकर तरह तरह की चर्चाएं हैं, सपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि गुरुवार सुबह लगायी गयी यह होर्डिंग प्रदेश में भाजपा की "डबल इंजन सरकार" के जवाब में है। सपा सरकार ही प्रदेश में विकास, रोजगार और सामाजिक न्याय की असली गारंटी है। पार्टी नेताओं का दावा है कि यह अभियान आने वाले 2027 विधानसभा चुनाव तक जारी रहेगा।

दलितों पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ रहीं : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कहा- प्रदेश में सामंती ताकतों का बढ़ा हुआ है मनोबल

अमृत विचार: सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में दलितों पर अन्याय और अत्याचार की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। इस सरकार में सामंती ताकतों का मनोबल बढ़ा हुआ है। अपराधियों और सामंतवादियों को भाजपा सरकार का संरक्षण मिला हुआ है। हर स्तर पर भेदभाव हो रहा है। सत्ता समर्थक पीडीए को तरह-तरह से अपमानित कर रहे हैं।

सपा प्रमुख ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि रायबरेली में दलित समाज के नौजवान की पीट-पीट कर हत्या हुई। लखनऊ में काकोरी में दलित समाज के बुजुर्ग के साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया, ये चंद घटनाएं हैं। प्रदेश में हर दिन ऐसी न जाने कितनी घटनाएं हो रही हैं। पुलिस-प्रशासन ऐसी घटनाओं पर मूकदर्शक बना रहता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में दलितों और महिलाओं के साथ अपराध की घटनाएं उप्र. में सबसे ज्यादा हो रही हैं। उन्हें अपमानित किया जाता है। सत्ता के दबाव में पुलिस असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई नहीं करती है।

बढ़ते कदम | मुख्यमंत्री की पहल से करोड़ों के निवेश पाइपलाइन में, जल्द धरातल पर उतरेंगे प्रोजेक्ट

औद्योगिक विकास को नई दिशा दे रही फोकस डेस्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और जीसीसी सेक्टर में खुली विकास की राह

अमृत विचार : प्रदेश अब केवल देश का सबसे बड़ा राज्य नहीं, बल्कि भारत का सबसे तेजी से उभरता निवेश केंद्र बन चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन्वेस्ट यूपी के माध्यम से नवाचारपूर्ण प्रयासों को निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य बना दिया है। इन्हीं प्रयासों की कड़ी में गठित फोकस सेक्टर डेस्क ने निवेश प्रक्रिया को न सिर्फ सरल बनाया, बल्कि औद्योगिक विकास को नई दिशा दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्थापित फोकस सेक्टर डेस्क के जरिये प्रदेश में टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, केमिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर जैसे प्रमुख क्षेत्रों में करोड़ों रुपये के निवेश प्रस्ताव पाइपलाइन में हैं। ये प्रोजेक्ट जल्द ही धरातल पर उतरने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। योगी सरकार की पारदर्शी नीति, तेज मंजूरी प्रक्रिया और निवेशक-हितैषी वातावरण ने उत्तर प्रदेश को औद्योगिक विकास का नया मॉडल बना दिया है।

टेक्सटाइल सेक्टर में आईटीटीए, एईपीसी, सीआईआई, सीआईटीआई और एनआईटीआरए जैसी संस्थाओं के सहयोग से ग्रासिम, ट्राइडेंट, रिलायंस, जीईएसएल और श्याम संस जैसी कंपनियां निवेश कर रही हैं। वहीं, ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सेक्टर में एसआईएएम, एसीएमए, एसएमईवी, और एआरएआई के साथ अशोक लेलैंड, मिंडा और टाटा मोटर्स जैसी कंपनियों के प्रोजेक्ट मंजूरी के दौर में हैं। केमिकल सेक्टर में रिलायंस इंडस्ट्रीज और दीपक नाइट्राइट जैसे बड़े समूह निवेश की तैयारी में हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में डिक्सन, एम्बर, एचसीएल-फॉक्सकॉन, हायर और एलजी जैसी कंपनियों की परियोजनाएं प्रदेश को भारत का अगला टेक्नोलॉजी मैन्युफैक्चरिंग हब बना रही हैं।

नैसकॉम के सहयोग से एडोब, एएमडी और जेपी मॉर्गन जैसी ग्लोबल कंपनियां उत्तर प्रदेश में अपने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स की स्थापना की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। इससे प्रदेश को विश्वस्तरीय साझेदारी और डिजिटल अर्थव्यवस्था में नई पहचान मिल रही है। योगी सरकार के विजन और इन्वेस्ट यूपी की रणनीति ने प्रदेश में औद्योगिक विस्तार और लाखों रोजगार सृजन की संभावनाओं को नया बल दिया है। आने वाले समय में ये निवेश उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भरता और औद्योगिक नेतृत्व की दिशा में और आगे ले जाएंगे।

पानी को यूरिन बताकर चटवाने का मुद्दा गरमाया

संवाददाता, काकोरी/लखनऊ

- सांसद और नेताओं ने पीड़ित से मुलाकात की
- लोजपा आर समेत कई संगठनों ने दिया मदद का आश्वासन
- अस्पताल में भर्ती आरोपी की हालत स्थिर, पुलिस अभिरक्षा में इलाज जारी

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के शीतला माता मंदिर परिसर में पानी को पेशाब (यूरिन) बताकर बुजुर्ग रामपाल से चटवाने के मामले ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। गुरुवार को कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया और लोक जनशक्ति पार्टी (आर) के प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित से मुलाकात की। सांसद ने आरोपी स्वामीकांत उर्फ पम्मू की गिरफ्तारी की मांग की और कहा कि अगर वह बीमार है तो उसका इलाज सरकारी अस्पताल में कराया जाए। सोशल मीडिया पर भी आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठ रही है। एसीपी काकोरी शकील अहमद ने बताया कि तबीयत ठीक होने पर आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा, जबकि जांच जारी है।

गुरुवार दोपहर सांसद तनुज पुनिया, पूर्व विधायक इंदल रावत और जिला अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह रामपाल के मोहल्ला हाता मोहम्मद हजरत साहब स्थित घर पहुंचे और न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। भीम आर्मी के जय भीम संगठन के प्रदेश महासचिव अनिल गौतम और अन्य पदाधिकारियों ने भी पीड़ित से मुलाकात की।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के निर्देश पर लोजपा (आर) के जिला अध्यक्ष नरेंद्र पासवान प्रतिनिधिमंडल के साथ पहुंचे और पीड़ित परिवार के साथ तन, मन और धन से खड़ा रहने का आश्वासन दिया। पार्टी ने कानूनी कार्रवाई की जिम्मेदारी भी संभाली।

जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह ने आरोपी स्वामीकांत के बड़े भाई और परिजनों से मुलाकात कर निष्पक्ष जांच कराने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों में आक्रोश को देखते हुए पुलिस बल गांव में तैनात है और शांति बनाए रखने की अपील की गई।

घटना को बताया षड्यंत्र

दलित बुजुर्ग रामपाल के साथ हुए अमानवीय व्यवहार को मंदिर प्रबंधन और स्थानीय लोगों ने षड्यंत्र बताया। आरोपी स्वामीकांत के बड़े भाई और आरएसएस के सहविभाग संघचालक रमाकांत गुप्ता ने आरोप लगाया कि मंदिर परिसर में गलत हरकतों का विरोध करने के कारण उनके छोटे भाई को फंसाया गया।

अमृत विचार

शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025

अगर औरत आजाद नहीं हो सकती तो मर्द कभी आजाद नहीं हो सकता।

–इस्मत चुग्ताई, उर्दू साहित्यकार

वैश्विक उपलब्धि

देश वैश्विक वन क्षेत्र रैंकिंग में दसवें से नौवें स्थान पर पहुंच गया है। यह नई पायदान मात्र संख्यात्मक उपलब्धि नहीं, बल्कि पर्यावरणीय, नीतिगत और नैतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जा सकती है। वनों की अंधाधुंध कटाई से दुनिया में गहराते पारिस्थितिकी संकट के समय में भारत की कामयाबी वैश्विक पर्यावरणीय क्षेत्र मं प्रेरणास्पद है। फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार, भारत के कुल करीबन 24 फीसद क्षेत्र में पिछले एक दशक के दौरान लगभग 1,500 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज की गई। खास बात यह कि यह बढ़ोतरी जल, जंगल और जमीन बचाने वाले जन आंदोलनों की गति और प्रभाव के कम होने के बाद हुई है। जन आंदोलनों के प्रभाव से इनकार नहीं किया जा सकता, परंतु सरकारी नीतियों, तकनीकी साधनों और सामुदायिक भागीदारी ने इस मामले में बहुत अग्रणी भूमिका निभाई है। ग्रीन इंडिया मिशन, राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम, कंपेंसटरी अफॉरेस्टेशन फंड मैनेजमेंट एंड प्लानिंग अथॉरिटी और मनरेगा के तहत वृक्षारोपण कार्य, एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियानों ने हरियाली को इस पायदान पर ऊपर चढ़ने में मदद की है। इन अभियानों में आम लोगों की भी महत्वपूर्ण सहभागिता रही है।

पिछले कुछ वर्षों में राज्यों को करोड़ों रुपये दिए गए, ताकि राज्य कटे वनों के बदले में नए पौधे लगा सकें। इन्हीं प्रयासों की वजह से बीते सालों में वन क्षेत्र के आंकड़ों में आशातीत वृद्धि दर्ज की गई है। ब्राजील, इंडोनेशिया और अफ्रीका के देशों में बड़े पैमाने पर वन विनाश जारी है, इस उपलब्धि में इस वैश्विक गिरावट का बड़ा हाथ है, ऐसे में यह सफलता भले स्थायी न हो पर यह उस संघर्ष की शुरुआत है, जो 'संख्याओं की हरियाली' से आगे जाकर 'प्रकृति की वास्तविक हरियाली' की ओर ले जाती है।

यह नंगा सच है कि विकास, औद्योगिकीकरण, खनन और शहरी विस्तार के नाम पर वनों की जबरदस्त कटाई से भारत में पिछले दशक में लगभग 14 लाख हेक्टेयर प्राकृतिक वन क्षेत्र नष्ट हुआ है। सवाल है कि कटते जंगलों के दौर में वन क्षेत्र बढ़ कैसे रहा है? असल में कटे पुराने, जैव विविधता संपन्न प्राकृतिक वनों की जगह नए कृत्रिम वनों या वृक्षारोपण क्षेत्र बढ़ते जा रहे हैं। ये हरियाली ला सकते हैं, लेकिन प्राकृतिक वनों जैसे पारिस्थितिकी तंत्र, वन्यजीव आवास या जल संरक्षण का विकल्प कभी नहीं बन सकते। इस तरह जंगल काटकर उनकी जगह नए पौधे लगाना पर्यावरणीय दृष्टि से केवल एक 'संकेतात्मक उपाय' भर है, न कि वास्तविक विकल्प। प्राकृतिक वनों की मिट्टी, जैव विविधता और सूक्ष्म जलवायु दशकों में बनती है। नये पौधों को उस स्तर तक पहुंचने में 40–50 वर्ष लग सकते हैं, इसलिए यह वृद्धि आंकड़ों में तो है, धरातल पर नहीं। भविष्य के लिए जरूरी है कि सरकार वृक्षारोपण के साथ-साथ प्राकृतिक वन संरक्षण, स्थानीय समुदायों की भागीदारी और वन्यजीव आवास सुरक्षा पर समान रूप से बल दे। पर्यावरणीय शिक्षा, जलवायु-अनुकूल शहरी नियोजन और टिकाऊ विकास की नीति को जीवनशैली का हिस्सा बना कर ही हम इस क्षेत्र में देश को कुछ वर्षों में और ऊपर ला सकेंगे।

आर्थिक परिदृश्य में वृद्धि और असमानता का द्वंद्व

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर, जीएलए यूनिवर्सिटी, मथुरा

एलियांज ग्लोबल वेल्थ रिपोर्ट-2025, 2024 में भारतीयों की संपत्ति और निवेश के बदलते रुझानों को उजागर करती है। रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान घरेलू वित्तीय संपत्ति में 14.5 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज हुई, जो पिछले आठ वर्षों में सबसे बड़ी छलांग है। प्रतिभूतियों में 28.7 प्रतिशत, बीमा और पेंशन योजनाओं में 19.7 प्रतिशत और बैंक जमा में 8.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी यह दर्शाती है कि भारतीय समाज अब केवल बचत-केंद्रित सोच से आगे बढ़कर निवेश-केंद्रित मानसिकता की ओर अग्रसर हो रहा है। इस बदलाव में निवेशकों की संख्या और जोखिम-सचेत, दीर्घकालिक सोच वाले निवेशकों की भागीदारी दोनों बढ़ी है।

शेयर बाजार की गतिविधि भी इस बदलाव की पुष्टि करती है। 2020 में सक्रिय निवेशकों की संख्या 4.9 करोड़ थी, जो मार्च 2024 तक बढ़कर 13.2 करोड़ तक पहुंच गई। दिसंबर 2024 के अंत तक बीएसई शेयर बाजार पूंजीकरण और जीडीपी का अनुपात 136% तक पहुंच जाना यह संकेत देता है कि निवेशक अधिक परिपक्व, दीर्घकालिक सोच वाले और जोखिम सचेत हो रहे हैं। घरेलू निवेशकों की बढ़ती संख्या और वित्तीय उत्पादों में विविधता ने अर्थव्यवस्था को नया आत्मविश्वास दिया है, हालांकि संपत्ति वृद्धि के साथ आर्थिक असमानता भी लगातार बढ़ रही है। 2024 में देश की कुल संपत्ति का 65% शीर्ष 10% लोगों के पास केंद्रित था, जबकि 2004 में यह अनुपात 58 प्रतिशत था। औसत और मध्यक संपत्ति का अनुपात 2.6 से बढ़कर 3.1 हो गया, जो आर्थिक दूरी के बढ़ते अंतर का एक संकेत है।

वित्तीय साक्षरता में सुधार हुआ है, लेकिन व्यापक स्तर पर यह अभी भी सीमित है। केवल 38.9 प्रतिशत भारतीय वयस्क वित्तीय रूप से सक्षम हैं। शहरी क्षेत्रों में यह 41.9 प्रतिशत है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 37.6 प्रतिशत। दक्षिण भारत में 46 प्रतिशत, जबकि मध्य भारत में केवल 32.9 प्रतिशत पर सिमटा हुआ है। यह असमानता शिक्षा और अवसर के वितरण में भिन्नता को उजागर करती है और संकेत देती है कि वित्तीय सेवाओं तक पहुंच अब भी सामाजिक और भौगोलिक कारकों पर निर्भर है।

बैंकिंग समावेशन में सुधार हो रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक के वित्तीय समावेशन सूचकांक के अनुसार, वित्त वर्ष 2024–25 में यह 67 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो मार्च 2024 के 64.2 प्रतिशत से 4.3 अंक अधिक है। महिलाओं की स्थिति भी सुधरी है। उनके पास 39.2 प्रतिशत बैंक खाते हैं और वे कुल जमा का 39.7 प्रतिशत योगदान कर रही हैं। ग्रामीण महिलाओं की बैंकिंग पहुंच 42.2 प्रतिशत तक बढ़ी है। डिजिटल वित्तीय सेवाओं में भी 60 प्रतिशत भारतीय महिलाएं स्मार्टफोन का उपयोग कर रही हैं, जबकि ग्रामीण महिलाओं द्वारा डिजिटल लेनदेन में 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि तकनीक वित्तीय अवसरों को व्यापक बना रही है और पारंपरिक बाधाओं को धीरे-धीरे कम कर रही है।

हालांकि यह तस्वीर पूरी तरह संतुलित नहीं है। डिजिटल डिवाइड, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की कम भागीदारी और सीमित वित्तीय जागरूकता यह दिखाते हैं कि आंकड़ों में दिख रही वृद्धि का लाभ अभी समाज के सभी हिस्सों तक नहीं पहुंच रहा। वित्तीय उत्पादों तक पहुंच का अर्थ केवल खाता खुलवाना या ऐप डाउनलोड करना नहीं है। इसका प्रभावी और सुरक्षित उपयोग होना आवश्यक है। यही वह बिंदु है, जहां असमानता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

यहां निवेश व्यवहार में विविधता दिखती है। शेयर बाजार और फ्यूचर-ऑप्शन ट्रेडिंग उच्च लाभ के अवसर प्रदान करते हैं, लेकिन जोखिम, जटिलताएं और अस्थिरता अधिक है। इन निवेश माध्यमों के लिए गहन जानकारी, कंपनियों की वित्तीय रिपोर्ट और उद्योग विश्लेषण की समझ आवश्यक है, इसलिए सीमित जानकारी और अनुभव के अभाव में कई लोग इन विकल्पों से बचते हैं। क्रिप्टोकरेंसी जैसी नई संभावनाएं भी मौजूद हैं, लेकिन अत्यधिक अस्थिरता और नियामक अनिश्चितता निवेशकों को हिचकिचाहट में रखती है, ऐसे में अधिकांश लोग अब भी सुरक्षित विकल्पों, बैंक बचत खाते और फिक्स्ड डिपॉजिट को प्राथमिकता देते हैं। सोना और चांदी सदियों से भरोसेमंद विकल्प रहे हैं। 2024-25 में इन धातुओं ने निवेशकों को आकर्षित किया, खासकर जब शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव खासा देखा गया। लोग सोना-चांदी को मुद्रास्फीति के खिलाफ सुरक्षा और वित्तीय स्थिरता का माध्यम मानते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति मिश्रित है। वैश्विक वित्तीय साक्षरता का औसत लगभग 33 प्रतिशत है, जबकि भारत में यह 35 प्रतिशत के आसपास है। सतही तुलना में भारत थोड़ा आगे दिखता है, लेकिन विकसित देशों की 55–75 प्रतिशत की दर से अभी भी पीछे है। वित्तीय साक्षरता और संपत्ति वितरण के असंतुलन का प्रभाव सीधे आर्थिक स्थिरता और अवसरों पर पड़ता है। जब केवल एक-तिहाई आबादी वित्तीय रूप से सक्षम है, तो लाभ और अवसर कुछ वर्गों तक ही सीमित रहेंगे। यही कारण है कि शीर्ष 10 प्रतिशत आबादी के पास दो-तिहाई से अधिक संपत्ति केंद्रित है। यह केवल संख्याओं की कहानी नहीं है, बल्कि समाज की दीर्घकालीन स्थिरता और समावेशन पर भी असर डालता है।

भारत की मौजूदा आर्थिक स्थिति को 'वृद्धि' और 'विसंगति' के द्वंद्व में देखा जा सकता है। एक ओर निवेश, संपत्ति वृद्धि और महिलाओं की भागीदारी उत्साहजनक हैं, वहीं दूसरी ओर संपत्ति और अवसर वितरण में खाई लगातार बढ़ रही है। यह द्वंद्व भविष्य की आर्थिक नीतियों और निवेश संरचना की सबसे बड़ी कसौटी बनने वाला है।

एलियांज ग्लोबल वेल्थ रिपोर्ट–2025, 2024 में भारतीयों की संपत्ति और निवेश के बदलते रुझानों को उजागर करती है। रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान घरेलू वित्तीय संपत्ति में 14 .5 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज हुई।

सोशल फोरम

एक बादशाह की बदनसीबी

17 अक्टूबर 1858 को बाहदुर शाह जफर मकेंजी नाम के समुद्री जहाज से रंगून पहुंचा दिए गए थे। शाही खानदान के 35 लोग उस जहाज में सवार थे, कैप्टन नेल्सन डेविस रंगून का इंचार्ज था, उसने बादशाह और उसके लोगों को बंदरगाह पर रिसीव किया और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी हुकूमत के बादशाह को लेकर अपने घर पहुंचा। बहादुर शाह जफर कैदी होने के बाद भी बादशाह थे,

हिस्ट्री अनफोल्डेड

फेसबुक

इसलिए नेल्सन परेशान था, उसे ये ठीक नहीं लग रहा था कि बादशाह को किसी जेल खाने में रखा जाए, इसलिए उसने अपना गैराज खाली करवाया और वहीं बादशाह को रखने का इंतजाम कराया।

बहादुर शाह जफर 17 अक्टूबर 1858 को इस गैराज में गए और सात नवंबर 1862 को अपनी चार साल की गैराज की जिंदगी को मौत के हवाले कर के ही निकले।

सात नवंबर 1862 को बादशाह की खादिमा परेशानी के हाल में नेल्सन के दरवाजे पर दस्तक देती है। बर्मी खादिम आने की वजह पूछता है। खादिमा बताती है कि बादशाह जिंदगी की आखिरी सांसें गिन रहे हैं। खादिम कहता है, "अभी साहब कुत्ते को कंघी कर रहे हैं। मैं उन्हें डिस्टर्ब नहीं कर सकता। खादिमा जोर-जोर से रोने लगती है। आवाज सुनकर नेल्सन बाहर आता है। खादिमा की गुजारिश सुनकर वो गैराज पहुंचता है।

बादशाह की आखिरी आरामगाह में बदबू फैली हुई थी और मौत की खामोशी थी बादशाह का आधा कंबल जमीन पर और आधा बिस्तर पर। नंगा सर तकिए पर था, लेकिन गर्दन लुढ़की हुई थी। आंख बहार को निकली हुई थी और सूखे होंठों पर मक्खी भिनभिना रही थी। नेल्सन ने जिंदगी में हजारों चेहरे देखे थे, लेकिन इतनी बेचारगी किसी के चेहरे पर नहीं देखी थी। वो बादशाह का चेहरा नही बल्कि दुनिया के सबसे बड़े भिखारी का चेहरा था। उसके चेहरे पर एक ही फरमाइश थी, आजाद सांस की।

हिंदुस्तान के आखिरी बादशाह की जिंदगी खत्म हो चुकी थी। कफन-दफन की तैयारी होने लगी। शहजादा जवान बख्त और हाफिज मोहम्मद इब्राहीम देहलवी ने गुसुल दिया। बादशाह के लिए रंगून में जमीन नहीं थी। सरकारी बंगले के पीछे खुदाई की गई और बादशाह को खैरात में मिली मिट्टी के नीचे दफन कर दिया गया। उस्ताद हाफिज इब्राहीम देहलवी की आंखों को सामने 30 सितंबर 1837 के मंजर दौड़ने लगे, जब 62 साल की उम्र में बहादुर शाह जफर तख्त नशीं हुए थे। वो वक्त कुछ और था ...ये वक्त कुछ और था। इब्राहीम दहलवी सूरह तौबा की तिलावत करते हैं। नेल्सन कब्र को आखिरी सलामी पेश करता है और एक सूरज गुरूब हो जाता है!

प्रसंगवश

80 बरस का हुआ यूएनओ कितना रह गया प्रासंगिक

वर्ष 1945 में दुनिया के 50 देशों ने मिलकर संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर कर संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया था, जिसके बाद से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है। दरअसल द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अधिक समतापूर्ण और न्यायोचित बनाने के लिए एक नए संगठन की स्थापना का विचार उभरा था, जो पांच राष्ट्रमंडल सदस्यों तथा आठ यूरोपीय निर्वासित सरकारों द्वारा 12 जून 1941 को लंदन में हस्ताक्षरित अंतर-मैत्री उद्घोषणा में पहली बार सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त हुआ था।

अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से स्थापित संयुक्त राष्ट्र संघ को इतनी शक्तियां प्रदान की गईं कि वह अपने सदस्य देशों की सेनाओं को विश्व शांति के लिए कहीं भी तैनात कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से ही दुनिया के अनेक देश इसके साथ जुड़ते गए और 50 सदस्यों के साथ शुरू हुए इस वैश्विक संघ के सदस्य देशों की संख्या अब 193 हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश थे अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा यूनाइटेड किंगडम, जिनकी द्वितीय विश्वयुद्ध में अहम भूमिका थी। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य उद्देश्यों में युद्ध रोकना, मानवाधिकारों की रक्षा करना, सभी देशों के बीच मित्रवत संबंध कायम करना, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को निभाने की प्रक्रिया जुटाना, सामाजिक एवं आर्थिक विकास, निर्धन तथा भूखे लोगों की सहायता करना, उनका जीवन स्तर सुधारना, बीमारियों से लड़ना इत्यादि शामिल हैं।

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार

इन उद्देश्यों को निभाने के लिए 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा प्रमाणित की गई, हालांकि विडंबना है कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के इन 80 वर्षों में यह वैश्विक संस्था अब धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खोने लगी है। दरअसल बीते 80 वर्षों से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अर्थव्यवस्था, हथियार, मीडिया, समाज, मुद्रा तथा समाज से संबंधित तमाम नीतियां इसके पांच स्थायी सदस्य देशों ब्रिटेन, अमेरिका, चीन, रूस तथा फ्रांस के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप ही निर्धारित की जाती रही हैं, जिस कारण ऐसी नीतियों का खामियाजा भारत के अलावा जापान, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, इजरायल, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई अन्य देशों को भुगतना पड़ा है, जो संयुक्त राष्ट्र महासभा की स्थायी सदस्यता के लिए तमाम मापदंडों को पूरा करने के बाद भी दशकों से सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बनने के लिए प्रयासरत हैं।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं, लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने और तमाम वैश्विक समीकरण पूर्ण रूप से बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई भी अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है, हालांकि स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर संयुक्त राष्ट्र में आम सहमति है, लेकिन चीन को खासकर एशिया से वीटो अधिकार वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है, जहां स्थायी सदस्यता के दोनों दावेदारों (भारत और जापान) पर वह विभिन्न कारणों से संदेह करता है। भारत ने जिस चीन को मान्यता देने में पहल की थी और सुरक्षा परिषद में उसकी स्थायी सीट को सिद्धांत के तौर पर लेने से मना कर दिया था, आज वही चीन भारत की स्थायी सदस्यता के मार्ग में रोड़े अटका रहा है। भारत चीन के वीटो पावर के कारण ही सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं बन पा रहा है।

आमने

खेसारी लाल को यहां पर भेज दिया है। इन लोगों के पास अब कोई उम्मीदवार बचा ही नहीं है। आपके यहां पर एक नाचने वाले को ही भेज दिया। यह लालू प्रसाद यादव का बिहार नहीं है जो अराजकता के लिए बदनाम था।

–सम्राट चौधरी
भाजपा नेता

सामने

राजनीति में कुछ लोग कलाकारों को नीचा दिखाकर खुद को ऊंचा दिखाना चाहते हैं, लेकिन जनता सच्चाई जानती है। मेरे गानों की वजह से छपरा में जलजमाव नहीं हुआ, बच्चों की पढ़ाई नहीं रुकी और अस्पतालों की हालत भी मेरी वजह से नहीं बिगड़ी। –खेसारी यादव
आरजेडी उम्मीदवार

ट्रंप के दबाव की रणनीति व बदलती भू- राजनीति

डॉ. विकास शुक्ला

कानपुर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दादागिरी और अनर्गल बयानबाजी बढ़ती ही जा रही है। कभी भारत तो कभी ब्राजील और चीन पर टैरिफ का बम फोड़ने वाले ट्रंप ने पहले वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को ड्रग तस्कर बताकर उन पर इनाम रख दिया। वेनेजुएला की नौकाओं और पोत पर आए दिन हमले करा रहे ट्रंप ने अब कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो को ड्रग तस्कर बता दिया है। इतना ही नहीं ट्रंप ने कोलंबिया को अमेरिकी मदद रोकने की घोषणा के साथ ही चेतावनी दी है कि अगर पेट्रो ने ड्रग तस्करी रोकने को लेकर उचित कदम नहीं उठाया तो अमेरिका खुद कार्रवाई करेगा।

ब्रिक्स देशों को डॉलर के मुकाबले मुद्रा न बनाने के लिए लगातार धमका रहे ट्रंप को जवाब देने का समय आ गया है। चीन ने रेयर अर्थ की अमेरिका को आपूर्ति रोक कर ट्रंप को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया है। भारत ने रूस से तेल की खरीद का भुगतान चीनी मुद्रा में करके उन्हें बता दिया है कि भारत झुकने वाला नहीं है। जरूरत है कि चीन और भारत जैसा कदम दुनिया के अन्य देश भी उठाएं, ताकि अमेरिकी दादागिरी बंद हो और टैरिफ की मार से राहत मिले।

अमेरिका पूरी दुनिया को अपने तरीके से चलाना चाहता है। पहले ईराक में सद्दाम हुसैन, लीबिया में कर्नल गद्दाफी का खात्मा करने वाले अमेरिका ने सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद और बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना का तख्तापलट कराया। अब वह वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो को सत्ता से हटाने की कोशिश में लग गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप चाहते हैं कि जहां उनके मनमुताबिक राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री नहीं है, उन्हें किसी न किसी तरीके से सत्ता से बेदखल किया जाए। इसके लिए ट्रंप हर हथकंडा अपनाने को तैयार हैं।

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो को अवैध ड्रग तस्कर बताया है। उन्होंने लिखा है कि पेट्रो देशभर में छोटे और बड़े खेतों में भारी मात्रा में ड्रग्स की खेती को बढ़ावा दे रहे हैं। पेट्रो इसे रोकने के लिए कुछ नहीं कर रहे, जबकि अमेरिका की तरफ से उन्हें बड़ी आर्थिक मदद और सब्सिडी मिल रही है। अगर वे इसे नहीं रोकेंगे तो अमेरिका कार्रवाई करेगा। पेट्रो ने अभी ट्रंप के आरोपों का जवाब नहीं दिया है, लेकिन माना जा रहा है कि मादुरो की तरह ही वे भी ट्रंप के विरुद्ध आवाज बुलंद करेंगे। ट्रंप के इस बयान से अमेरिका और कोलंबिया के रिश्तों में और तनाव आने की संभावना है।

अमेरिका के विदेश विभाग ने गुस्तावो पेट्रो का वीजा भी रद्द कर दिया है। यह कार्रवाई तब की गई जब पेट्रो न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में शामिल होने आए थे। कहा जा रहा है कि ट्रंप पेट्रो से इसलिए नाराज हैं, क्योंकि वे उनकी नीतियों का समर्थन नहीं करते हैं। उन्होंने कभी उनकी हां में हां नहीं मिलाई। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो भी अमेरिका की साम्राज्यवादी नीति के खिलाफ आवाज बुलंद करते रहे हैं। जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने वेनेजुएला के समुद्र तट पर अपने युद्धपोत और सैनिक भेजे, तो उन्होंने भी सेना को मोर्चे पर तैनात कर दिया और ट्रंप को यह संदेश दे दिया कि अब बहुत हुआ वे झुकेंगे नहीं। यही वजह है कि वे ट्रंप की आंखों में खटक रहे हैं।

रूस से तेल आयात करने पर भारत पर भारी भरकम टैरिफ लगाने वाले ट्रंप ने चीन पर भी सौ फीसद टैक्स लगा दिया है। ब्राजील की तरह ही चीन के राष्ट्रपति ने ट्रंप को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया है। रेयर अर्थ की अमेरिका को बड़ी जरूरत है, लेकिन चीन ने इस पर नियंत्रण बढ़ाकर अमेरिका की दुखती रग पर हाथ रख दिया है। इससे ट्रंप और उनके सहयोगियों की छटपटाहट साफ दिख रही है। अभी भी कुछ देश ऐसे हैं जो ट्रंप की मनमानी का विरोध करने को तैयार नहीं हैं। वे भूल रहे हैं कि ट्रंप बारी-बारी हर देश पर अपनी नीतियों को थोपेंगे, क्योंकि उनके लिए दोस्ती नहीं बल्कि व्यापार की नीति हावी है। पूरी तरह से व्यापारी बन चुके ट्रंप ने अपने सबसे भरोसेमंद दोस्त भारत को नीचा दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

अमेरिकी अर्थशास्त्री, समाजशास्त्री और राजनीतिक विशेषज्ञ और विदेश नीति के जानकार उनकी इस नीति का विरोध कर रहे हैं, लेकिन ट्रंप हैं कि मानते नहीं। भारत को झुकाने के लिए ही उन्होंने बार-बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिफ मुनीर को अमेरिका बुलाया, लेकिन वे भूल गए कि अब भारत की कमान नरेंद्र मोदी के हाथ में है, जो उनके दबाव में नहीं आने वाले हैं। भारत ने ट्रंप को उनकी भाषा में जवाब देना शुरू कर दिया है। रूस से तेल खरीद में भारत ने चीनी मुद्रा में भुगतान शुरू करके ट्रंप को बड़ी चुनौती दी है। अमेरिका, अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस पर पुनः कब्जा करना चाहता हैं, लेकिन भारत ने रूस, चीन के साथ मिलकर इसका विरोध किया है। इससे अमेरिका के तेवर ढीले हुए हैं पर अकड़ अब भी बाकी है। जरूरत तो इसी बात की है कि अमेरिका के सताए अन्य देश भी अब भारत, चीन और रूस जैसे देशों के साथ खड़े हों और ट्रंप को उनकी भाषा में जवाब दें, ताकि अमेरिकी दादागिरी रुके।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कभी भारत, कभी ब्राजील व चीन पर टैरिफ का बम फोड़ते हैं तो अब वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो को ड्रग तस्कर बता दिया है।

सामयिकी

नेपाल में लोकतंत्र बहाली की तैयारी व सियासत

यशोदा श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल में हाल ही हिंसात्मक आंदोलन और अंतरिम सरकार के अस्तित्व में आने के करीब एक माह बाद माओवादी केंद्र ने पहली मर्तबा जनसभा की। इस मौके पर उन्होंने नेपाली मीडिया से भी बात की। बातचीत में उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से चुनाव की तैयारी में जुटने का आवाहन करते हुए कहा कि अंतरिम सरकार ने जिस समय सीमा के भीतर चुनाव की घोषणा की है उस पर कायम रहते हुए चुनाव कराया जाना चाहिए।

नेकपा (माओवादी केंद्र) अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' बुधवार को मधेश प्रदेश के महोत्तरी के राम गोपालपुर में पार्टी द्वारा आयोजित जनसभा और पार्टी प्रवेश कार्यक्रम में शामिल हुए। नेपाल में हाल ही में हुए तख्तापलट और हिंसात्मक आंदोलन के बाद किसी राजनीतिक दल का यह पहला सार्वजनिक कार्यक्रम था। राम गोपालपुर जाने के लिए जनकपुर धाम हवाई अड्डे पर पहुंचे प्रचंड ने पत्रकारों से संक्षिप्त बातचीत करते हुए सरकार से आग्रह किया कि वह शीघ्र ही चुनाव के लिए आवश्यक माहौल तैयार करे।

प्रचंड ने कहा, "निर्वाचन तय समय पर होना चाहिए। सरकार को इसे गंभीरता से लेते हुए अनुकूल वातावरण बनाना चाहिए। सरकार की हाल ही में राजनीतिक दलों के साथ हुई वार्ता से यह संकेत मिला है कि सरकार धीरे-धीरे चुनाव की दिशा में गंभीर हो रही है, लेकिन अभी भी पूर्ण वातावरण तैयार नहीं हुआ है। प्रचंड ने कहा कि असाधारण परिस्थितियों में गठित अंतरिम सरकार पहले ही चुनाव की घोषणा कर चुकी है, इसलिए अब सभी दलों को निर्वाचन की तैयारी में पूरी तरह जुट जाना चाहिए।

सत्ता से हटाए गए केपी शर्मा ओली चुनाव में जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। उन्होंने तय समय-सीमा में चुनाव पर भी संदेह जताया है। पिछले दिनों अपनी पार्टी के एक कार्यक्रम में उन्होंने साफ कह दिया कि एमाले चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी। एमाले के इस घोषणा के बाद नेपाल की राजनीति में अनिश्चितता का खतरा उत्पन्न हो गया है। ओली सरकार में प्रमुख सहयोगी रही नेपाली कांग्रेस का चुनाव को लेकर अभी कोई बयान सामने नहीं आया है। जहां तक अन्य राजनीतिक दलों की बात है तो माना जा रहा है कि देर-सवेर अन्य राजनीतिक दल चुनाव में आएंगे ही।

एमाले, नेपाली कांग्रेस के बाद माओवादी केंद्र तीसरा बड़ा राजनीतिक दल है। माओवादी केंद्र के चुनाव का समर्थन करने के बाद मुमकिन है, नेपाली कांग्रेस भी चुनाव को लेकर अपना रुख स्पष्ट करे। अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने अपने वायदे के मुताबिक छः महीने में चुनाव कराने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि सरकार नेपाली जनता को निर्भय और स्वतंत्र वातावरण में मतदान करने का अवसर देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

इकोसिस्टम के लिए खतरा
कीटों की घटती प्रजातियां

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र पत्रकार

हाल ही में एक एक खबर पढ़ी कि 'पिछले 150 वर्षों में लाखों कीट प्रजातियां लुप्त हो चुकी हैं और हर साल शेष कीट बायोमास का 1 से 2.5 प्रतिशत तक नष्ट हो रहा है।' बड़ी बात यह है कि इन कीटों का पतन सिर्फ और सिर्फ महाद्वीपों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पृथ्वी के सबसे दूर बसे द्वीप भी इसकी चपेट में हैं। बहरहाल यह बहुत गंभीर और चिंताजनक पर्यावरणीय मुद्दा है कि आज दुनियाभर में चींटियां, मधुमक्खियां, तितलियां और अन्य परागण करने वाले कीट (पालीनेटर) कम हो रहे हैं। दूसरे शब्दों में कहें, तो आज दुनियाभर में कीटों का संसार खतरे में है। उल्लेखनीय है कि महाद्वीपों और द्वीपों पर कीटों के पतन को वैज्ञानिक 'इनसेक्ट एपोकलिप्स' यानी 'कीट प्रलय' के नाम से जानते हैं। वास्तव में इनके घटने के कई कारण हैं। मसलन इनमें क्रमशः खेती में कीटनाशकों का अंधाधुंध और अवैज्ञानिक प्रयोग, कीटों के प्राकृतिक आवासों (हेबिटेट) का लगातार नष्ट होना, जलवायु परिवर्तन, बढ़ता पर्यावरणीय प्रदूषण (मिट्टी, जल, वायु) बीमारियां और परजीवी आदि को शामिल किया जा सकता है। यहां तक कि प्रकाश और ध्वनि प्रदूषण भी कीटों की विलुप्ति का एक बड़ा कारण बनकर उभरा है।

जापान के ओकिनावा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के एंटोमोलॉजिस्ट इवान इकोनोमो ने फिजी द्वीपसमूह की चींटी प्रजातियों के जीनोम विश्लेषण से बताया है कि यहां स्वदेशी चींटी प्रजातियां 79 प्रतिशत घट गई हैं। गिरावट इंसानों के द्वीपों पर करीब 3,000 साल पहले आगमन के साथ शुरू हुई और पिछले 300 वर्षों में यूरोपीय संपर्क, वैश्विक व्यापार और आधुनिक कृषि के फैलाव के साथ तेज हो गई। यह शोध जर्नल साइंस में प्रकाशित हुआ है। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी पर लगभग 5.5 मिलियन कीट प्रजातियां हो सकती हैं, जिनमें से लगभग 1 मिलियन को ही अब तक वैज्ञानिकों ने पहचाना और नामित किया है। इसका अर्थ यह है कि लगभग 80 प्रतिशत कीट प्रजातियां अभी भी अज्ञात हैं, जो जैविक अनुसंधान के लिए एक बड़ा क्षेत्र प्रस्तुत करती हैं। अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) के अनुसार जुलाई 2016 तक 58 कीट प्रजातियां पूरी तरह से विलुप्त हो चुकी हैं, जबकि 46 प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं और एक प्रजाति केवल वन्यजीवों में ही विलुप्त हो चुकी है। यहां यदि हम कीटों की विलुप्ति दर की बात करें, तो वैश्विक स्तर पर, पिछले 150 वर्षों में कीटों की लगभग 5 से 10 प्रतिशत प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं, जो लगभग 2,50,000 से 5,00,000 प्रजातियों के बराबर है। गौरतलब है कि जर्मनी में 63 नेचर रिजर्व्स में उड़ने वाले कीट 30 वर्षों में 75 प्रतिशत तक घट गए। इतना ही नहीं, अमेरिका में बीटल की संख्या 45 वर्षों में 83 प्रतिशत घटी और तितलियों की कई प्रजातियां संकट में हैं। यूरोप की घासभूमि में तितलियों की आबादी केवल एक दशक में 36 प्रतिशत घटी है।

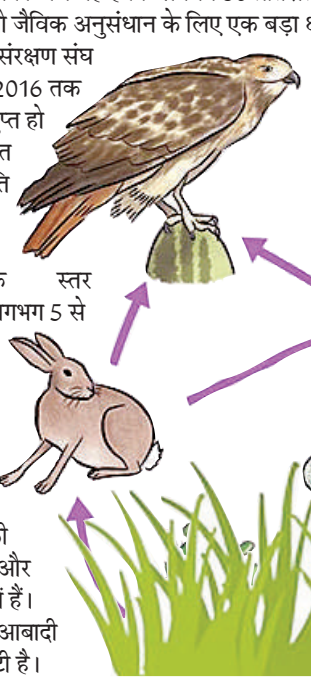

कीट प्रलय का भारत में असर

कीट प्रलय का असर भारत में भी दिख रहा है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार मेलघाट, महाराष्ट्र में प्रकाश प्रदूषण ने मेफ्लाई और अन्य कीटों की संख्या को लगभग 2 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से घटा दिया है। जंगलों के पास बने रिसॉर्ट्स और उनकी तेज रोशनी कीटों के प्राकृतिक चक्र को तोड़ रही है। भारत के हिमालय प्रदेश में मधुमक्खियों और तितलियों जैसे परागणकर्ता की संख्या और विविधता लगातार घटती चली जा रही है। पश्चिमी घाट, जिसे भारत का जैव-विविधता हॉटस्पॉट माना जाता है, में कीटों की संख्या में गिरावट एक गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। यह क्षेत्र 6,000 से अधिक कीट प्रजातियों का घर है, जिनमें से कई प्रजातियां केवल यहीं पाई जाती हैं। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार दक्षिणी पश्चिमी घाट में तापमान में लगभग 0.8 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कीटों की विविधता और आंकड़े बताते हैं कि संख्या में गिरावट का कारण बन रही है। स्थानीय रूप से पुणे जिले में आठ ड्रैगन फ्लाई प्रजातियां विलुप्त हो गई हैं, जबकि 27 नई प्रजातियां पाई गई हैं, जो पर्यावरणीय बदलावों का संकेत देती हैं। इतना ही नहीं, पश्चिमी घाट की बात करें तो जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की रिसर्च बताती है कि सुरक्षित जंगलों में मूल चींटी प्रजातियां फल-फूल रही हैं, लेकिन कॉफी, चाय और रबर के बागानों में आक्रामक प्रजातियां हावी हो रही हैं।

बहरहाल कीटों की गिरती संख्या न केवल पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) के लिए, बल्कि मानव जीवन के लिए भी खतरे की घंटी है, क्योंकि ये परागण, पोषक चक्रण और खाद्य श्रृंखला के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। इसलिए हमारे देश में विशेषकर पश्चिमी घाट में कीटों की विविधता और संख्या की रक्षा के लिए तत्काल और प्रभावी संरक्षण उपायों की आवश्यकता है। आज कीटों की विभिन्न प्रजातियों के संरक्षण के लिए जरूरी कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। मसलन इसके लिए हमें यह चाहिए कि हम रसायनों (कीटनाशकों) के उपयोग में कटौती करें। आर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में आवश्यक कदम उठाएं। जैव-विविधता के संरक्षण के लिए हम शहरी को बढ़ावा और ग्रामीण क्षेत्रों में मधुमक्खी पालन की हर हाल दें। कीटों के प्राकृतिक आवासों में रक्षा करें। वैज्ञानिक अनुसंधान और नीति निर्माण इस दिशा में सकारात्मक कदम साबित हो सकते हैं। कीटों की विलुप्ति एक गंभीर पर्यावरणीय संकट है, लेकिन यदि समय रहते जागरुकता, नीति और सामूहिक प्रयास किए जाएं, तो इसे काफी हद तक रोका जा सकता है। चाहे पर्यावरण प्रेमी हों या नीति-निर्माता, यह विषय सबके लिए महत्वपूर्ण है।

विज्ञान फैक्ट

धातुएं, जो हवा और पानी के संपर्क में आने पर फट जाती हैं

कुछ धातुएं हवा और पानी के संपर्क में आते ही तीव्र प्रतिक्रिया करती हैं और कभी-कभी फट भी जाती हैं। ये धातुएं क्षार धातुएं कहलाती हैं। जैसे लिथियम, सोडियम, पोटैशियम, रुबिडियम, सीजियम और बहुत दुर्लभ रूप से फ्रैंशियम है। इनका बाहरी कक्षा में केवल एक इलेक्ट्रॉन होता है, इसलिए ये उस इलेक्ट्रॉन को आसानी से त्याग कर ऑक्सीकृत हो जाती हैं और तीव्र रासायनिक प्रतिक्रियाएं करती हैं। ये धातुएं हवा के ऑक्सीजन व नमी के संपर्क में आकर तेजी से ऑक्सीकृत होकर ऑक्साइड, हाइड्रॉक्साइड या पेरोऑक्साइड बना लेती हैं, इसलिए खुले हवा में रखें तो सतह पर झनझनाहट या कुछ मामलों में चिंगारी भी पैदा करती है। यह प्रतिक्रिया उष्मा उत्पन्न करती है। सोडियम और खासकर पोटैशियम / रुबिडियम/ सीजियम में जितनी अधिक सक्रियता, उतनी अधिक उष्मा, जिससे उभरता हुआ हाइड्रोजन शराब पकड़ सकता है और विस्फोट/जलन हो सकती है। लिथियम का प्रतिक्रिया दर थोड़ी धीमी होती है, सीजियम व रुबिडियम अत्यंत उग्र प्रतिक्रियाशील होते हैं।

वाल्डिवियन समशीतोष्ण वर्षावन
दक्षिण अमेरिका की प्रकृति का खजाना

चिली और अर्जेंटीना के दक्षिणी हिस्से में बसा वाल्डिवियन समशीतोष्ण वर्षावन प्रकृति की अनोखी रचना है। लगभग 2,50,000 वर्ग किलोमीटर में फैला यह प्राचीन वन अपने घने पेड़ों, दुर्लभ वनस्पतियों और विविध जीव-जंतुओं के लिए जाना जाता है। यहां पाए जाने वाले फिट्जरोया कपरेसॉयड्स या अलर्से पेड़ दक्षिण अमेरिका का सबसे विशाल वृक्ष है, जो 3,000 वर्षों से अधिक तक जीवित रह सकता है। यह वृक्ष न केवल अपनी आयु के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वन में कई दुर्लभ और संकटग्रस्त प्रजातियां भी पाई जाती हैं, जिनमें ह्यूमुल हिरण प्रमुख है। इसके अलावा यहां मैजेलनिक कठफोड़वा जैसी पक्षियों की अनोखी प्रजातियां भी निवास करती हैं। यह वर्षावन शोधकर्ताओं और पर्यावरणविदों के लिए किसी खजाने से कम नहीं, क्योंकि यह समशीतोष्ण वर्षावनों की जैव-विविधता को समझने के लिए एक आदर्श स्थल प्रदान करता है। वाल्डिवियन वन वास्तव में दक्षिण अमेरिका की प्राकृतिक संपदा का चमकता प्रतीक है।

जंगल की दुनिया

टेक अपडेट्स

iQOO 15 मोबाइल लॉन्च

हाल ही में iQ कंपनी ने iQOO 15 मोबाइल लॉन्च किया है। कंपनी ने इस बार परफॉर्मेंस, कैमरा और बैटरी- तीनों में जबरदस्त अपग्रेड दिए हैं। Vivo के इस सब-ब्रांड ने अपने नए फ्लैगशिप स्मार्टफोन को चीन में Snapdragon 8 EliteGen 5 चिपसेट, 7,000mAh बैटरी और तीन 50 MP कैमरों के साथ पेश किया है। इसकी शुरुआती कीमत (करीब 52,000) रखी गई है, फोन के चार वैरिएंट में उपलब्ध होगा।

परफॉर्मेंस और प्रोसेसर- यह फोन 3nm Snapdragon 8 Elite Gen 5 चिपसेट पर चलता है, जिसमें Adreno 840 GPU मिलता है। इसके साथ Q3 गेमिंग चिप दी गई है, जो गेमिंग अनुभव को और स्मूथ बनाती है। फोन में Android 16 आधारित OriginOS 6 ऑपरेटिंग सिस्टम है।

कैमरा सेक्शन- iQOO 15 में तीन 50MP कैमरों का सेटअप दिया गया है-

50MP प्राइमरी सेंसर (f/1.88)

50MP पेरिस्कोप लेंस (100x डिजिटल जूम)

50MP अल्ट्रा-वाइड कैमरा

सेल्फी के लिए 32MP फ्रंट कैमरा मौजूद है, जो 4K वीडियो रिकॉर्डिंग सपोर्ट करता है।

बैटरी और चार्जिंग- फोन में 7,000mAh की बैटरी दी गई है, जो 100W वायर्ड और 40W वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट करती है। इसके साथ अल्ट्रासोनिक इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर भी है।

सजावट के साथ पर्यावरण संतुलन भी जरूरी

आज की दुनिया तेजी से विकास कर रही है, परंतु यह विकास तभी सार्थक माना जाएगा जब वह पर्यावरण के साथ संतुलन बनाकर चले। सतत विकास का यही मूल उद्देश्य है-आज की आवश्यकताओं की पूर्ति इस प्रकार करना कि भविष्य की पीढ़ियां भी अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकें। कृषि क्षेत्र में, विशेषकर फलोत्पादन में, छोटे-छोटे क्रियाकलापों का पर्यावरण पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। उन्हीं में से एक है-फलों के साथ पत्तियां तोड़ देना। यह कार्य देखने में भले ही सामान्य लगे, लेकिन इसका गहरा प्रभाव पौधों की सेहत, पर्यावरणीय संतुलन और खेती की स्थायित्व क्षमता पर पड़ता है। किसानों और फल विक्रेताओं को इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

अनावश्यक दोहन ठीक नहीं

- बहुत बार फलों को सजाने के लिए फलों के साथ अधिक पत्तियां तोड़ी जाती हैं-उदाहरण के लिए पूजा, उपहार टोकरी, होटल व्यवसाय या प्रदर्शनियों में। यह एक प्रकार की प्राकृतिक सजावट का व्यापारिक दोहन बन गया है।
- यह कार्य जब तक संतुलन के साथ और सीमित मात्रा में किया जाए, तब तक ठीक है। परंतु यदि बड़े पैमाने पर, बिना संवेदनशीलता के, पत्तियां तोड़ी जाएंगी, तो यह पर्यावरणीय हानि की दिशा में एक और कदम होगा।

डॉ. विकास पटेल
असिस्टेंट प्रोफेसर, बरेली

पत्तियों की जैविक भूमिका

पत्तियां पौधे का 'भोजन निर्माण केंद्र' होती हैं। इनका कार्य केवल सौंदर्यवर्धन नहीं होता, बल्कि ये पौधों के जीवन का आधार हैं:

- प्रकाश-संश्लेषण : पत्तियां सूर्य के प्रकाश की सहायता से कार्बन डाइऑक्साइड और जल को मिलाकर ग्लूकोज (भोजन) बनाती हैं।
- श्वसन और वाष्पोत्सर्जन : पत्तियां ही श्वसन और वाष्पोत्सर्जन जैसी प्रक्रियाएं संचालित करती हैं, जिससे पौधा अपने तापमान को नियंत्रित रखता है।
- फल परिपक्वता में योगदान : फल के आसपास की पत्तियां उसके पोषण में सहायक होती हैं और उसके आकार, रंग, मिठास और गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं।
- जब फल के साथ पत्तियां भी तोड़ दी जाती हैं, तो पौधा एक झटके में अपनी ऊर्जा बनाने की क्षमता खो देता है, जिससे आगे की वृद्धि और उत्पादन प्रभावित होता है।

प्रभावी पहल

- कटाई की तकनीकों में सुधार करें : फल इस तरह से तोड़े जाएं कि उनकी आस-पास की मुख्य पत्तियां सुरक्षित रहें।
- प्रशिक्षण एवं जागरूकता : किसानों को यह बताया जाए कि पत्तियों का महत्व क्या है और वे फल उत्पादन को कैसे प्रभावित करती हैं।
- ग्राहक को शिक्षित करें : उपभोक्ताओं को भी जागरूक करें कि वे फल को केवल उसके सौंदर्य से नहीं, बल्कि उसके उत्पादन प्रक्रिया की समझ से देखें।
- प्राकृतिक सौंदर्य का संरक्षण करें : जितना संभव हो, पत्तियों के बिना सजावट की वैकल्पिक विधियां अपनाएं।

क्यों है यह प्रक्रिया समस्याग्रस्त

- फसल की दीर्घकालिक उत्पादकता पर असर : बार-बार पत्तियों का अनावश्यक हटाया जाना पौधों की उत्पादकता को घटाता है।
- पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है : पौधे कमजोर हो जाते हैं और कीटों या बीमारियों का आसानी से शिकार बनते हैं।
- मिट्टी की उर्वरता पर प्रभाव : जब पौधा अस्वस्थ होता है, तो उसका जैविक चक्र बाधित होता है, जो मिट्टी की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है।

क्या है नीतिगत सुझाव

- कृषि विभाग और मंडियां फल विक्रेताओं के लिए दिशा-निर्देश तय करें कि अनावश्यक रूप से पत्तियां न तोड़ी जाएं।
- प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन कार्यक्रमों में इस विषय को भी शामिल किया जाए।
- स्कूल और कृषि महाविद्यालयों में इस पर जागरूकता पाठ्यक्रम जोड़े जाएं।
- "पौधों के सतत विकास के अनुक्रम में फल विक्रेता और किसान फलों के साथ पत्तियां कभी न तोड़ें"-यह कोई मात्र सुझाव नहीं, बल्कि एक चेतावनी और संवेदनशील आह्वान है। यह प्रकृति के साथ हमारे व्यवहार का प्रतिबिंब है। जब हम छोटी बातों को गंभीरता से लेना शुरू करेंगे, तभी हम बड़े स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन ला सकेंगे। पत्तियों को न तोड़ना एक छोटी, पर अत्यंत महत्वपूर्ण आदत है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए हरियाली, उत्पादन और संतुलित विकास का रास्ता सुनिश्चित कर सकती है।

रोचक किस्से

स्टबिन्स फिर्थ

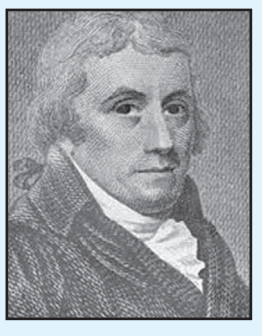

स्टबिन्स फिर्थ पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय के एक शोधकर्ता थे, जो एक खास वैज्ञानिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे, वह भी एक बेहद आश्चर्यजनक प्रोजेक्ट पर। एक प्रशिक्षु डॉक्टर के रूप में वे इस विचार से इस हद तक ग्रस्त हो गए थे कि पीत ज्वर संक्रामक नहीं है। वे इसे साबित करने की कोशिश में हद से ज्यादा कोशिश करते रहे। सिर्फ एक भरोसेमंद ब्लेड और सच्चाई जानने की अपनी अटूट इच्छा से लैस, फिर्थ ने पहले अपनी बांहें चीरीं और पीत ज्वर के मरीजों की उल्टी को अपने जख्मों पर लगा लिया। जब इससे कोई फर्क नहीं पड़ा, तो उन्होंने उल्टी अपनी आंखों में डाल ली, उस जहरीले तरल को पी लिया, उसे भून लिया और उसके धुएं में सांस ली और पागलपन के अपने आखिरी कृत्य में संक्रमित मरीजों के खून, पेशाब और लार से खुद को ढक लिया। आखिरकार फिर्थ ने अपने सिद्धांत को साबित कर दिया, बशर्ते वे बीमार न हुए। हालांकि अब हम जानते हैं कि यह सब उन्होंने उन मरीजों के नमूने लेने की वजह से भी किया था, जो संक्रमण की अंतिम अवस्था से गुजर चुके थे। दूसरे शब्दों में फिर्थ ने संक्रमित उल्टी निगल ली, लेकिन इससे रोग पर कोई नई रोशनी नहीं पड़ी।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,556.40	25,891.40
बढ़त	130.06	22.80
प्रतिशत में	0.15	0.09

सोना 1,24,300 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,48,915 प्रति किलो

अमृत विचार

मुरादाबाद, शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

समय से पीछे एसईसीएल की 12 परियोजनाएं

नई दिल्ली। कोल इंडिया की इकाई एसईसीएल की 12 कोयला खनन परियोजनाएं पर्यावरण मंजूरी और भूमि अधिग्रहण में देरी से तय समय से पीछे चल रही हैं। सरकार के आयात कम करने के लिए घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के बीच ये परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मिनी रत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है। कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार, उक्त परियोजनाओं में से तीन खदानों की लागत 500 करोड़ से अधिक है। पांच की लागत 150 करोड़ से अधिक है। दो की लागत 100 करोड़ से अधिक है। एक की लागत 50 करोड़ से अधिक है। वहीं एक की लागत 20 करोड़ से अधिक है। इनमें से कुछ परियोजनाएं अमादंड खुली खदान, आमगांव खुली खदान परियोजना और विजय पश्चिम भूमिगत खदान हैं। 18 परियोजनाएं तय समय पर चल रही हैं।

एसबीआई को ग्लोबल फाइनेंस ने किया पुरस्कृत

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को विश्व बैंक/आईएमएफ की वार्षिक बैठक में न्यूयॉर्क स्थित ग्लोबल फाइनेंस से दो प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले। देश के सबसे बड़े ऋणदाता बैंक ने दो खिताब ('वर्ल्ड्स बेस्ट कंज्यूमर बैंक 2025' और 'बेस्ट बैंक इन इंडिया 2025') जीते। एसबीआई ने कहा कि यह दोहरी मान्यता बैंक की नवाचार, वित्तीय समावेशन और ग्राहक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र में उसकी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करती है।

पावरग्रिड की हुई 3375 करोड़ की दो परियोजनाएं

नई दिल्ली। पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने 3,375 करोड़ रुपये की दो प्रमुख परियोजनाओं का अधिग्रहण किया है। ये भारी लोड वाले पारेषण गलियारों पर भार कम करने, बिजली की विश्वसनीयता में सुधार लाने और विभिन्न क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा के निर्बाध हस्तांतरण को सुगम बनाने में मदद करेंगे। पावरग्रिड ने कहा कि इसके अतिरिक्त, वे आगामी पंप स्टोरेज परियोजनाओं से बिजली की निकासी में भी सहयोग करेंगे। उसने बोली से दो एसपीवी विंध्याचल वाराणसी और एसआर डब्ल्यूआर पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड हासिल किए हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 6.7-6.9 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी

डेलॉयट इंडिया ने बढ़ती मांग एवं नीतिगत सुधारों के बीच वृद्धि का लगाया अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

डेलॉयट इंडिया ने बढ़ती मांग एवं नीतिगत सुधारों के बीच चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.7-6.9 प्रतिशत की दर से बढ़ने का गुरुवार को अनुमान लगाया। भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी।

पेशेवर सेवा कंपनी डेलॉयट ने कहा कि घरेलू मांग में तेजी, उदार मौद्रिक नीति तथा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) 2.0 जैसे संरचनात्मक सुधारों से वृद्धि को बल मिलने की संभावना है। कम मुद्रास्फीति, क्रय शक्ति में सुधार के साथ खर्च बढ़ाने में योगदान देगी। डेलॉयट इंडिया की 'भारत आर्थिक परिदृश्य' रिपोर्ट में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.7 से 6.9 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान लगाया गया है जो डेलॉयट के पिछले अनुमान से 0.3 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर औसतन 6.8 प्रतिशत बनी हुई है।

● डेलॉयट ने कहा- घरेलू मांग में तेजी, उदार मौद्रिक नीति तथा जीएसटी 2.0 से वृद्धि को बल मिलने की संभावना

डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि त्योहारों के दौरान मांग में वृद्धि उपभोग व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि से होने की संभावना है। इसके बाद मजबूत निजी निवेश की उम्मीद है क्योंकि व्यवसाय अनिश्चितताओं का सामना करने और बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए तैयारी कर रहे हैं।

निवेश धारणा में सुधार की उम्मीद

मजूमदार ने कहा कि भारत साल के अंत तक अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ समझौता कर लेगा, जिससे समग्र निवेश धारणा में सुधार होने की उम्मीद है। पहली एवं तीसरी तिमाही में मजबूत वृद्धि से समग्र वार्षिक वृद्धि को बल मिलने की संभावना है। चालू वित्त वर्ष में वृद्धि, वैश्विक चुनौतियों को लेकर संवेदनशील बनी है। अनिश्चितताएं और अमेरिका के साथ समझौता भारत की असमर्थता, ऐसे संभावित जोखिम हैं जो भारत की आर्थिक वृद्धि को प्रभावित कर सकते हैं। महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच पर प्रतिबंध और पश्चिमी देशों में उच्च मुद्रास्फीति, भारत में मुद्रास्फीति के दबाव को बढ़ा सकते हैं।

कंपनियों का राजस्व मामूली बढ़ा, दूसरी तिमाही में परिचालन लाभ 0.6% कम

● क्रिसिल रेटिंग्स ने किया 600 कंपनियों के प्रदर्शन का विश्लेषण

मुंबई, एजेंसी

भारतीय कंपनियों का राजस्व जुलाई-सितंबर तिमाही में छह प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। गुरुवार को जारी रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, परिचालन लाभ में सालाना आधार पर 0.6% की कमी आई है।

एजेंसी ने कहा कि बिजली, कोयला, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा और इस्पात क्षेत्रों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद दूसरी तिमाही में कॉरपोरेट राजस्व में सालाना आधार पर मामूली 5-6% की वृद्धि की उम्मीद है। एजेंसी ने 600 कंपनियों के प्रदर्शन का विश्लेषण किया और कहा कि धीमी वृद्धि वाली इन कंपनियों का कुल राजस्व में एक-तिहाई योगदान है। क्रमिक रूप से जुलाई-सितंबर के दौरान राजस्व वृद्धि पूर्ववर्ती अप्रैल-जून तिमाही की तुलना में एक प्रतिशत अधिक होगी।

लाभप्रदता के दृष्टिकोण से मोटर वाहन, औषधि और एल्युमीनियम की कंपनियों को बढ़ी हुई लागत का भार ग्राहकों पर डालने में कठिनाई हुई तथा परिचालन लाभ जुलाई-सितंबर तिमाही में 0.50-1% कम होने का अनुमान है। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने आईटी सेवा क्षेत्र पर दबाव डाला, जहां राजस्व वृद्धि 1% तक सीमित रहने का अनुमान है। वहीं इस्पात में राजस्व में 4% की वृद्धि की उम्मीद है, जबकि इस्पात की कीमतों में गिरावट से 9% की मात्रा में वृद्धि हुई है। विद्युत क्षेत्र का राजस्व संभवतः मात्र 1% बढ़ा जो मानसून के दीर्घावधि औसत के 108% रहने एवं नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में 10% की वृद्धि से जल विद्युत उत्पादन में हुई वृद्धि से प्रभावित हुआ, जिससे कोयला उत्पादन की मांग में कमी आई। कोयला क्षेत्र की राजस्व वृद्धि संभवतः स्थिर रही। क्रिसिल इंटेलिजेंस के निदेशक पुशन शर्मा ने कहा कि जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने से कम कीमतों पर नए भंडार से यात्री वाहनों और एफएमसीजी जैसे खंडों में अस्थायी व्यवधान उत्पन्न हुआ।

चमड़ा उद्योग के राजस्व में आ सकती है 10-12% की कमी

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा 50% का शुल्क लगाने के बाद चालू वित्त वर्ष में भारतीय चमड़ा और संबद्ध उत्पाद कंपनियों के राजस्व में 10-12% की गिरावट आ सकती है। क्रिसिल रेटिंग्स ने कहा कि अमेरिका भारतीय चमड़ा उद्योग के लिए प्रमुख निर्यात बाजार है। निर्यात पर अधिक निर्भरता से, जीएसटी की दरों में कटौती, आयकर में कमी, नियंत्रित मुद्रास्फीति और कम ब्याज दर जैसे अनुकूल आर्थिक कारकों से घरेलू मांग में मामूली सुधार के बावजूद कंपनियों की आय में गिरावट की आशंका है। भारत में चमड़ा और संबद्ध उत्पाद उद्योग के राजस्व में इस वित्त वर्ष में सालाना आधार पर 10-12% की गिरावट आ सकती है।

एथनॉल आवंटन को लेकर 350 डिस्टिलरी में अनिश्चितता व्याप्त

नई दिल्ली, एजेंसी

देश भर में 350 से अधिक चालू डिस्टिलरी को नवीनतम एथनॉल निविदा के तहत अपर्याप्त खरीद आदेशों के कारण अनिश्चित भविष्य का सामना करना पड़ रहा है। उद्योग निकायों ने आवंटन पद्धति पर चिंता जताई है जो मौजूदा इकाइयों की तुलना में नई प्रवेशकों को तरजीह देती है।

डिस्टिलरी में एथनॉल को आसवन (डिस्टिलेशन) प्रक्रियाओं के माध्यम से बनाया जाता है जिसमें गन्ने के शीरे, मक्के या अन्य बायोमास-आधारित सामग्री से प्राप्त शर्करा का किण्वन किया जाता है। डिस्टिलरी इथेनॉल वह इथेनॉल (एक प्रकार का अल्कोहल) है जो आसवन (डिस्टिलेशन) प्रक्रियाओं से बनाया जाता है, जिसमें गन्ने के शीरे, मक्के या अन्य बायोमास-आधारित सामग्री से प्राप्त शर्करा का किण्वन किया जाता है। तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) द्वारा जारी एथनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2025-26 निविदा हितधारकों की आलोचना का सामना कर रही है।

● नई निविदा को लेकर उद्योग निकायों ने आवंटन पद्धति पर जताई चिंता

भारतीय आलू दक्षिण-पूर्व एशियाई बाजारों में बना रहे हैं अपनी पकड़ : जीटीआरआई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के प्रसंस्कृत आलू उत्पाद दक्षिण पूर्व एशियाई बाजारों में अपनी पैठ बढ़ा रहे हैं। गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि निर्जलित (डिहाइड्रेटेड) आलू के दानों एवं पेलेट्स का निर्यात 2021-22 के 1.14 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 6.33 करोड़ डॉलर हो गया है जिससे यह भारत की सबसे तेजी से बढ़ती प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात श्रेणी बन गई है।

निर्जलित आलू के दाने एवं पेलेट्स... सूखे हुए आलू उत्पाद हैं जो 'मैश' किए हुए आलू के लिए एक सुविधाजनक विकल्प हैं, जिन्हें पानी डालकर फिर से तैयार किया जा सकता है। अन्य प्रसंस्कृत आलू उत्पादों के निर्यात जो अच्छी वृद्धि दर दर्ज कर रहे हैं, उनमें आटा, स्टार्च, चिप्स और रेडी-टू-ईट (खाने के लिए तैयार) आदि शामिल हैं। इन वस्तुओं का निर्यात 2021-22 के 62 लाख डॉलर से बढ़कर गत वित्त वर्ष 2024-25 में 1.88 करोड़ डॉलर हो गया है।

● आलू के दानों एवं पेलेट्स का निर्यात 2021-22 के 1.14 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 6.33 करोड़ डॉलर हुआ

उत्तर प्रदेश और गुजरात दे रहे बढ़ावा

गुजरात और उत्तर प्रदेश नए निर्जलीकरण संयंत्रों, अनुबंध खेती एवं कोल्ड-चेन बुनियादी ढांचे के साथ इस तेजी को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसे 5.6 करोड़ टन वार्षिक आलू की फसल का समर्थन प्राप्त है। जहां यूरोप ऊर्जा लागत एवं अनियमित फसलों से जूझ रहा है और चीन घरेलू मांग को प्राथमिकता दे रहा है, वहीं भारत, एशिया के स्नैक और क्यूएसआर (त्वरित-सेवा रेस्तरां) उद्योगों के लिए आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है।

2024 में डिजिटल भुगतान की हिस्सेदारी 99.7%: आरबीआई

मुंबई, एजेंसी

देश में 2024 के दौरान भुगतान प्रणाली में मात्रा के हिसाब से डिजिटल भुगतान लेनदेन 99.7% और मूल्य के हिसाब से 97.5% रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की गुरुवार को जारी रिपोर्ट में ये जानकारी दी गई।

रिपोर्ट अनुसार, यह प्रवृत्ति 2025 की पहली छमाही में भी जारी रही। रिजर्व बैंक की जून की अर्धवार्षिक भुगतान प्रणाली रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में हाल के वर्षों में भुगतान प्रणाली में काफी तेजी से वृद्धि हुई है। देश में भुगतान प्रणाली कई प्रकार के तरीकों का समूह है, जो उपयोगकर्ताओं की जरूरतों के लिए बनाया गया है। इनमें कागज आधारित साधन जैसे चेक और डिजिटल भुगतान दोनों हैं। डिजिटल भुगतान प्रणालियों में एनईएफटी, आईएमपीएस, आरटीजीएस, एनएसीएच, डेबिट और क्रेडिट कार्ड, प्रीपेड भुगतान और यूपीआई हैं। सभी प्रकार के भुगतान में वृद्धि हो रही है, सिवाय कागज आधारित साधनों के। मूल्य के हिसाब से चेक कुल लेनदेन का 2.3% हिस्सा है। 2019 में कुल 3,248 करोड़ भुगतान हुए थे, जो 2024 तक बढ़कर 20,849 करोड़ हो गए। इसी अवधि में कुल भुगतान की रकम 1,775 लाख करोड़ से बढ़कर 2,830 लाख करोड़ रुपये हो गई। 2025 को समाप्त छमाही में 12,549 करोड़ लेन-देन हुए।

● रिपोर्ट के अनुसार, भुगतान प्रणाली में हुई तेज वृद्धि

राष्ट्रीय

अभिभावक नहीं बेच सकते नाबालिग की संपत्ति

नाबालिग संपत्ति पर फैसला, कोर्ट की बिना मंजूरी के संपत्ति हस्तांतरण को अस्वीकार करने को मुकदमे की जरूरत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने नाबालिगों से जुड़े संपत्ति लेनदेन पर महत्वपूर्ण फैसले में व्यवस्था दी है कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को वयस्क होने पर अपने स्वाभाविक अभिभावकों द्वारा अदालत की मंजूरी के बिना संपत्ति हस्तांतरण को अस्वीकार करने के लिए मुकदमा दायर करने की जरूरत नहीं है।

7 अक्टूबर को शीर्ष अदालत ने कहा कि कोई नाबालिग वयस्क हो जाता है, तो वह अभिभावक द्वारा संपत्ति के हस्तांतरण को अस्वीकार कर सकता है, जैसे कि उस संपत्ति को स्वयं बेच देना या किसी को स्थानांतरित कर देना। यह फैसला न्यायमूर्ति पंकज मिथल और प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने केएस शिवप्पा बनाम श्रीमती के नीलाम्मा मामले में सुनाया। न्यायमूर्ति मिथल ने कहा कि यह सुरक्षित रूप से निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि नाबालिग के अभिभावक द्वारा निष्पादित 'अमान्य करने योग्य' (वॉयडेबल) लेनदेन को वह नाबालिग वयस्कता हासिल करने पर ऐसे लेनदेन को निरस्त करने के लिए मुकदमा दायर करके या अपने निर्विवाद प्रवर्तन से अस्वीकार या नजरअंदाज कर सकता है।

विवादास्पद प्रश्न यह था कि क्या नाबालिगों के लिए यह आवश्यक है कि वे अभिभावक द्वारा निष्पादित पूर्व विक्रय विलेख को रद्द कराने को वयस्क होने पर निर्धारित समयावधि के भीतर वाद दायर करें। इसमें कहा गया कि प्रश्न यह है कि क्या वयस्क होने के तीन वर्ष के भीतर उनके आचरण से इस तरह के विक्रय विलेख को अस्वीकृत किया जा सकता है। पीठ ने हिन्दू अप्राप्तवयता संरक्षकता अधिनियम, 1956 की धारा 7-8 का हवाला दिया तथा कहा कि प्रावधानों को सरलता से पढ़ने से स्पष्ट होता है कि नाबालिग के अभिभावक को अदालत की अनुमति के बिना नाबालिग की संपत्ति के किसी भी हिस्से को बंधक रखने, बेचने, उपहार देने या अन्य किसी प्रकार से हस्तांतरित करने या यहां तक कि ऐसी संपत्ति के किसी भी हिस्से को पांच साल से अधिक अवधि के लिए या नाबालिग के वयस्क होने की तारीख से एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए पट्टे पर देने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है।

सीजेआई की तरफ जूता फेंकने का प्रयास करने वाले वकील के खिलाफ अवमानना याचिका पर 27 को सुनवाई

उच्चतम न्यायालय कार्यवाही के दौरान इस माह के प्रारंभ में प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की ओर जूता उछालने का प्रयास करने वाले वकील राकेश किशोर के खिलाफ अवमानना कार्रवाई संबंधी याचिका पर 27 अक्टूबर को सुनवाई करेगा। उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई 27 अक्टूबर की वाद सूची के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) द्वारा दायर याचिका पर न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष सुनवाई होगी। छह अक्टूबर को चौंकाने वाली सुरक्षा चूक में, 71 वर्षीय किशोर ने न्यायालय कक्ष में प्रधान न्यायाधीश की ओर जूता फेंकने का प्रयास किया, जिसके बाद भारती विधिज्ञ परिषद ने तत्काल प्रभाव से उनका लाइसेंस निलंबित कर दिया। इस घटना के दौरान और उसके बाद भी अविचलित रहे प्रधान न्यायाधीश ने अदालत के अधिकारियों और मौजूद सुरक्षाकर्मियों से इसे अनदेखा करने को कहा और दोषी वकील को चेतावनी देकर छोड़ दिया। इस घटना की समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा व्यापक निंदा की गई तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधान न्यायाधीश से बात की और घटना को ''निंदनीय'' करार दिया।

राजग के विकास और महागठबंधन के विनाश के बीच मुकाबला : नड्डा

बिहार विस चुनाव

औरंगाबाद में जनसभा को संबोधित करते जेपी नड्डा।

औरंगाबाद (बिहार), एजेंसी

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विकास और 'इंडिया' गठबंधन के 'विनाश' के बीच की लड़ाई है। औरंगाबाद की जनसभा में नड्डा ने कांग्रेस पर निशाना साधा और उसे ऐसी परजीवी पार्टी बताया, जो अपने छोटे सहयोगी दलों को समाप्त कर देती है।

उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि लालू प्रसाद की पार्टी रंगदारी, जंगलराज और दबंगई की प्रतीक है। नड्डा ने महागठबंधन द्वारा तेजस्वी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए जाने पर कहा कि बिहार की जनता राजद और कांग्रेस के शासनकाल के इतिहास से वाकिफ़ है। भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि वह दौर अराजकता, जंगलराज और विकास की राह में रुकावटों का दौर था, जिसने बिहार को दशकों पीछे धकेल दिया। महागठबंधन सिर्फ सत्ता के लिए बनाया गया अपवित्र गठबंधन है, जो राज्य के लिए केवल विनाश लाएगा। नड्डा ने तेजस्वी यादव द्वारा युवाओं को रोजगार देने और पलायन रोकने के वादे पर तंज कसते हुए कहा कि राजद की ऐसी घोषणाएं भूमि के बदले नौकरी घोटाले की याद दिलाती हैं। उन्होंने राजद के इस चुनावी वादे की आलोचना की कि बिहार के हर परिवार को सरकारी नौकरी दी जाएगी। नड्डा ने सवाल उठाया कि इसके लिए धन कहां से आएगा और वेतन कैसे दिया जाएगा।

तेजस्वी के वादे अव्यावहारिक, नौकरी के बहाने जमीन छीनने की साजिश: रविशंकर प्रसाद

पटना। भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने तेजस्वी यादव के चुनावी वादों को अव्यावहारिक करार देते हुए दावा किया कि राजद लोगों को सरकारी नौकरी देने के बहाने उनकी जमीन छीनने की साजिश रच रहा है। उन्होंने ये टिप्पणी राजद शासनकाल के दौरान भूमि के बदले नौकरी घोटाले की ओर इशारा करते हुए की। भाजपा नेता ने कहा कि तेजस्वी यादव ने राज्य के 2.6 करोड़ परिवारों में से एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने का वादा किया है। इसके लिए 12 लाख करोड़ रुपये की जरूरत होगी, जबकि बिहार का कुल बजट तीन लाख करोड़ है। ऐसे में वे यह वादा कैसे पूरा करेंगे?

रक्षा मंत्रालय ने 79,000 करोड़ के खरीद प्रस्तावों को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्रालय ने सेना की क्षमता को बढ़ाने के लिए नाग मिसाइलों, युद्धक जहाजों और इलेक्ट्रॉनिक खुफिया एवं निगरानी प्रणालियों सहित 79,000 करोड़ के हथियार और सैन्य साजो-सामान खरीदने के प्रस्तावों को गुरुवार को मंजूरी दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) की बैठक की अध्यक्षता की।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद खरीद पर यह दूसरा बड़ा फैसला है। 5 अगस्त को 67,000 करोड़ की खरीद को मंजूरी दी गई। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि डीएसी ने 79,000 करोड़ रुपये की कुल लागत के विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी। भारतीय नौसेना के लिए, लैंडिंग प्लेटफ़ॉर्म डॉक्स (एलपीडी), 30 मिमी नेवल सरफेस गन (एनएसजी), एडवांस्ड लाइट वेट टॉरपीडो (एएलडब्ल्यूटी), इलेक्ट्रो ऑप्टिकल इन्फ्रा-रेड सर्च एंड ट्रैक सिस्टम और 76 मिमी सुपर रैपिड गन माउंट के लिए गोला-बारूद की खरीद को मंजूरी दी गई। एलपीडी की खरीद से नौसेना को सेना और वायु सेना के साथ जल-थल अभियानों को अंजाम देने में मदद मिलेगी। नौसेना चार एलपीडी खरीदने पर विचार कर रही है। डीआरडीओ की नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित एएलडब्ल्यूटी को शामिल करने से पारंपरिक, परमाणु और छोटी पनडुब्बियों को निशाना बनाया जा सकेगा। 30 मिमी एनएसजी से नौसेना और तटरक्षक बल के समुद्री अभियानों की सफलता में वृद्धि होगी।

● रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की रक्षा खरीद परिषद की बैठक की अध्यक्षता

दिल्ली में मुठभेड़ बिहार के चार वांछित अपराधी मारे गए

नई दिल्ली। रोहिणी इलाके में दिल्ली और बिहार पुलिस की संयुक्त टीम के साथ मुठभेड़ में चार वांछित अपराधी मारे गए। ये अपराधी बिहार में वसूली और हत्या के मामलों में संलिप्त थे।

संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) सुरेंद्र कुमार ने बताया कि आरोपियों में सीतामढ़ी जिले के रंजन पाठक, बिमलेश महतो उर्फ बिमलेश सहनी, मनीष पाठक और अमन ठाकुर है, जो 'सिग्मा गिरोह' थे। गिरोह के सरगना रंजन पाठक पर 25,000 का इनाम था और वह आठ मामलों में वांछित था। पुलिस ने रंजन को खूंखार अपराधी बताते हुए कहा कि तीन महीन में वह वसूली व हत्या के चार मामलों से पांच में लिप्त रहा था। हाल में 13 अक्टूबर के मामले में, उसने एक व्यक्ति से रंगदारी मांगी थी और रकम न देने पर जान से मारने की धमकी दी थी।

संवैधानिक शासन प्रणाली में अदालतों की सक्रिय भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी

जनता के विश्वास को न्यायपालिका की मूल्यवान संपत्ति बताते हुए प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने गुरुवार को कहा कि संवैधानिक शासन प्रणाली और संविधान के कार्यक्षेत्र को पूरा करने में न्यायालयों की सक्रिय एवं अपरिहार्य भूमिका है।

सीजेआई ने कहा कि संवैधानिक शासन में न्यायालयों की शायद सबसे स्थायी भूमिका कानून के शासन में जनता के विश्वास को बनाए रखना है। न्यायालयों के निर्णय, भले अलोकप्रिय हों, निष्पक्षता और नैतिक साहस को प्रतिबिंबित करने वाले होने चाहिए। भूटान की चार दिवसीय यात्रा पर गए न्यायमूर्ति गवई ने रॉयल इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, थिम्पू में जिग्मे सिंग्ये वांगचुक (जेएसडब्ल्यू) स्कूल ऑफ लॉ के कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने न्यायालय और संवैधानिक शासन षय पर न्यायालयों की सक्रिय भूमिका सहित कई पहलुओं पर प्रकाश डाला। सीजेआई ने कहा कि मैं एक व्यापक बिंदु पर जोर देना चाहता हूं, किसी देश की अदालतों की संवैधानिक शासन प्रणाली में और संविधान के कार्यक्षेत्र को पूरा करने में एक सक्रिय एवं अपरिहार्य भूमिका होती है।

● भूटान की यात्रा पर गए सीजेआई गवई ने स्कूल ऑफ लॉ के कार्यक्रम को किया संबोधित

तेजस्वी बने सीएम पद के उम्मीदवार

पटना। महागठबंधन ने बिहार चुनाव के लिए राजद नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया। महागठबंधन के घटक दलों के नेताओं में कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने तेजस्वी के नाम की घोषणा की। गहलोत ने कहा कि महागठबंधन की सरकार बनी, तो तेजस्वी मुख्यमंत्री, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के संस्थापक मुकेश सहनी उप मुख्यमंत्री बनाए जाएंगे। समाज के अन्य वर्गों से भी उप मुख्यमंत्री बनाए जाएंगे, हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया कि महागठबंधन की सरकार बनने पर उसमें कितने उप मुख्यमंत्री होंगे। 'सन ऑफ मल्लाह' के नाम से मशहूर सहनी निषाद जाति से आते हैं।

तेजस्वी सीएम नहीं बन सकते : नित्यानंद

पटना। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री और भाजपा नेता नित्यानंद राय ने कहा कि महागठबंधन ने भले ही तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बना दे, लेकिन जनता उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनने देगी। राय ने कहा कि लोकतंत्र में मुख्यमंत्री का चयन जनता करती है और जनता प्रधानमंत्री मोदी के विकास पर भरोसा करती है। बिहार ने 20 वर्षों में नीतीश कुमार के नेतृत्व को स्वीकारा ही नहीं, बल्कि सराहा भी है। राय ने आरोप लगाया कि गलती से तेजस्वी के नेतृत्व में सरकार बन गई तो बिहार में जंगलराज लौट आएगा। हत्या, लूट, बलात्कार, जमीन-जायदाद की लूटपाट शुरू हो जाएगी और बिहार 1990 से 2005 के दौर में वापस चला जाएगा।

महागठबंधन विभाजित कुनबा, क्या तेजस्वी विपक्ष के नेता बन पाएंगे: भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने बिहार में विपक्षी महागठबंधन को 'विभाजित कुनबा' करार देते हुए राजद से कहा कि उसे इस बात की चिंता करनी चाहिए कि विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री पद का चेहरा तेजस्वी यादव नतीजों की घोषणा के बाद विपक्ष के नेता भी बन पाएंगे या नहीं। विस चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की प्रचंड जीत का भरोसा जताते हुए भाजपा ने दावा किया कि तेजस्वी और मुकेश सहनी को मजबूरी के चलते चुनाव से पहले मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया है। भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि राजद ने पटना में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में लगाए पोस्टर में राहुल गांधी की जगह तेजस्वी का चेहरा प्रदर्शित कर पार्टी को उसकी औकात दिखा दी है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने कहा कि महागठबंधन विभाजित कुनबा है। इसलिए वे एकता का संदेश देने की कोशिश कर रहे थे।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिकी सेना ने मादक पदार्थ तस्करी करने वाले जहाज को डुबोया

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में आठवें मादक पदार्थ तस्कर जहाज को डुबो दिया, जिसके कारण दो लोगों की मौत हो गई। यह प्रशांत क्षेत्र में इस तरह का पहला हमला था, जिसमें दो लोग मारे गए। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बुधवार को एक्स पर में लिखा, कल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर युद्ध विभाग ने एक नामित आतंकवादी संगठन द्वारा संचालित एवं पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक जहाज पर घातक गतिज हमला किया। उन्होंने ने जहाज पर मादक पदार्थ ले जाने और एक ज्ञात मादक पदार्थ तस्करी पारगमन मार्ग से गुजरने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा, जैसे अल-कायदा ने हमारी मातृभूमि पर युद्ध छेड़ा था, वैसे ही ये कार्टेल हमारी सीमा और हमारे लोगों के खिलाफ युद्ध छेड़ रहे हैं। न कोई शरण मिलेगी, न कोई क्षमा, केवल न्याय।

दुबई: दिवाली समारोह में भारतीय छात्र की हृदयाघात से मौत

दुबई। यूएई का गोल्डन वीजा हासिल करने वाले 18 वर्षीय भारतीय छात्र की दिवाली समारोह के दौरान दुबई में हृदयाघात के कारण मृत्यु हो गई। गल्फ न्यूज की बुधवार की खबर के अनुसार, मिडलसेक्स यूनिवर्सिटी दुबई में बीबीए मार्केटिंग के प्रथम वर्ष के छात्र वैष्णव कृष्णकुमार की मंगलवार को 'दुबई इंटरनेशनल एकेडमिक सिटी' में दिवाली समारोह के दौरान अचानक मृत्यु हो गई। रिपोर्ट में कहा गया कि उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे हृदय गति रुकने के कारण मृत घोषित कर दिया। परिवार के अनुसार, दुबई पुलिस का फॉरेंसिक विभाग जांच कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि वैष्णव को हृदय संबंधी कोई ज्ञात समस्या नहीं थी।

अमेरिका : नशे में धुत भारतीय ट्रक चालक ने मारी टक्कर, तीन मरे

न्यूयॉर्क। अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत में भारतीय मूल के ट्रक चालक पर नशे में गाड़ी चलाने और एक दुर्घटना का कारण बनने का आरोप लगाया गया है। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गयी। स्थानीय मीडिया ने अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। फॉक्स न्यूज ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि जशनप्रीत सिंह (21) ने मंगलवार को दक्षिणी कैलिफोर्निया में धीमी गति से चल रहे वाहनों को कथित तौर पर अपने ट्रक से टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गयी जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि सिंह ने अपने ट्रक को ट्रैफिक जाम में घुसाने से पहले कभी ब्रेक नहीं मारा था।

भारतीय मूल के इतिहासकार सुनील अमृत को ब्रिटिश एकेडमी बुक प्राइज

लंदन, एजेंसी

● जलवायु संकट से आगाह करती है अमृत की पुस्तक द बर्निंग अर्थ

भारतीय मूल के इतिहासकार सुनील अमृत की पुस्तक 'द बर्निंग अर्थः एन एनवायरनमेंटल हिस्ट्री ऑफ द लास्ट 500 इयर्स' को ब्रिटिश एकेडमी बुक प्राइज से सम्मानित किया गया है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के तहत 25,000 पाउंड दिए जाते हैं। यह पुरस्कार दुनियाभर की सर्वश्रेष्ठ गैरकाल्पनिक पुस्तकों को दिया जाता है।

अमेरिका के येल विश्वविद्यालय में इतिहास के प्रोफेसर सुनील अमृत का जन्म केन्या में हुआ था। उनके माता-पिता दक्षिण भारतीय हैं। वे सिंगापुर में पलेबढ़े और इंग्लैंड के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातक प्राप्त हैं। अमृत की इस नवीनतम पुस्तक को बुधवार शाम लंदन में ब्रिटिश एकेडमी में एक समारोह में पुरस्कृत किया गया। निर्णायकों ने इस पुस्तक को जलवायु संकट के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया। अमृत ने कहा कि मुझसे कई बार पूछा गया है कि क्या 'द बर्निंग अर्थ' निराश करने वाली पुस्तक है। उन्होंने कहा, इसमें निस्संदेह मानव और पर्यावरणीय पीड़ा का विवरण है, लेकिन यह भी दिखाता है कि इन दोनों का संबंध गहराई से जुड़ा रहा है।

अंतहीन गुलामी से मिलेगी मुक्ति

सऊदी अरब में करीब 75 साल पुराना कफाला लेबर स्पॉन्सरशिप सिस्टम खत्म कर दिया गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि इसके बाद सऊदी अरब में उन लाखों विदेशी श्रमिकों को राहत मिलेगी जो रोजगार के लिए यहां पहुंचने के बाद अंतहीन गुलामी के लिए मजबूर हो जाते थे। दरअसल, सऊदी अरब में कफाला सिस्टम 1950 के दशक में तेल अर्थव्यवस्था के विस्तार के दौरान विदेशी श्रम की बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए शुरू किया गया था। इसके तहत प्रवासी श्रमिकों को एक स्थानीय प्रायोजक से जोड़ा जाता था, जिसे कफील कहते थे। कफील ज्यादा से ज्यादा श्रम दोहन के लिए श्रमिकों के साथ जानवरों जैसे बर्ताव के लिए जाने जाते थे। अब अंतर्राष्ट्रीय दबाव में कफाला खत्म तो कर दिया गया है लेकिन इससे श्रमिकों की जिंदगी में कोई बदलाव आएगा, इस पर संदेह जताया जा रहा है।

कफाला सिस्टम खत्म

श्रमिकों पर अमानवीय नियंत्रण

- कफाला सिस्टम नियोक्ताओं को श्रमिकों पर पूर्ण नियंत्रण देता था, इससे यह गुलामी के समान हो गया था।
- नियोक्ता श्रमिकों के पासपोर्ट और पहचान पत्र जब्त कर लेते थे ताकि वे उनकी मर्जी बिना कहीं न जा सकें।
- श्रमिक अपने कफील की अनुमति के बिना नौकरी नहीं बदल सकते थे, इससे वे शोषण का शिकार होते थे।
- वेतन में देरी या देने से मना कर देने पर भी श्रमिकों की ओर से विरोध करने की कोई गुंजाइश नहीं होती थी।
- श्रमिकों को अक्सर लंबे समय तक काम करना पड़ता था, वे अमानवीय स्थितियों में रहने के लिए मजबूर थे।

इन देशों में भी कफाला सिस्टम

खाड़ी सहयोग परिषद के कई देशों में कफाला सिस्टम लागू है, जिसमें बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन और लेबनान शामिल हैं। इनमें से कुछ देशों ने हाल के वर्षों में सुधार किए हैं, लेकिन पूरी तरह से इसे खत्म नहीं किया गया है।

शोषण - दुर्व्यवहार

- कफाला सिस्टम के तहत श्रमिकों को उनके मूल मानवाधिकारों से भी वंचित कर दिया गया था।
- दुर्व्यवहार की शिकायत करने की मनाही, ऐसा करने पर उन्हें देश से निकाले जाने की आशंका।
- घरेलू कामगार महिलाओं के सामने शारीरिक और यौन शोषण का शिकार होने की मजबूरी।
- कानूनी मदद लेने का कोई रास्ता नहीं था क्योंकि ये भी प्रायोजक की अनुमति पर निर्भर था।

मुख्य रूप से प्रभावित देश

सऊदी अरब में कफाला सिस्टम से दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के श्रमिक मुख्य रूप से प्रभावित थे।

देश में प्रवासी श्रमिकों की संख्या 1.3 करोड़ से भी ज्यादा, इनमें भारतीय श्रमिकों की संख्या लगभग 25 लाख।

इसके अलावा पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और फिलीपींस जैसे देशों के भी लाखों श्रमिक सऊदी अरब में हैं।

अमानवीयता का विरोध

मानवाधिकार संगठनों के साथ कई देशों की सरकारों की ओर से लगातार कफाला सिस्टम के विरोध में आवाज उठाई जा रही थी। फिलीपींस और नेपाल समेत कुछ देशों ने अपने नागरिकों को खाड़ी देशों में काम पर जाने से रोकने जैसे कदम भी उठाए हैं।

कफाला खत्म होने के मुख्य लाभ

- प्रवासी श्रमिक अपने नियोक्ता की अनुमति के बिना नौकरी बदल सकेंगे और इच्छानुसार देश भी छोड़ सकेंगे।
- प्रवासी श्रमिकों के पास बेहतर वेतन व काम चुनने का मौका होगा, इससे उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।
- सऊदी अरब को भी अपनी वैश्विक छवि बेहतर होने के साथ देश में विदेशी निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद।

नेतन्याहू के दांव पर भड़के अमेरिकी उपराष्ट्रपति, कहा- ये अपमानजनक

वेंस के दौरे के बीच इजराइली संसद में हुआ वेस्ट बैंक के विलय के लिए मतदान

यरुशलम, एजेंसी

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने दौरे के बीच वेस्ट बैंक के विलय पर इजराइल की संसद में हुए मतदान की सख्त आलोचना की। उन्होंने इसे मूर्खतापूर्ण राजनीतिक स्टंट और अपमानजनक बताया। उधर, इससे पहले वेंस से वार्ता के दौरान इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में तुर्किये की उपस्थिति के साथ कई बिंदुओं पर विरोध जताया।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस दो दिन पहले इजराइल के दौरे पर पहुंचे थे। उनके दौरे के बीच ही इजराइल की संसद नेसेट में वेस्ट बैंक के विलय को लेकर मतदान कराया गया। वेंस ने इजराइल यात्रा के समापन पर प्रस्थान करने से पहले तेल अवीव के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इस कदम को एक अपमान बताया। वेंस ने कहा, यदि यह मतदान एक राजनीतिक स्टंट था तो यह एक बहुत ही मूर्खतापूर्ण राजनीतिक स्टंट है। वेंस ने इजराइल की संसद नेसेट में हुए मतदान को लेकर कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से इसे अपमानजनक मानता हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की नीति यह है कि वेस्ट बैंक को इजराइल द्वारा नहीं हड़पा जाएगा।

इससे पहले इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने येरूशलम में बुधवार को अमेरिकी उपराष्ट्रपति के साथ अपनी बैठक में युद्धविराम समझौते के अगले चरणों के कार्यान्वयन की इच्छा व्यक्त की। नेतन्याहू ने कुछ ऐसे महत्वपूर्ण बिंदुओं को भी रेखांकित किया जिनका समाधान न होने पर आगे की प्रगति बाधित हो सकती है। उन्होंने गाजा पट्टी में तुर्किये की किसी भी प्रकार से हस्तक्षेप न करने की इजराइल की मांग और गाजा पट्टी के प्रशासन में फिलिस्तीनी प्राधिकरण या हमास की किसी भी भागीदारी पर अपने विरोध जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों का उल्लेख किया।

युद्ध विराम के बाद पहली बार डब्ल्यूएचओ ने गाजा से गंभीर रूप से बीमार मरीजों को निकाला

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने गाजा पट्टी से 41 गंभीर रूप से बीमार मरीजों और 145 सहयोगियों को सफलतापूर्वक निकाल लिया है। यह युद्धविराम लागू होने के बाद पहली ऐसी कार्रवाई है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधनोम घेब्रेयेसस ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, डब्ल्यूएचओ ने गाजा से 41 गंभीर मरीजों और 145 सहयोगियों की चिकित्सा निकासी का नेतृत्व किया, यह युद्धविराम के बाद पहली बार हुआ है। उन्होंने कहा कि लगभग 15,000 मरीजों को अभी भी चिकित्सा निकासी की तत्काल आवश्यकता है और वे गाजा के बाहर उपचार के लिए अनुमति का इंतजार कर रहे हैं। टेड्रोस ने राष्ट्रों से एकजुटता दिखाने और इस प्रक्रिया को तेज करने के लिए सभी संभावित मार्ग खोलने की अपील दोहराई।

यूरोपीय संघ के नेताओं ने गाजा में अपनी भूमिका की मांग की

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ के नेता गाजा और कब्जे वाले वेस्ट बैंक में अधिक सक्रिय भूमिका निभाए जाने की मांग कर रहे हैं। ब्रसेल्स में बृहस्पतिवार को होने वाले शिखर सम्मेलन में मुख्यत: यूक्रेन और रूस पर चर्चा होने की संभावना है। यूरोपीय संघ के राष्ट्राध्यक्षों द्वारा गाजा में अस्थिर युद्धविराम और युद्धग्रस्त तटीय क्षेत्र में स्थिरता के लिए यूरोपीय संघ के संभावित समर्थन पर भी चर्चा किए जाने की उम्मीद है। यूरोपीय संघ फिलिस्तीनियों को सहायता प्रदान करने में सबसे आगे रहा है और यह इजराइल का शीर्ष व्यापारिक साझेदार है। लक्जमबर्ग के प्रधानमंत्री ल्यूक फ्रीडेन ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि यूरोप सक्रिय भूमिका निभाए क्योंकि गाजा में संकट अभी खत्म नहीं हुआ है, शांति स्थाई नहीं है। ईयू अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने सितंबर में इजराइल के खिलाफ प्रतिबंध लगाने और आंशिक व्यापार निलंबन की घोषणा की थी, जिसका उद्देश्य गाजा में शांति समझौते पर पहुंचने के लिए उस पर दबाव बनाना था।

एक रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री ने कहा कि हमास के पूर्ण निरस्त्रीकरण और गाजा पट्टी के पूर्ण विसैन्यीकरण के बाद ही इजराइली सेना पूरी तरह पीछे हटेगी। विवाद का प्रमुख बिंदु नेतन्याहू की गाजा पट्टी के प्रशासन में फिलिस्तीनी प्राधिकरण को शामिल न करने की मांग है।

आसियान में भी ट्रंप से नहीं होगी मुलाकात वर्चुअल माध्यम से हिस्सा लेंगे मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

● अटकलों पर लगा विराम, भारत में चल रहे त्योहारों को बताया कारण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 22 वें आसियान -भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से हिस्सा लेने के निर्णय से उनकी मलेशिया यात्रा और वहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मुलाकात को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। मलेशियाई प्रधानमंत्री के मुताबिक मोदी ने भारत में चल रहे त्योहारों को शिखर सम्मेलन में न जाने का कारण बताया है।

दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के संगठन (आसियान) -भारत शिखर सम्मेलन 26 से 28 अक्टूबर तक कुआलालंपुर में हो रहा है। गुरुवार को पहले प्रधानमंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में स्वयं यह जानकारी दी, बाद में विदेश मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 26 अक्टूबर को इस सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से भाग लेंगे। भारत का कहना है कि आसियान के साथ संबंधों को मजबूत करना उसकी एक्ट ईस्ट नीति और हमारे हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण का एक प्रमुख स्तंभ है। साथ ही वक्तव्य में कहा गया है कि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर 27 अक्टूबर को कुआलालंपुर में 20वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी का प्रतिनिधित्व करेंगे।

मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि उन्होंने शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष और मेजबान मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से बात कर यह जानकारी दी है कि वह इस सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से हिस्सा लेंगे। मलेशियाई प्रधानमंत्री ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि मोदी ने उन्हें फोन किया और व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और क्षेत्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के मुद्दे पर चर्चा की। मोदी ने उन्हें बताया है कि वह सम्मेलन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे क्योंकि भारत में इस समय त्योहार चल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर अभी कोई सहमति नहीं बन पाई है और यह कयास लगाए जा रहे थे कि मलेशिया में आसियान शिखर सम्मेलन में ट्रंप और मोदी के बीच मुलाकात के दौरान इसमें प्रगति हो सकती है।

सिंगापुर: पटाखे फोड़ने पर भारतीय गिरफ्तार

सिंगापुर। सिंगापुर में दिवाली के जश्न के दौरान आतिशबाजी करने के आरोप में बृहस्पतिवार को 39 वर्षीय भारतीय मूल के एक व्यक्ति पर मामला दर्ज किया गया। शहर में आतिशबाजी पर प्रतिबंध है। चैनल न्यूज एशिया की रिपोर्ट के अनुसार, दिलीप कुमार निर्मल कुमार ने पिछले हफ्ते कार्लिस्ले रोड के खुले मैदान में आतिशबाजी की, जो बंदूक, विस्फोटक और हथियार नियंत्रण अधिनियम 2021 के तहत अपराध है। यह मामला तब सामने आया जब आतिशबाजी का एक वीडियो क्लिप ऑनलाइन पोस्ट किया गया।

तंजानिया में आम चुनाव से कुछ दिन पहले शीर्ष विपक्षी नेता गिरफ्तार

दार एस सलाम। तंजानिया में अगले हफ्ते होने वाले आम चुनाव से पहले असहमति जताने वालों पर कार्रवाई के बीच मुख्य विपक्षी पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, चाडेमा के उप-अध्यक्ष जॉन हेचे को पार्टी नेता टुंडू लिस्सू के राजद्रोह के मुकदमे में शामिल होने की कोशिश करते समय हिरासत में लिया गया। चाडेमा ने एक बयान में आरोप लगाया कि सरकार वरिष्ठ पार्टी नेताओं को गिरफ्तार करने और उन्हें 29 अक्टूबर को होने वाले चुनावों तक हिरासत में रखने की योजना बना रही है। सरकार ने इस आरोप पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। चाडेमा ने कहा कि हेचे को बुधवार को दार एस सलाम स्थित उच्च न्यायालय पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया गया।

गगनयान : 2027 की शुरुआत तक पूरा हो जाएगा मानवयुक्त मिशन

बेंगलुरु। इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने बृहस्पतिवार को कहा कि गगनयान मिशन तेजी से आगे बढ़ रहा है और लगभग 90 प्रतिशत विकास कार्य पूरा हो चुका है। गगनयान मिशन भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन है।

नारायणन ने कहा, गगनयान मिशन पर बहुत अच्छी तरह काम जारी है। आप जानते हैं कि बहुत सारे तकनीकी विकास होने हैं। रॉकेट का मानव-रेटिंग प्रमाणन होना है, कक्षीय मॉड्यूल विकसित करना है और पर्यावरण नियंत्रण सुरक्षा प्रणाली विकसित करनी है। फिर चालक दल

● इसरो प्रमुख ने की घोषणा, कहा- 90 प्रतिशत काम हो चुका है पूरा

की सुरक्षा की प्रणाली, पैराशूट प्रणाली और फिर मानव-केंद्रित उत्पाद आते हैं। वह तीन से पांच नवंबर तक नई दिल्ली में आयोजित उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन की प्रचार गतिविधियों के अवसर पर पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा, पहले मानवरहित मिशन में, व्योममित्र उड़ान भरने जा रहा है और हम 2027 की शुरुआत तक मानवयुक्त मिशन पूरा करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

अमेरिका ने रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों पर लगाए नए प्रतिबंध

वॉशिंगटन, एजेंसी

● अमेरिकी वित्त मंत्री ने कहा- जरूरत पड़ी तो और भी कार्रवाई करेंगे

रूस पर यूक्रेन युद्ध समाप्त करने का दबाव बढ़ाने को अमेरिका ने मास्को की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बुधवार को यह घोषणा करते हुए मास्को की निरर्थक युद्ध समाप्त न करने की जिद की कड़ी आलोचना की।

बेसेंट ने कहा कि रोसनेफ्ट और लुकोइल सहित दर्जनों सहायक कंपनियों पर लगाए गए ये प्रतिबंध राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर महीनों से पड़ रहे द्विदलीय दबाव के बाद लगाए गए हैं, जिसमें रूस के तेल उद्योग को और कड़े प्रतिबंधों के दायरे में लाने की मांग की जा रही थी। उन्होंने कहा, यह समय हत्या बंद करने और तत्काल युद्धविराम का है। बेसेंट ने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो वित्त मंत्रालय अतिरिक्त कार्रवाई करने को तैयार है, ताकि राष्ट्रपति ट्रंप के युद्ध समाप्त करने के प्रयासों को समर्थन मिल सके। उन्होंने कहा, हम अपने सहयोगियों से अपील करते हैं कि वे भी इन प्रतिबंधों में हमारे साथ शामिल हों और इनका पालन करें।

बेसेंट ने यह टिप्पणी उस समय की जब नाटो महासचिव मार्क रुटे वॉशिंगटन में राष्ट्रपति ट्रंप से वार्ता के लिए मौजूद थे। नाटो गठबंधन यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति के समन्वय में लगा है, जिनमें से कई हथियार कनाडा और यूरोपीय देशों द्वारा अमेरिका से खरीदे गए हैं। प्रतिबंध की यह घोषणा ऐसे समय आई जब रूसी ड्रोन और मिसाइलों ने यूक्रेन के कई हिस्सों को निशाना बनाया। इन हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक महिला और उसकी दो छोटी बेटियां शामिल थीं।

रूसी कंपनियों पर प्रतिबंध से रिलायंस को झटका व्यापारियों के जरिए तेल खरीदती रहेंगी पीएसयू

नई दिल्ली। रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों से रिलायंस इंडस्ट्रीज के रूस से कच्चे तेल के आयात पर असर पड़ने के आसार हैं जबकि सरकारी रिफाइनरियां फिलहाल मध्यस्थ व्यापारियों के माध्यम से खरीद जारी रख सकती हैं। उद्योग जगत के सूत्रों ने बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां अनुपालन जोखिमों का आकलन कर रही हैं, लेकिन रूसी कच्चे तेल के प्रवाह को तुरंत रोकने की संभावना नहीं है क्योंकि वे अपनी आवश्यकता का सभी तेल व्यापारियों से खरीदते हैं जिनमें से अधिकतर यूरोपीय व्यापारी हैं जो प्रतिबंधों के दायरे से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को अपने आयात को फिर से संतुलित करना पड़ सकता है क्योंकि यह सीधे रूस की रोसनेफ्ट से कच्चा तेल खरीदती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड भारत में रूसी कच्चे तेल की सबसे बड़ी खरीदार है और रूस से देश के प्रतिदिन 17 लाख बैरल आयात का लगभग आधा हिस्सा खरीदती है। रिलायंस ने दिसंबर 2024 में रूस की कंपनी रोसनेफ्ट के साथ 25 वर्ष तक प्रतिदिन 5,00,000 बैरल रूसी तेल आयात करने के लिए एक सावधिक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह बिचौलियों से भी तेल खरीदता है। कंपनी को इस पर प्रतिक्रिया हासिल करने के लिए ईमेल किया गया लेकिन उससे कोई जवाब नहीं मिला।

यूरोपीय संघ ने भी कई और प्रतिबंध लगाए

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर यूक्रेन युद्ध समाप्त करने का दबाव बढ़ाने के लिए बृहस्पतिवार को रूस पर कई और आर्थिक प्रतिबंध लगाने की घोषणा की।

हालांकि, रूसी अधिकारियों ने पश्चिमी देशों के दंडात्मक उपायों को काफी हद तक अप्रभावी बताते हुए खारिज कर दिया। इन प्रतिबंधों को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के लिए जीत के तौर पर देखा जा रहा है, जो अपने देश में युद्ध को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय से रूस के खिलाफ कड़े उपाय लागू करने की मांग करते आए हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 24 अक्टूबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 25 अक्टूबर 01.19 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

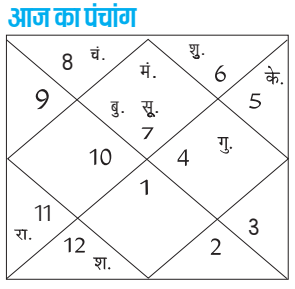

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अनुराधा पूर्ण रात्रि तक।

मेष — आज राजनीति क्षेत्र से जुड़े जातकों के लिए दिन अच्छा है। नौकरी, व्यापार तथा छात्रों को पढ़ाई से जुड़ी यात्रा के योग बन सकते हैं। रिश्तेदारों का आना-जाना लगा रहेगा। आपकी प्रतिभा में निखार आएगा और धन से जुड़ी समस्याओं का अंत होगा।

वृष — आज स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। वाहन इत्यादि चलाते समय सावधानी रखें। मकान-जमीन के कार्यों से धन लाभ की प्राप्ति के योग बन सकते हैं। वैवाहिक जीवन की बात करें तो जीवनसाथी से संबंध मधुर होंगे।

मिथुन — आज सरकारी कार्य बिना अवरोध के पूर्ण होंगे। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को शिक्षकों का साथ मिलेगा। संतान पक्ष से खुशखबरी मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ तालमेल बनाकर चलें।

कर्क — आज नौकरी में स्थितियां पहले से और अच्छी होंगी। व्यापारिक क्षेत्र से अधिक मुनाफा प्राप्त कर सकते हैं। सेहत ठीक रहेगी, लेकिन फिर भी खानपान का ध्यान रखें। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

सिंह — आज का दिन कठिन, लेकिन लाभप्रद भी रहेगा। आपको कुछ अलग और रचनात्मक काम करने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर काम का अधिक दबाव रहेगा। किसी बात को लेकर परिवार में मतभेद हो सकते हैं।

कन्या — आज आपको कई नए और उत्साहवर्धक कार्य मिलेंगे। आपको अपने सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा व आपस में संबंध भी बेहतर होंगे। आप अपने काम के लिए लंबे समय से तैयारी कर रहे हैं, आपको उसका प्रतिफल मिलेगा।

तुला — आज आप उन सभी क्षेत्रों में सफल होंगे, जिनमें आप प्रयास करेंगे। आप किसी पारिवारिक मुद्दे को लेकर परेशान हो सकते हैं। आर्थिक मामलों आपके पक्ष में रहेंगे, आपकी कमाई अच्छी रहेगी। आप निवेश के द्वारा भी कमाई कर सकते हैं।

वृश्चिक — आज युवा साथी अपने प्रेम की अभिव्यक्ति कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सम्मान व आर्थिक लाभ दोनों प्राप्त होगा। वैवाहिक जीवन बेहद रोमांटिक रहेगा। घर में प्रसन्नता का माहौल रहने वाला है। आपके उदार व्यवहार की लोग प्रशंसा करेंगे।

धनु — आज जीवनशैली में कुछ बदलाव आ सकते हैं, जिसे अपनाने में आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शाम को कोई शुभ समाचार मिल सकता है। व्यवसाय में वृद्धि के लिए निवेश कर सकते हैं। एकाग्रचित्त होकर अपने काम पर ध्यान दें।

मकर — आज व्यापार को लेकर नए अनुबंध हो सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है। बॉस आपकी राय व विचारों के आधार पर महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। घर में मेहमानों का आगमन हो सकता है।

कुंभ — आज नया काम शुरु न करें। कानूनी पचड़ों में घिरने की आशंका है। पुरुष जातकों की महिला सहकर्मियों से अनबन हो सकती है। समाज में आपका वर्चस्व कम हो सकता है। दांपत्य संबंधों में अविश्वास की स्थिति उत्पन्न न होने दें।

मीन — आज आपकी योजनाएं समय पर पूर्ण होंगी। दूसरों पर ज्यादा निर्भर रहना उचित नहीं है। पूर्व में की गई मेहनत का सुखद परिणाम प्राप्त होगा। प्रेम विवाह को परिवार की सहमति मिल सकती है। छात्रों को बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

सुडोकू - 139

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

				4		1	3	
6		3	7					
1				8				7
		2			9			
	3		6					
			1			2		
9		7		5				
			8		2	9		
2	4			6				

सुडोकू - 138 का हल

5	6	2	3	4	9	1	8	7
8	7	9	5	1	6	3	2	4
4	1	3	7	8	2	9	6	5
2	5	7	1	9	4	8	3	6
6	4	1	8	3	5	7	9	2
3	9	8	6	2	7	5	4	1
1	2	5	9	6	8	4	7	3
9	3	4	2	7	1	6	5	8
7	8	6	4	5	3	2	1	9

हाल ही में जो तकनीक मैं अपना रहा हूं, वह ऐसी नहीं है जिसे मैंने अचानक बदला हो। पिछले एक साल से मैं सीधा खड़ा रहना चाहता था, खासकर उन विकेटों पर जहां उछाल उम्मीद से थोड़ा ज्यादा होता है। मैंने अपने कोच के साथ इस पर काम किया और यह मुझे काफी रास आ रही है।
-श्रेयस अय्यर

स्टेडियम

मुरादाबाद, शुक्रवार 24 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

रंजना ने पैदल चाल में रजत पदक जीता

रिफा (बहरीन) : भारतीय युवा एथलीट रंजना यादव ने बृहस्पतिवार को यहां एशियाई युवा खेलों में लड़कियों की 5,000 मीटर पैदल चाल स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। इस भारतीय खिलाड़ी ने 23 मिनट 25 .88 सेकेंड के समय से दूसरा स्थान हासिल किया जबकि चीन की लियू शियी 24 :15 .27 सेकेंड के समय से उनसे आगे पहले स्थान पर रहीं। कोरिया की जियोंग चायेओन ने 25 :26 .93 सेकेंड के समय से कांस्य पदक जीता। एशियाई युवा खेलों में एथलेटिक्स में यह भारत का पहला पदक था। इससे देश के कुल पदकों की संख्या दो रजत और चार कांस्य हो गई। भारत ने अभी तक कुराश में एक रजत और दो कांस्य के अलावा ताइक्वांडो में दो कांस्य पदक जीते हैं।

भारत को सीओपी का उपाध्यक्ष चुना गया

नई दिल्ली : भारत को पेरिस में आयोजित खेल में डोपिंग के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सीओपी एशिया-प्रशांत) की 20वीं वर्षगांठ बैठक में पुन : उपाध्यक्ष चुना गया। इसमें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) और विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के प्रतिनिधियों के अलावा अन्य लोग भी शामिल हुए। यह सम्मेलन 20 से 22 अक्टूबर तक फ्रांस की राजधानी स्थित यूनेस्को मुख्यालय में आयोजित किया गया। खेल मंत्रालय ने एक बयान में कहा यह बैठक सम्मेलन की 20वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया जो विश्व स्तर पर खेलों में अखंडता को बढ़ावा देने और डोपिंग को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध एकमात्र कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय साधन है।

टीम इंडिया ने गंवा दी वनडे सीरीज

दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट से हराया, रोहित चले, लेकिन विराट फिर खाता नहीं खोल सके

एडिलेड, एजेंसी

एडम जंपा और जेवियर बार्टलेट की उम्दा गेंदबाजी के बाद मैथ्यू शॉर्ट और कूपर कोनोली के अर्धशतक से ऑस्ट्रेलिया ने बृहस्पतिवार को यहां दूसरे एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारत को दो विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 की विजयी बढ़त बना ली। भारत के 265 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने शॉर्ट (74 रन, 78 गेंद, चार चौके, दो छक्के) और कोनोली (नाबाद 61 रन, 53 गेंद, पांच चौके, एक छक्के) के अर्धशतक से 46.2 ओवर में आठ विकेट पर 265 रन बनाकर जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में 17 साल बाद भारत को वनडे मैच हराया है।

शॉर्ट ने मैट रेनशॉ (30) तथा कोनोली के साथ समान 55 रन की साझेदारियां की। कोनोली ने इसके बाद मिचेल ओवेन (36 रन, 23 गेंद, दो चौके, तीन छक्के) के साथ छठे विकेट के लिए 39 गेंद में 59 रन की साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की।

भारत ने इससे पहले रोहित (73 रन, 97 गेंद, सात चौके, दो छक्के) और श्रेयस अय्यर (61 रन, 77 गेंद, सात चौके) के अर्धशतक और दोनों के बीच तीसरे विकेट की 118 रन की साझेदारी से नौ विकेट पर 264 रन बनाए। अक्षर पटेल (44 रन, 41 गेंद, पांच चौके) ने भी उपयोगी पारी खेली जबकि हर्षित राणा (नाबाद 24) और अर्शदीप सिंह (13) ने नौवें विकेट के लिए 29 गेंद में 37 रन जोड़कर टीम का स्कोर 260 रन के पार पहुंचाया। अपने दूसरे बच्चे के जन्म के बाद वापसी करने वाले लेग स्पिनर जंपा ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 60 रन देकर चार विकेट लिए। बार्टलेट ने 39 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे ऑस्ट्रेलिया ने सतर्क शुरुआत की। ट्रेविस हेड (28) और कप्तान मिचेल मार्श (11) ने सात ओवर में 26 रन जोड़े।

अर्शदीप ने मार्श को विकेटकीपर लोकेश राहुल के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा। हेड ने मोहम्मद सिराज पर छक्का जड़ा लेकिन राणा (59 रन पर दो विकेट) की गेंद पर मिड ऑफ पर कोहली को कैच दे बैठे। शॉर्ट 23 रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब नितीश कुमार रेड्डी की गेंद पर प्वाइंट पर अक्षर ने उनका कैच टपका दिया। ऑस्ट्रेलिया के रनों का शतक 20वें ओवर में पूरा हुआ।

रेनशॉ (30) ने नितीश पर छक्का जड़ा लेकिन अक्षर (52 रन पर एक विकेट) की सीधी गेंद को चूककर बोल्ड हो गए।

एडम जंपा (मध्य) ने चार विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। एजेंसी

कुछ कैच छूटने से मुश्किलें बढ़ीं : गिल

एडिलेड : भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया से दूसरा वनडे गुरुवार को दो विकेट से हारने के बाद कहा कि मुझे लगता है हमारे पास बस पर्याप्त रन थे। जब आप कुछ कैच छोड़ देते हैं तो उस स्कोर का बचाव करना कभी आसान नहीं होता। भारत ने निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट पर 264 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने विकेट गंवाने के बावजूद 462 ओवर में आठ विकेट पर 265 रन बनाकर जीत और सीरीज अपने नाम कर ली। मैच के बाद गिल ने प्रेजेंटेशन में कहा, ''जैसे-जैसे गेंद पुरानी होती गई, विकेट और बेहतर होता गया। पहले मैच में टॉस ज्यादा अहम था, इस बार उतना नहीं रहा। दोनों टीमों ने लगभग पूरे 50 ओवर खेले। पहली पारी के शुरुआती 10-15 ओवरों के बाद विकेट काफी स्थिर हो गया था। (रोहित के बारे में) लंबे समय बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के लिए वापसी करना कभी आसान नहीं होता, मैं कहूंगा कि वह एक बड़ी पारी खेलने से चूक गए।

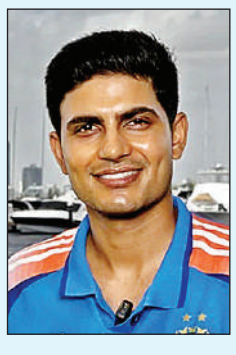

भारत

264/9 (50 ओवर)

रोहित शर्मा का हेजलवुड बो स्टार्क	73
शुभमन गिल का मार्श बो बार्टलेट	09
विराट कोहली पगबाधा बो बार्टलेट	00
श्रेयस अय्यर बो जंपा	61
अक्षर पटेल का स्टार्क बो जंपा	44
लोकेश राहुल बो जंपा	11
वाशिंगटन का हेजलवुड बो बार्टलेट	12
नितीश रेड्डी स्टं कैरी बो जंपा	08
हर्षित राणा नाबाद	24
अर्शदीप सिंह बो स्टार्क	13
मोहम्मद सिराज नाबाद	00

गेंदबाजी : स्टार्क 10-0-62-2, हेजलवुड 10-2-29-0, बार्टलेट 10-1-39-3, ओवेन 2-0-20-0, जंपा 10-0-60-4, कोनोली 3-0-11-0, शॉर्ट 3-0-23-0, हेड 2-0-16-0

ऑस्ट्रेलिया

265/8 (46.2 ओवर)

मिचेल मार्श का राहुल बो अर्शदीप	11
ट्रेविस हेड का कोहली बो राणा	28
मैथ्यू शॉर्ट का सिराज बो राणा	74
मैट रेनशॉ बो अक्षर	30
एलेक्स कैरी बो वाशिंगटन	09
कूपर कोनोली नाबाद	61
ओवन का अर्शदीप बो वाशिंगटन	36
बार्टलेट का गिल बो अर्शदीप	03
मिचेल स्टार्क का अक्षर बो सिराज	04
एडम जंपा नाबाद	00

गेंदबाजी : सिराज 10-0-49-1, अर्शदीप 8 .2-0-41-2, राणा 8-0-59-2, वाशिंगटन 7-0-37-2, नितीश 3-0-24-0, अक्षर 10-0-52-1

रोहित शर्मा।

भारत ने न्यूजीलैंड को दिया 341 रनों का विशाल लक्ष्य

नवी मुंबई, एजेंसी

भारत ने स्मृति मंधाना (109 रन) और प्रतिका रावल (122 रन) के बीच पहले विकेट के लिए रिकॉर्ड 212 रन की साझेदारी के साथ जेमिमा रॉड्रिग्स की 76 रन की तेज तर्रार नाबाद पारी की मदद से बृहस्पतिवार को यहां बारिश से प्रभावित आईसीसी महिला वनडे विश्व कप मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन विकेट पर 340 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

बारिश के कारण 90 मिनट तक खेल रूका रहा जिसके बाद इसे 49-49 ओवरों का कर दिया गया।

लगातार तीन मैच गंवाने के कारण भारत का सेमीफाइनल स्थान दाव पर लगा हुआ है। भारत ने अनुकूल पिच का फायदा उठाते हुए मंधाना की अगुवाई में टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया।

रावल ने विश्व कप में अपना पहला शतक जड़ने के साथ ही दो बड़ी साझेदारियां भी निभाईं। उन्होंने मंधाना के साथ पहले विकेट के लिए रिकॉर्ड 212 रन और रोड्रिग्स के साथ दूसरे विकेट के लिए 76 रन की भागीदारी निभाईं।

भारत ने पिछले मैच में छठे गेंदबाज को प्राथमिकता रखने के कारण रोड्रिग्स को अंतिम एकादश से बाहर रखा था। लेकिन इस मैच में रोड्रिग्स को शामिल किया गया। उन्होंने 39 गेंद में इस विश्व कप का सबसे तेज अर्धशतक जड़ा जिसके बाद उन्होंने 55 गेंद में 11 चौकों की मदद से नाबाद 76 रन बनाए।

मंधाना ने 95 गेंद का सामना करते हुए अपनी पारी में 10 चौके और चार छक्के जड़े। उन्होंने सही समय पर अपना तीसरा विश्व कप शतक जड़ा जबकि यह इस चरण का उनका पहला शतक था। उन्होंने ऑफ स्पिनर ईडन कार्सन की गेंद पर कवर पर एक शानदार छक्का जड़ा। गर्मी और उमस भरे मौसम में मंधाना और रावल ने न्यूजीलैंड को यह अहसास दिलाने में ज्यादा देर नहीं लगाई कि शायद भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए उतारना सही फैसला नहीं था।

न्यूजीलैंड ने कसी गेंदबाजी से शुरुआत तो अच्छी की लेकिन जल्द ही उसकी गेंदबाजों के खिलाफ तेजी से रन बनने लगे। मंधाना दोनों खिलाड़ियों में आक्रामक खेल रही थीं, उन्होंने बेहतरीन स्ट्रोक्स लगाए। मंधाना का 14वां वनडे शतक इस कैलेंडर वर्ष में उनका पांचवां सैकड़ा भी था। इस तरह वह ऑस्ट्रेलियाई महान खिलाड़ी मेग लैनिंग के किसी भी महिला खिलाड़ी द्वारा सर्वाधिक वनडे शतकों (15) के रिकॉर्ड को तोड़ने के भी करीब पहुंच गईं हैं।

स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल रन लेने के दौरान प्रसन्न मुद्रा में नजर आईं। एजेंसी

- मंधाना व रावल ने खेली शतकीय पारियां, रॉड्रिग्स ने लगाया पचासा

भारत

340/3 (49 ओवर)

प्रतिका का सब बो एमेलिया केर	122
स्मृति मंधाना का सब बो बेट्स	109
जेमिमा रॉड्रिग्स नाबाद	76
हरमनप्रीत का कार्सन बो मेयर	10
रिचा घोष नाबाद	04

गेंदबाजी : रोजमैरी मेयर 8-1-52-1, जेस केर 8-1-51-0, सोफी डिवाइन 6-0-34-0, ईडन कार्सन 6-0-46-0, लिया ताहुहू 4-0-37-0, एमेलिया केर 10-0-69-1, सूजी बेट्स 7-0-40-1

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णीत	अंक	रन रेट
ऑस्ट्रेलिया	6	5	0	1	11	1.704
द.अफ्रीका	6	5	1	0	10	0.276
इंग्लैंड	6	4	1	1	9	1.024
भारत	5	2	3	0	4	0.526
न्यूजीलैंड	5	1	2	2	4	-0.245
श्रीलंका	6	1	3	2	4	-1.035
बांग्लादेश	6	1	5	0	2	-0.578
पाकिस्तान	6	0	4	2	2	-2.651

रोहित-कोहली का स्वर्णिम युग प्रशंसकों के दिलों में भी अंकित रहेगा : ग्रेग चैपल

एडिलेड, एजेंसी

भारत के पूर्व मुख्य कोच ग्रेग चैपल का मानना है कि विराट कोहली का जुनून और व्यक्तिगत गौरव को अधिक तवज्जो नहीं देना तथा रोहित शर्मा की विनम्रता और कलात्मकता सिर्फ रिकॉर्ड बुक में ही नहीं बल्कि प्रशंसकों के दिलों में भी हमेशा के लिए अंकित हो जाएगी।

अपने आखिरी ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर आए रोहित और कोहली करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं और चैपल को लगता है कि इस जोड़ी की विरासत आंकड़ों से कहीं आगे जाती है। चैपल ने ईएसपीएन क्रिकइंफो के लिए अप ने कॉलम में लिखा अब जैसे- जैसे क्रिकेट की दुनिया आगे बढ़ेगी तो नए नाम उभरेंगे। नए कप्तान ने तृत्व करेंगे, लेकिन यह स्वर्णिम अध्याय - कोहली-रोहित युग - सिर्फ रिकॉर्ड बुक में ही नहीं, बल्कि हर उस प्रशंसक के दिलों में अंकित रहेगा जो समझता था कि वे किस लिए खड़े हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज चैपल का मानना है कि कोहली को सिर्फ महान बल्लेबाजों की श्रेणी में रखना उ न के साथ अन्या य होगा। उ न्होंने लिखा कोहली कभी सिर्फ बल्लेबाज नहीं थे। वह एक आंदोलन थे। उन्होंने वो दिखाया जो बहुत कम लोग कर पाते हैं - एक योद्धा जैसी मानसिकता। उन्होंने भारत की एकदिवसीय टीम को एक तेज, केंद्रित और पूरी तरह से फिट टीम में बदल दिया जो घर हो या बाहर, जीतने के लिए खेलती थी। इसके बाद उन्होंने उनके खेल और व्यक्तित्व का विश्लेषण किया और बताया कि दोनों किस चीज के प्रतीक थे। चैपल ने लिखा कोहली का जुनून, उनका समझौता नहीं करना, आंकड़ों से अधिक विरासत में उनका विश्वास। रोहित की शान, उनकी विनम्रता और उनकी वापसी की कहानी जिसने हम सभी को याद दिलाया कि क्रिकेट में और जिंदगी में - टाइमिंग ही सब कुछ है।

चैपल यह बताना नहीं भूले कि कोहली अपने कुछ पूर्ववर्तियों के विपरीत आंकड़ों के मोह में नहीं थे। उन्होंने लिखा, जो बात कोहली उनसे पहले आए दिग्गजों से अलग करती थी वह थी व्यक्तिगत आंकड़ों को अधिक तवज्जो नहीं देना। जहां दुनिया शतकों और कुल स्कोर की वाहवाही कर रही थी, वहीं कोहली को सिर्फ नतीजों की परवाह थी। चैपल ने लिखा उन्होंने एक बार कहा था कि वह भारत के लिए खेलते हैं रिकॉर्ड के लिए नहीं- एक ऐसा बयान जिसने उनके नेतृत्व को परिभाषित किया। व्यक्तिगत उपलब्धियां अक्सर भारत की क्रिकेट कहानी का केंद्र बिंदु होती थीं लेकिन कोहली कुछ बड़ा चाहते थे। उनकी पहचान विरासत थी, आंकड़े नहीं। रोहित के मामले में, पारी की शुरुआत उन्हें लाल गेंद के एक ऐसे दिग्गज खिलाड़ी में बदल गई जो विरोधियों को बेहद सटीकता से ध्वस्त कर सकता था। कोहली का उदय तेजी से हुआ और उनके जुनून ने उन्हें परिभाषित किया तो वहीं रोहित का सफर धीमी गति से महानता की ओर बढ़ने वाला था। वर्षों तक उन्होंने सीमित ओवरों के क्रिकेट में अपनी चमक बिखेरी।

- बोले- विराट के जुनून व शर्मा की विनम्रता को कोई भुला नहीं सकता

लिवरपूल ने फ्रेंकफर्ट को हराया

चैंपियन्स लीग

मिलान, एजेंसी

लिवरपूल ने बुधवार को यहां चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में एंट्रेक्ट फ्रेंकफर्ट को एकतरफा मुकाबले में 5-1 से हराकर प्रतियोगिता में वापसी की।

चेल्सी और बायर्न म्यूनिख ने भी आसान जीत दर्ज की जबकि रिकॉर्ड 15 बार के चैंपियन रीयाल मैड्रिड ने यूवेंटस को 1-0 से हराकर मौजूदा सत्र का अपना परफेक्ट रिकॉर्ड बरकरार रखा। लिवरपूल ने इस जीत के साथ लगातार चार हार के क्रम को तोड़ दिया।

रासमस क्रिस्टेनसन ने 26वें मिनट में फ्रेंकफर्ट को बढ़त दिलाई लेकिन नौ मिनट बाद फ्रेंकफर्ट के पूर्व खिलाड़ी ह्यूगो एकिटिके ने लिवरपूल को बराबरी दिला दी। लिवरपूल के कप्तान वर्जिल वान डिक और इब्राहिमा कोनात के इसके बाद पांच मिनट के भीतर दो गोल दागकर अपनी टीम को मध्यांतर तक 3-1 से आगे कर दिया। कोडी गैप्को और डोमीनिक सोबोसलाई ने दूसरे हाफ में गोल दागकर लिवरपूल की बड़ी जीत सुनिश्चित की। दूसरी तरफ रीयाल मैड्रिड ने 57वें मिनट में ज्यूड बेलिंघम के चैंपियन्स लीग में पहले गोल की बदौलत लगातार तीसरी जीत दर्ज की। मैड्रिड और बायर्न सहित पांच क्लब अधिकतम नौ अंक के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर हैं। चेल्सी ने अजैक्स को 5-1 से हराया जबकि बायर्न म्यूनिख ने क्लब ब्रूग को 4-0 से शिकस्त दी। एथलेटिक बिलबाओ ने काराबेग को 3-1 से हराकर मौजूदा चैंपियन्स लीग में अपने शुरुआती अंक जुटाए। गैलाटेसराय ने बोडो ग्लिम्ट को 3-1 से हराया। स्पोर्टिंग लिस्बन ने मार्सिले को 2-1 से शिकस्त दी। टोटेनहैम और अटलांटा ने मोनाको और स्लाविया प्राग से गोल रहित ड्रॉ खेला।

भारत ने 23 सदस्यीय फुटबाल टीम की घोषणा की

नई दिल्ली : भारत की अंडर-20 महिला टीम के मुख्य कोच जोआकिम एलेक्जेंडरसन ने कजाकिस्तान अंडर-19 टीम के खिलाफ दो मैत्री मैचों के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। पहला मैच 25 और तथा मुकाबला 28 अक्टूबर को कजाकिस्तान के शिमकेंट में होगा। **टीम :** गोलकीपर : मेलोडी चानू कीशम, मोनालिशा देवी मोइरांगथेम और रिबांसी जामू। डिफेंडर : अलीना चिंगखाम, सिंडी रेमुअटपुई कोलनी, जूही सिंह और निशिमा कुमारी, रेमी थोकचोम, शुभांगी सिंह, थोइबिसाना चानू तोइजाम और विकसित बारा। मिडफील्डर : अंजू चानू कायेनपाइबम, अरीना देवी नामीराकपम, भूमिका देवी, खुमुकचम, खुशबू सरोज, नेहा और पूजा। फॉरवर्ड : बबीता कुमारी, दीपिका पाल, काजोल डिसूजा, लिंगदेइकिम, शिलजी शाजी, सिबानी देवी नोंगमेइकापम।

श्रीलंका बड़ी जीत दर्ज करना चाहेगा

कोलंबो : सेमीफाइनल में जगह बनाने की मामूली उम्मीदों के बीच श्रीलंका शुक्रवार को महिला एकदिवसीय विश्व कप में नॉकआउट में जगह बनाने की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुके पाकिस्तान पर बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगा। श्रीलंका फिलहाल चार अंकों और माइनस 1.035 के नेट रन रेट के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर है।

टूर्नामेंट में बने रहने के लिए चामरी अटापट्टू की अगुवाई वाली टीम को पाकिस्तान को बड़े अंतर से हराना होगा और लगातार अनुकूल नतीजों की उम्मीद करनी होगी जिसमें न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ भारत की उसके दोनों बचे हुए मुकाबलों में हार भी शामिल है। इसके अलावा श्रीलंका को उम्मीद करनी होगी कि इंग्लैंड रविवार को पांचवें स्थान पर काबिज न्यूजीलैंड को हरा देगा।

उत्साह | विश्व की नंबर एक टीम अर्जेंटीना और इस खेल का जन्मदाता भारत मुकाबले को तैयार

भारत-अर्जेंटीना के बीच पोलो में होगी रोचक भिड़ंत

नई दिल्ली, एजेंसी

पांच साल के अंतराल के बाद, अंतर्राष्ट्रीय पोलो राजधानी में शानदार वापसी करने के लिए तैयार है। विश्व की नंबर एक टीम अर्जेंटीना और पोलो का जन्मदाता भारत शनिवार को प्रतिष्ठित जयपुर पोलो ग्राउंड में जबरदस्त भिड़ंत के लिए तैयार हो गए हैं।

कोग्निवेरा आईटी सॉल्यूशंस, भारतीय पोलो संघ और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के सहयोग से, भारत और अर्जेंटीना के बीच इस प्रतिष्ठित मुकाबले की मेजबानी करेगा। पोलो और अंतर्राष्ट्रीय खेल जगत की गरिमा उस समय देखने को मिली जब कोग्निवेरा आईटी सॉल्यूशंस और भारतीय पोलो संघ (आईपीए) ने दिल्ली छावनी स्थित आर्मी इक्वेस्ट्रियन सेंटर में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस और कोग्निवेरा अंतर्राष्ट्रीय पोलो कप की ट्रॉफी लॉन्च की। इस कार्यक्रम में टीम इंडिया और टीम अर्जेंटीना की आधिकारिक प्रस्तुति भी शामिल थी, जिससे दुनिया की दो शीर्ष पोलो टीमों के बीच एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद जगी।

मुख्य आकर्षण शानदार कोग्निवेरा अंतर्राष्ट्रीय पोलो कप ट्रॉफी का अनावरण था, जो प्रतिस्पर्धा के मूल सार, भारत और अर्जेंटीना, दोनों देशों के बीच संयुक्त विरासत और सौहार्द का प्रतीक है, जो राजाओं के खेल के प्रति प्रेम को साझा करते हैं और उससे जुड़े हैं। इस अवसर पर आमंत्रित अतिथि, गणमान्य व्यक्ति और चौथे स्तंभ के सदस्य पोलो कैलेंडर के सबसे उत्सुकता से प्रतीक्षित मैचों में से एक के आधिकारिक शुभारंभ के साक्षी बनने के लिए एकत्र हुए थे। टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व सिमरन शेरगिल, शमशीर अली, सवाई पद्मनाभ सिंह और सिद्धांत शर्मा कर रहे हैं। मैदान पर उनका सामना टीम अर्जेंटीना से होगा, जिसमें जुआन ऑगस्टिन गार्सिया ग्रॉसी, सल्वाडोर जौरेचे, मटियास बॉतिस्ता एस्पासंडिन और निकोलस जॉर्ज कॉर्टी मदेरणा शामिल हैं। सामूहिक रूप से, दोनों टीमें रणनीति, ताकत और घुड़सवारी की विशेषता वाले एक शानदार मुकाबले के लिए तैयार हैं।

इंटरनेशनल पोलो कप की ट्रॉफी का हुआ अनावरण

नई दिल्ली : सिमरन शेरगिल, शमशीर अली, सवाई पद्मनाभ सिंह और सिद्धांत शर्मा इंटरनेशनल पोलो कप में भारत की चुनौती पेश करेंगे जिसकी ट्रॉफी का अनावरण बृहस्पतिवार को हुआ। भारतीय पोलो संघ (आईपीएल) और कोग्नीवेरा आई टी ने इंटरनेशनल पोलो कप की ट्रॉफी का अनावरण किया। इसमें भारत और अर्जेंटीना शीर्ष खिताब के लिये 25 अक्टूबर को मुकाबला करेंगे। अर्जेंटीना टीम में जुआन आगस्टिन गार्सिया ग्रोस्सी, सल्वाडोर जुरेशे, मटियास बतिस्ता और निकोलस जोर्ज कोर्टी मॉडरना शामिल हैं। दिल्ली में पांच साल बाद अंतर्राष्ट्रीय पोलो हो रहा है।